हिन्दी दैनिक

तीसरा विकल्प न्यूज़

(लखनऊ से प्रकाशित)

वर्षः- 04, अंकः-32, पृष्ठः-08, मूल्यः- 2 रु.

लखनऊ, शुक्रवार 10 जुलाई 2026

प्रथम आगमन पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष की धूमधाम से किया...02

पहली झमाझम बारिश बनी किसानों के लिए वरदान, लेकिन...06

मुख्यमंत्री बोले- सपा कब्रिस्तान बनवाती थी

भू-माफिया और डकैत जीतेंगे तो जनता को लूटेंगे

बांदा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बांदा में 710 करोड़ रुपए की 235 विकास परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास कार्यक्रम में विपक्ष पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि अगर भू-माफिया और डकैत चुनाव जीतकर आएंगे तो व्यापारियों को लूटेंगे, गरीबों को उजाड़ेंगे और सरकारी योजनाओं में भी डकैती डालेंगे। उन्होंने दावा किया कि 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में यही स्थिति थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ लोग भारत की विरासत और सनातन परंपरा का अपमान करना अपना उद्देश्य बना चुके हैं। उन्हें अयोध्या का राम मंदिर अच्छा नहीं लगता और मंदिरों के संरक्षण व विकास के कार्य भी पसंद नहीं आते। आज सरकार जनता के पैसों को मंदिरों के संरक्षण और सौंदर्यीकरण पर खर्च कर रही है। यही पैसा पहले समाजवादी पार्टी के समय कब्रिस्तानों की बाउंड्रीवाल बनाने में खर्च होता था। उन्हें कब्रिस्तान ही अच्छे लगते हैं। सीएम ने कहाद् पहले जिन लोगों को प्रदेश की सुरक्षा की जिम्मेदारी दी गई थी, वही प्रदेश को लूटने का काम करते थे। सरकार बनने के बाद मैंने दो बड़े फैसले किए थे,अवैध स्लॉटर हाउस बंद कराए जाएंगे और किसी भी माफिया द्वारा कब्जाई गई जमीन 24 घंटे के भीतर खाली कराई जाएगी। सरकार अब तक 64 हजार एकड़ जमीन भू-माफियाओं और सपा संरक्षित माफियाओं से मुक्त करा चुकी है। इसी जमीन पर अब विकास कार्य कराए जा रहे हैं। पहले प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ पाने के लिए समाजवादी पार्टी से जुड़ा होना जरूरी माना जाता था, लेकिन डबल इंजन की सरकार बिना किसी भेदभाव के सभी पात्र लोगों को योजनाओं का लाभ दे रही है। योगी ने कहा कि समाजवादी पार्टी और कांग्रेस ने युवाओं को रोजगार देने के बजाय उनके हाथों में तमंचे थमा दिए थे। जबकि भाजपा सरकार डिफेंस कॉरिडोर विकसित कर रही है, जहां ब्रह्मोस जैसी मिसाइल बनाई जा रही है। उन्होंने कहा, जब ब्रह्मोस चलती है तो पाकिस्तान भी शबाप-बापश् चिल्लाता है। योगी ने कहा कि भाजपा सरकार किसी के साथ भेदभाव नहीं करती, लेकिन तुष्टिकरण की नीति भी स्वीकार नहीं करती। सरकार गुंडागर्दी, व्यापारियों के उत्पीड़न और बहन-बेटियों की सुरक्षा से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफसख्त कार्रवाई करती है। योगी ने कहा कि पिछले नौ वर्षों में सरकार ने बड़े पैमाने पर रोजगार उपलब्ध कराए हैं। उन्होंने बताया कि वन डिस्ट्रिक्ट-वन प्रोडक्ट योजना के माध्यम से सवा तीन करोड़ युवाओं को स्वरोजगार से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब वह पहली बार मुख्यमंत्री बनने के बाद बुंदेलखंड आए थे, तब यहां की स्थिति बेहद दयनीय थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी उन्हें सबसे पहले बुंदेलखंड जाकर वहां के विकास के लिए काम करने को कहा था। उन्होंने कहा कि उस समय बुंदेलखंड पलायन, पानी की कमी, भू-माफिया, खनन माफिया और डकैतों के आतंक से जूझ रहा था। किसान अपने खेत जाने से डरता था, व्यापारी भय में रहते थे और बेटियां सुरक्षित नहीं थीं। थानों में एफआईआर तक दर्ज नहीं होती थी। योगी ने कहा कि 2017 में डबल इंजन की सरकार बनने के बाद बुंदेलखंड की तस्वीर बदल गई। आज क्षेत्र बेहतर सड़क संपर्क से जुड़ चुका है, हर खेत तक पानी पहुंचाने की तैयारी हो रही है और युवाओं के रोजगार के नए अवसर तैयार किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पहले यहां नौकरी युवाओं का सपना थी, लेकिन अब वह सपना साकार हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह बुधवार रात चित्रकूट में थे और भगवान कामतानाथ की परिक्रमा करने के बाद सीधे बांदा पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि बुंदेलखंड के लोगों के मन में भगवान श्रीराम बसते हैं और यही इस क्षेत्र की सबसे बड़ी सांस्कृतिक ताकत है। योगी ने कहा कि बांदा का प्रसिद्ध सजर पत्थर अब बहुमूल्य रत्नों की श्रेणी में अपनी पहचान बना रहा है।

बांदा में योगी की हुंकार

- बोले- सपा के समय युवाओं के हाथ में थे तमंचे
- आज हम बना रहे ब्रह्मोस; विरासत और विकास साथ-साथ

संक्षिप्त समाचार

कॉजपा का बड़ा राजनीतिक कदम, 20 को संसद मार्च का किया ऐलान

नयी दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी ने बृहस्पतिवार को ऐलान किया कि वह मानसून सत्र के पहले दिन 20 जुलाई को संसद तक मार्च करेगी। परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर जंतर-मंतर पर कॉजपा का धरना 20वें दिन में प्रवेश कर गया। कॉजपा ने एक बयान में कहा कि मार्च जंतर-मंतर से शुरू होगा और 28 जून से अनिश्चितकालीन अनशन कर रहे कार्यकर्ता सोनम वांगचुक भी इस दौरान मौजूद रहेंगे। पार्टी ने देशभर के छात्रों, अभिभावकों और नागरिकों से इस मार्च में शामिल होने की अपील की। उसका कहना था कि यह मार्च परीक्षा में कथित अनियमितताओं के कारण आत्महत्या करने वाले छात्रों को न्याय दिलाने, पारदर्शी एवं विश्वसनीय परीक्षा प्रणाली की मांग उठाने और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान पर इस्तीफे का दबाव बनाने के लिए निकाला जाएगा।

खरगे का मोदी सरकार पर हमला

नयी दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि गलवान घाटी की घटना के बाद केंद्र सरकार ने चीन के प्रति नरम रुख अपनाया, जिसके कारण कई महत्वपूर्ण आर्थिक और रणनीतिक क्षेत्रों में भारत की चीन पर निर्भरता बढ़ी है तथा राष्ट्रीय हितों को नुकसान पहुंचा है। खरगे ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट कर यह भी दावा किया कि वर्ष 2020 में हुई गलवान की घटना के बाद वर्ष 2025-26 तक चीन से भारत का आयात 101.81 प्रतिशत बढ़ गया और दोनों देशों के बीच व्यापार घाटा बढ़कर 112.1 अरब डॉलर तक पहुंच गया। उन्होंने आरोप लगाया, छह वर्ष पहले गलवान में 20 भारतीय सैनिकों के सर्वोच्च बलिदान के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चीन को क्लीन चिट दे दी थी। भारतीय सैनिकों ने सर्वोच्च बलिदान दिया, लेकिन केंद्र सरकार ने भारत के हितों के समक्ष चीन के प्रति नरम रुख अपनाया। खरगे ने कहा कि भारत के एंटीबायोटिक आयात का 86 प्रतिशत हिस्सा चीन से आता है।

स्टील फैक्टरी में तड़के मची चीख-पुकार

हापुड़। हापुड़ जिले के धौलाना क्षेत्र में गुरुवार तड़के एक इस्पात कारखाने में भीषण आग लगने से एक मजदूर की झुलसकर मौत हो गई, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। दमकल विभाग की टीम ने करीब 2 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। पुलिस के अनुसार, धौलाना थाना क्षेत्र में उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास निगम (यूपीएसआईडीसी) फेज-3 स्थित मैसर्स सुख स्टील्स फैक्टरी में तड़के करीब चार बजे आग लग गई। सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की पांच गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। आग की विकरालता को देखते हुए गाजियाबाद से भी दमकल के दो वाहन बुलाए गए।

भारत और ऑस्ट्रेलिया ने पीएसीटीएस लॉन्च किया

नयी दिल्ली। भारत और ऑस्ट्रेलिया ने मिलकर गुरुवार को पार्टनरशिप ऑन साइबर, क्रिटिकल टेक्नोलॉजी एंड सप्लाई चेन (पीएसीटीएस) को लॉन्च किया। इसका उद्देश्य साइबर और क्रिटिकल टेक्नोलॉजी क्षेत्र में दोनों देशों के बीच आपसी सहयोग को बढ़ाना है। विदेश मंत्रालय ने बयान में कहा, पीएसीटीएस का मकसद राष्ट्रीय और क्षेत्रीय सुरक्षा में हमारे साझा हितों का समर्थन करना, हमारे सहयोगियों को अधिक डिजिटल विकल्प देकर सशक्त बनाना, अहम सप्लाई चेन को अधिक मजबूत बनाना और ग्लोबल साइबर क्षमता को मजबूत करना है।

पलामू में पारिवारिक कलह के बाद मां ने दो मासूम बेटियों को कुएं में फेंका, खुद भी कूदी, दोनों बच्चियों की मौत

पलामू। झारखंड के पलामू जिले में पारिवारिक विवाद के बाद एक महिला ने अपनी दो मासूम बेटियों के साथ कुएं में छलांग लगा दी। इस घटना में दोनों बच्चियों की मौत हो गई, जबकि महिला को ग्रामीणों ने जीवित निकाल लिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार घटना नावाबाजार थाना क्षेत्र के कंडा गांव की है। महिला सरिता देवी का बुधवार रात किसी बात को लेकर अपने पति छोटेलाल प्रजापति से विवाद हुआ था। इसके बाद वह अपनी चार वर्षीय बेटी प्रिया कुमारी और दो वर्षीय बेटी डोली कुमारी को लेकर घर से निकल गई। महिला ने पहले दोनों बच्चियों को कुएं में डाल दिया और फिर खुद भी उसमें छलांग लगा दी। बड़ी बच्ची के शोर मचाने पर आसपास के लोगों को घटना की जानकारी हुई। ग्रामीण तत्काल मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। काफी मशक्कत के बाद तीनों को कुएं से बाहर निकाला गया। दोनों बच्चियों को तत्काल स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। महिला को भी इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। उसकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। सूचना मिलने पर नावाबाजार थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने दोनों बच्चियों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना के संबंध में परिजनों और स्थानीय लोगों से पूछताछ की जा रही है।

जयशंकर का खाड़ी दौरा- विशाल भारतीय समुदाय के कल्याण को सुनिश्चित करना उद्देश्य

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

कुवैत सिटी। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने 5 से 10 जुलाई तक खाड़ी देशों के अपने रणनीतिक और सघन दौरे के तहत कुवैत की महत्वपूर्ण आधिकारिक यात्रा की। इससे पहले उन्होंने बहरीन का सफल दौरा किया था। इस व्यापक पश्चिम एशिया कूटनीतिक मिशन का मुख्य उद्देश्य ऊर्जा सुरक्षा, समुद्री सुरक्षा, द्विपक्षीय व्यापार और वहां रह रहे विशाल भारतीय समुदाय के कल्याण को सुनिश्चित करना है। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा विदेश मंत्री ने कुवैत के क्राउन प्रिंस शेख सबाह अल-खालिद अल-हमद अल-मुबारक अल-सबाह और प्रधानमंत्री शेख अहमद अब्दुल्ला अल-अहमद अल-सबाह से मुलाकात की। विदेश मंत्री ने रक्षा मंत्री शेख अब्दुल्ला अली अब्दुल्ला अल-सलेम अल-सबाह और विदेश मंत्री शेख जर्राह जाबेर अल-अहमद अल-सबाह के साथ बैठकें कीं। इन चर्चाओं से भारत-कुवैत रणनीतिक साझेदारी की समीक्षा करने और आपसी हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर विचार-विमर्श करने का अवसर मिला। डॉ. जयशंकर ने कुवैत में भारतीय समुदाय के सदस्यों से भी बातचीत की और भारत-कुवैत के बहुआयामी संबंधों को और गहरा करने में उनके निरंतर योगदान की सराहना की। इससे पहले बहरीन की यात्रा के दौरान, विदेश मंत्री ने क्राउन प्रिंस और प्रधानमंत्री प्रिंस सलमान बिन हमद अल खलीफा की उपस्थिति में किंग हमद बिन ईसा अल खलीफा से मुलाकात की। उन्होंने उप प्रधानमंत्री शेख खालिद बिन अब्दुल्ला अल खलीफा से भी अलग से मुलाकात की। इन बैठकों के दौरान, विदेश मंत्री ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से शुभकामनाएं दीं और बहरीन के साथ लंबे समय से चले आ रहे मैत्रीपूर्ण द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के भारत के संकल्प को दोहराया। मंत्रालय ने एक अन्य बयान में बताया विदेश मंत्री ने बहरीन के अपने समकक्ष डॉ. अब्दुल्लतीफ बिन राशिद अल ज़यानी के साथ द्विपक्षीय बातचीत की। दोनों मंत्रियों ने आपसी हित के क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रमों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। बयान में कहा गया उन्होंने भारत-बहरीन द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा की और विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। विदेश मंत्री ने 2026 से 2027 तक संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के अस्थायी सदस्य के तौर पर बहरीन की भूमिका के लिए उन्हें बधाई दी। डॉ. जयशंकर का यह 6 दिवसीय दौरा (कतर, बहरीन, कुवैत और आगामी यात्रा के तहत ओमान) तेजी से बदलती वैश्विक और पश्चिम एशियाई राजनीति के बीच नई दिल्ली की सक्रिय कूटनीति का प्रमाण है। कतर में ऊर्जा सुरक्षा, बहरीन में व्यापार व शिपिंग लेन की सुरक्षा, कुवैत में खाद्य सुरक्षा और प्रवासियों का कल्याण, तथा ओमान में व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) को अंतिम रूप देना इस पूरे दौरे का केंद्रीय स्तंभ है। इस यात्रा ने यह साफ कर दिया है कि खाड़ी क्षेत्र न केवल भारत की ऊर्जा जरूरतों बल्कि आर्थिक और रणनीतिक हितों के लिए भी सर्वोपरि है।

बारामूला में यूएपीए मामले में जांच के तहत छापेमारी, पुलिस ने डिजिटल उपकरण किए सीज

बारामूला। जम्मू-कश्मीर की बारामूला पुलिस ने गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) से जुड़े एक मामले की जांच के तहत जिले में कई स्थानों पर एक साथ तलाशी अभियान चलाया। मौके से कुछ इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस जब्त किए गए हैं। पुलिस के अनुसार, यह कार्रवाई बारामूला पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज होने के बाद की गई। जांच को आगे बढ़ाते हुए पुलिस ने संदिग्ध गतिविधियों से जुड़े इनपुट के आधार पर यह कार्रवाई की। बारामूला पुलिस ने गुरुवार को जिले के विभिन्न इलाकों में कई लोगों के आवासों पर समन्वित तरीके से तलाशी ली। जिन स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया गया, उनमें इकबाल कॉलोनी बारामूला निवासी फराज अशरफगोजरी, कनली बाग बारामूला निवासी वसीम अली कर, तौहीद गंज बारामूला निवासी तनवीर अहमद मीर उर्फ काका मीर पुत्र अब्दुल रशीद मीर, जो वर्तमान में गुलनार पार्क आजाद गंज में रह रहे हैं तथा ख्वाजाबाग जेट्टी बारामूला निवासी वसीम हुसैन मीर पुत्र मोहम्मद हुसैन मीर के आवास शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि तलाशी अभियान के दौरान चार मोबाइल फोन और एक लैपटॉप जब्त किए गए हैं। इन इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को आगे की जांच और फॉरेंसिक परीक्षण के लिए सुरक्षित रखा गया है। जांच एजेंसियां इन उपकरणों से संबंधित डिजिटल जानकारी जुटाकर मामले की तह तक पहुंचने का प्रयास करेंगी।

महाराष्ट्र के मराठवाड़ा में आधी रात कांपी धरती, चार बार महसूस हुए भूकंप के झटके

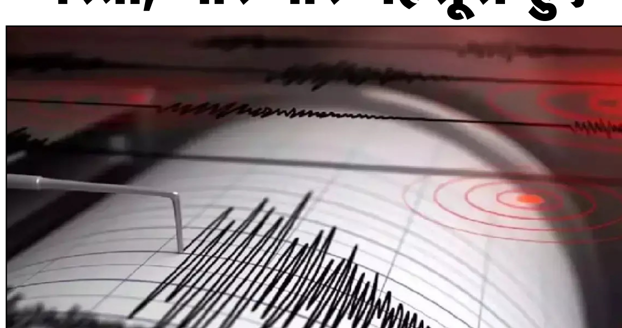

नांदेड़। महाराष्ट्र में जारी भारी बारिश के बीच गुरुवार तड़के मराठवाड़ा क्षेत्र के कई जिलों में भूकंप के लगातार चार झटके महसूस किए गए। हिंगोली, नांदेड़ और परभणी जिलों के लोग आधी रात के बाद धरती के कंपन से सहम उठे और कई स्थानों पर लोग घरों से बाहर निकल आए। जिला आपातकालीन केंद्र के अनुसार, पहला झटका रात 1.37 बजे दर्ज किया गया। इसके बाद 2.15 बजे, 2.17 बजे और 3.23 बजे क्रमशः तीन और झटके महसूस किए गए। रिक्टर पैमाने पर इनकी तीव्रता 4.6, 3.6, 3.9 और 4.1 मापी गई। अधिकारियों के मुताबिक, पहले झटके का केंद्र हिंगोली जिले के वसमत तालुका स्थित शिरली गांव के निकट था, जिसकी गहराई लगभग 10 किलोमीटर आंकी गई। बाद के झटकों का केंद्र ककड़धाबा गांव के आसपास रहा। राहत की बात यह रही कि किसी प्रकार के जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं मिली है।पिछले कुछ वर्षों में हिंगोली जिले के औंधा नागनाथ, कलमनुरी और वसमत क्षेत्रों में हल्के भूकंप दर्ज होते रहे हैं। हालांकि, स्थानीय अधिकारियों के अनुसार एक ही रात में चार झटकों का अनुभव इस क्षेत्र के लिए अभूतपूर्व है। विशेषज्ञों के अनुसार, पृथ्वी की सतह कई टेक्टोनिक प्लेटों से बनी है, जो निरंतर गतिशील रहती हैं। इन प्लेटों के बीच दबाव बढ़ने और अचानक खिसकने से ऊर्जा मुक्त होती है, जो भूकंपीय तरंगों के रूप में सतह तक पहुंचती है। इसी प्रक्रिया के कारण भूकंप आते हैं। ज्वालामुखीय गतिविधियां और कुछ मानवीय क्रियाएं भी छोटे झटकों का कारण बन सकती हैं।

बाहुबली विधायक अनंत सिंह के आवास के पास मिला शव

पटना। बाहुबली विधायक अनंत सिंह के आवास के पास मिला शव, चेहरे पर चोट के निशानपटना। जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के बाहुबली विधायक अनंत सिंह के आवास के पास एक संदिग्ध हालात में एक व्यक्ति का शव मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक के चेहरे पर चोट के निशान थे। पुलिस अधिकारियों ने हत्या की आशंका जताई है। फिलहाल, शव को कब्जे में लेकर पुलिस टीम जांच में जुटी हुई है। शुरुआती जानकारी के अनुसार, गुरुवार सुबह पुलिस को सचिवालय थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति का संदिग्ध हालात में शव पड़ा होने की सूचना मिली थी। इसके बाद पुलिस और एफएसएल टीमें मौके पर पहुंचीं। टीमों ने जांच पड़ताल की और सबूत इकट्ठा किए। क्षेत्र के दरोगा राजेंद्र उरांव ने समाचार एजेंसी आईएएनएस को बताया कि गेट नंबर-15 के पास पुल के नीचे संदिग्ध परिस्थितियों में एक शव मिला। इस बारे में उन्हें सूचना दी गई थी। मौके पर पहुंचने के बाद शव को कब्जे में लिया गया।

एनसीआर में मानसून मेहरबान- लगातार बारिश से पारा लुढ़का, आज भी येलो अलर्ट

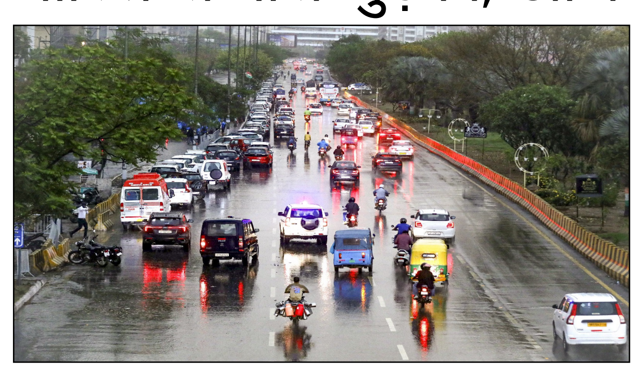

नोएडा। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में मानसून अब पूरी तरह सक्रिय नजर आ रहा है। बीती रात से लगातार हो रही बारिश ने मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल दिया है। जहां एक ओर लोगों को उमस और भीषण गर्मी से बड़ी राहत मिली है, वहीं दूसरी ओर कई इलाकों में जलभराव, सीवर ओवरफ्लो और लंबे ट्रैफिक जाम ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। दिल्ली, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद और गुरुग्राम के कई हिस्सों में सड़कों पर पानी भर जाने से यातायात प्रभावित हुआ और लोगों को कार्यालय तथा स्कूल पहुंचने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार 9 जुलाई के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। विभाग ने पूरे दिन आसमान में सामान्यतः बादल छाए रहने और मध्यम बारिश की संभावना जताई है। दिन का अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक सुबह, पूर्वाह्न, दोपहर, शाम और रात, पांचों समय गरज-चमक के साथ बारिश होने की संभावना है। कई स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा तथा बिजली चमकने की भी आशंका जताई गई है। इसी वजह से विभाग ने लोगों से खुले स्थानों पर सावधानी बरतने और खराब मौसम के दौरान अनावश्यक यात्रा से बचने की सलाह दी है। लगातार बारिश का असर तापमान पर भी साफदिखाई दे रहा है। पिछले कुछ दिनों से जहां अधिकतम तापमान 35 से 38 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना हुआ था, वहीं अब यह घटकर करीब 30 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है।

शरद पवार की शिंदे के दफ्तर में बैठक पर भड़के संजय राउत, बोले-गद्दारों को सम्मान देना शिवसेना को मंजूर नहीं

मुंबई। महाराष्ट्र की राजनीति में उस समय नई चर्चा शुरू हो गई, जब राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) के संस्थापक शरद पवार विधान भवन में उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के कार्यालय पहुंचे और वहीं अपनी पार्टी की बैठक की। इस दौरान एकनाथ शिंदे भी कैबिनेट बैठक छोड़कर शरद पवार के स्वागत के लिए उनके कार्यालय पहुंचे। इस घटनाक्रम पर शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) के सांसद संजय राउत ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। संजय राउत ने कहा कि शरद पवार देश के वरिष्ठ और सम्मानित नेता हैं, लेकिन जिस व्यक्ति ने धोखे और राजनीतिक विश्वासघात के जरिए महाराष्ट्र की राजनीति को प्रभावित किया, उसके कार्यालय में जाकर बैठक करना उचित नहीं था। उन्होंने कहा कि विधान भवन में बैठकों के लिए कई अन्य स्थान उपलब्ध थे। राष्ट्रवादी भवन और शिवसेना भवन भी पास ही मौजूद हैं, ऐसे में शिंदे के कार्यालय को चुनना गलत संदेश देता है। राउत ने कहा कि अगर शिवसेना के नेता अजित पवार के कार्यालय में जाकर बैठक करते, तो यह माना जाता कि वे महाविकास अघाड़ी (एमवीए) की विचारधारा से हट रहे हैं। इसलिए गठबंधन के सभी सहयोगी दलों को राजनीतिक मर्यादा और साझा सिद्धांतों का पालन करना चाहिए। उनके मुताबिक, इस घटनाक्रम से शरद पवार गुट की विश्वसनीयता पर भी सवाल उठ सकते हैं।

सोनम रघुवंशी जमानत : क्या सिर्फटाइपिंग गलती से मिल सकती है जमानत? मेघालय हाईकोर्ट के फैसले पर एससी ने जताई चिंता

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने वीरवार को कहा कि वह इस कानूनी प्रश्न को वृहद पीठ के पास विचार के लिए भेज सकता है कि क्या गिरफ्तारी ज्ञापन में गलत वैधानिक धारा का उल्लेख, विशेष रूप से कोई टंकण त्रुटि अपने पति की हत्या की आरोपी सोनम रघुवंशी की गिरफ्तारी को अवैध ठहराने एवं उसे जमानत देने के लिए पर्याप्त है? न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा और न्यायमूर्ति श्री चंद्रशेखर की पीठ ने यह भी संकेत दिया कि वह इस बात की बारीकी से जांच करेगी कि क्या गिरफ्तारी ज्ञापन में टंकण त्रुटि के आधार पर सोनम रघुवंशी को जमानत देने का मेघालय हाई कोर्ट का फैसला उचित था? न्यायमूर्ति एम. एम. सुंदरेश और न्यायमूर्ति शील नागू की एक अन्य पीठ ने सोनम रघुवंशी को जमानत देने के हाई कोर्ट के आदेश पर रोक लगाने से तीन जुलाई को इनकार कर दिया था। राज्य सरकार की ओर से वीरवार को पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने यह सवाल उठाया कि क्या गिरफ्तारी ज्ञापन में गलत वैधानिक धारा का मात्र उल्लेख, विशेष रूप से टंकण त्रुटि, हत्या के इस स्तब्ध कर देने वाले मामले में गिरफ्तारी को अवैध ठहराने और जमानत देने के लिए पर्याप्त है। हाई कोर्ट ने सोनम रघुवंशी की जमानत को इस आधार पर बरकरार रखा था कि पुलिस गिरफ्तारी के उचित लिखित आधार उपलब्ध कराने में विफल रही। अदालत ने कहा था कि गिरफ्तारी ज्ञापन में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 103(1) (हत्या के लिए सजा) के बजाय धारा 403 का उल्लेख किया गया था जो इस संदर्भ में लागू नहीं होती। अदालत ने इसे विवेकपूर्ण ढंग से विचार नहीं किए जाने का मामला बताया था। सॉलिसिटर जनरल ने दलील दी कि यह पूरी तरह लिपिकीय गलती थी। उन्होंने कहा, यह बहुत गंभीर मामला है जिसमें जमानत इस आधार पर दी गई।

हिन्दी दैनिक
तीसरा विकल्प न्यूज़
लखनऊ से प्रकाशित
शुक्रवार, 10 जुलाई, 2026

प्रथम आगमन पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष की धूमधाम से किया गया स्वागत

➩ मीडिया संवाद के दौरान प्रदेश अध्यक्ष जी के द्वारा केन्द्र की मोदी सरकार एवं प्रदेश की योगी सरकार के द्वारा कराये गये विकास कार्यों की विस्तृत जानकारी दी गई

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता मिर्जापुर

मिर्जापुर । गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय पं. दीनदयालपुरम् कॉलोनी, बरौधा कचार पर भाजपा उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी जी के प्रथम आगमन पर भाजपा जिलाध्यक्ष लाल बहादुर सरोज जी के नेतृत्व में ढोल ताशा के साथ जोरदार स्वागत एवं अभिनन्दन किया गया । तत्पश्चात् प्रदेश अध्यक्ष जी द्वारा प्रेस सभागार में मीडिया संवाद किया गया । मीडिया संवाद के दौरान प्रदेश अध्यक्ष जी के द्वारा केन्द्र की मोदी सरकार एवं प्रदेश की योगी सरकार के द्वारा कराये गये विकास कार्यों की विस्तृत जानकारी दी गई । मीडिया संवाद का संचालन जिला मीडिया प्रभारी पं. भावेश शर्मा ने किया । पश्चात् सभागार कक्ष में भाजपा जिलाध्यक्ष लाल बहादुर सरोज जी की अध्यक्षता में जिला कार्यसमिति की बैठक संपन्न हुई । बैठक में संगठनात्मक विषयों, आगामी कार्यक्रमों एवं केंद्र व प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा की गई । कार्यसमिति बैठक के उपरांत प्रदेश अध्यक्ष जी ने वरिष्ठ कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की । इस दौरान संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने एवं कार्यकर्ताओं के मनोबल को बढ़ाने पर चर्चा हुई । तत्पश्चात जनप्रतिनिधि बैठक का आयोजन हुआ । बैठक में विधायक, जिला पंचायत अध्यक्ष एवं अन्य जनप्रतिनिधियों ने अपने-अपने क्षेत्र की समस्याओं एवं विकास कार्यों के सम्बन्ध में प्रदेश अध्यक्ष जी को अवगत कराया । प्रदेश अध्यक्ष जी ने सभी जनप्रतिनिधियों को केंद्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का निर्देश दिया ।

इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष जी ने कहा कि संगठन ही हमारी शक्ति है । कार्यकर्ताओं की मेहनत से ही भाजपा आज विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बनी है । मीरजापुर के कार्यकर्ता आने वाले 2027 में भी पार्टी को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे । और पार्टी 2017 का अपना रिकॉर्ड स्वयं तोड़ेगी ।आगे इसी कड़ी में प्रबुद्ध संवाद का आयोजन बृजधाम लॉन के सभागार में सम्पन्न हुआ । उसके बाद बृजधाम के मैदान में वृक्षारोपण भी किया गया । प्रदेश अध्यक्ष जी के साथ विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रदेश महामंत्री दिलीप पटेल जी एवं क्षेत्रीय अध्यक्ष काशी क्षेत्र अशोक चौरसिया जी उपस्थित रहे । कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री स्वामीनाथ सिंह जी ने किया । उक्त कार्यक्रम में प्रमुख रूप से निवर्तमान जिलाध्यक्ष भाजपा बृजभूषण सिंह, विधायक मड़िहान रमाशंकर सिंह पटेल, एम.एल.सी. श्याम नारायण सिंह, विधायक नगर रत्नाकर मिश्र, विधायक चुनार अनुराग सिंह, विधायक शुचिस्मिता मौर्या, जिला पंचायत अध्यक्ष राजू कनौजिया, नगर पालिका अध्यक्ष श्याम सुन्दर केशरी, जिला सहकारी बैंक के चेयरमैन जगदीश सिंह पटेल, जिला उपाध्यक्ष शरदिन्दुमणि त्रिपाठी हेमंत, रवींद्र नारायण सिंह पटेल, गौरव ऊमर, चिन्तामणि मौर्य, सुनीता शर्मा, इन्द्र कुमार सिंह, उदयभान तिवारी, बैजनाथ प्रजापति, जिला महामंत्री रवि शंकर पाण्डेय, डा. सी.एल. बिन्द, जिलामंत्री संध्या पटेल, आलोक सिंह, रोहित त्रिपाठी, अनिल सिंह, डॉ. विजय सिंह, वीरेन्द्र कुमार कोल, विरेन्द्र प्रताप यादव, पूनम चौरसिया, जिला कोषाध्यक्ष चन्द्रांशु गोयल, जिला मीडिया प्रभारी पं. भावेश शर्मा, जिला कार्यालय मंत्री मनोज दूबे, जिला संयोजक आईटी अमित कुमार सिंह, जिला संयोजक सोशल मीडिया आनन्द मैनी, जिला मीडिया सह प्रभारी रतन कुमार सिंह, विजय शक्ति दूबे, शुभम जायसवाल, वरिष्ठ पदाधिकारी एवं पूर्व, वर्तमान जनप्रतिनिधिगण, जिला कार्यसमिति सदस्य, मंडल अध्यक्ष, मंडल प्रभारी, मोर्चों के जिलाध्यक्ष एवं महामंत्री व विभाग, प्रकोष्ठ के संयोजकगण उपस्थित रहे । उक्त जानकारी जिला मीडिया प्रभारी पं. भावेश शर्मा ने दिया ।

इनरव्हील क्लब उदिता ने 250 बच्चों में बांटी स्टेशनरी किट, शिक्षा व स्वच्छता का दिया संदेश

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी

वाराणसी। इनरव्हील क्लब ऑफ वाराणसी उदिता की ओर से एक प्राथमिक विद्यालय में लगभग 250 बच्चों के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को शिक्षा, स्वच्छता, स्वास्थ्य और अच्छे संस्कारों के प्रति प्रेरित करना था। कार्यक्रम के दौरान बच्चों को उनकी शैक्षणिक जरूरतों को ध्यान में रखते हुए स्टेशनरी किट वितरित की गई। क्लब की अध्यक्षा श्रीमती संजुलिका सिन्हा ने बच्चों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित कराईं और उन्हें पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद एवं रचनात्मक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर जीत होम सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक जितेंद्र कुमार सिन्हा भी मौजूद रहे। कार्यक्रम में आईपीएस पारुल गुप्ता, स्मृति बाला, अंजलि गुप्ता, नेहा गौतम, अनुराधा, मोना सिंह तथा क्लब की एडिटर कीर्ति सिंह सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहीं। सभी ने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम के माध्यम से इनरव्हील क्लब ऑफ वाराणसी उदिता ने समाज के वंचित वर्ग के बच्चों में शिक्षा, जागरूकता और सर्वांगीण विकास के प्रति अपनी सामाजिक प्रतिबद्धता को एक बार फिर मजबूत करने का संदेश दिया।

एम्स-बीएचयू में 11-12 जुलाई को राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य सम्मेलन में यूनेस्को के विशेषज्ञ शामिल होंगे

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी

वाराणसी। काशी हिंदू विश्वविद्यालय के चिकित्सा विज्ञान संस्थान (आईएमएस-बीएचयू) के आयुर्वेद चिकित्सा विज्ञान संस्थान (आईएमएस-बीएचयू) के आयुर्वेद चिकित्सा विज्ञान विभाग और इंडियन एकेडमी ऑफ मेंटल हेल्थ (आईएएमएच) के सहयोग से 11 एवं 12 जुलाई को के.एन. उडुपा स्टेडियमोरियम में दो दिवसीय राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन का विषय समसामयिक युग में मानसिक स्वास्थ्य देखभाल: बदलती दुनिया में प्रौद्योगिकी के साथ एक एकीकृत दृष्टिकोण है। सम्मेलन में मानसिक स्वास्थ्य, मनोचिकित्सा, आयुर्वेद, योग, न्यूरोसाइंस, डिजिटल मानसिक स्वास्थ्य और आर्टिफिशियल विज्ञान से जुड़े विषयों पर 17 वैज्ञानिक सत्र, पोस्टर मास्टर्स और विशेषज्ञ व्याख्यान होंगे। इसमें ऑर्गनाइजेशनल से 300 से ज्यादा प्रिंटर्स और 15 इनकायरी एक्सपर्ट्स के शामिल होने की संभावना है। मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश सरकार के आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. दयाशंकर मिश्र 'दयालु' गुरु% शामिल होंगे, बाकी सहयोगी (बीएचयू) के निदेशक प्रो. (डॉ.) अमित पात्रा विशिष्ट अतिथि होंगे। सम्मेलन का आयोजन प्रो. (डॉ.) राजेंद्र प्रसाद के निर्देशन और डॉ. लक्ष्मण यादव का गठबंधन जारी है। मुख्य सम्मेलन से पूर्व 10 जुलाई को प्री-कॉन्फ्रेंस प्लाजा में भी आयोजित किया जाएगा।

केंद्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान के सहायक कुलसचिव प्रमोद सिंह बने आरजीएनएयू के उप कुलसचिव

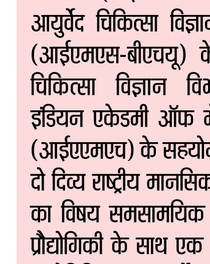

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी

वाराणसी। केंद्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ के सहायक कुलसचिव प्रमोद सिंह का चयन राजीव गांधी राष्ट्रीय विमानन विश्वविद्यालय (आरजीएनएयू), अमेठी में उप कुलसचिव के पद पर हुआ है। वह वर्ष 2019 से सीआईएचटीएस में अपनी सेवाएं दे रहे थे। वाराणसी के लक्सा के मूल निवासी प्रमोद सिंह ने केंद्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान में अपने कार्यकाल के दौरान प्रशासनिक कार्यों के कुशल संचालन में महत्वपूर्ण योगदान दिया। अपनी कार्यकुशलता, प्रशासनिक दक्षता और कर्तव्यनिष्ठा के बल पर उन्होंने संस्थान में एक अलग पहचान बनाई। उप कुलसचिव पद पर चयन होने की सूचना मिलते ही उनके परिजनों, मित्रों, सहयोगियों एवं शुभचिंतकों में खुशी की लहर दौड़ गई। सभी ने उन्हें बधाई देते हुए नई जिम्मेदारी के सफल निर्वहन एवं उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। उनकी यह नियुक्ति उच्च शिक्षा प्रशासन के क्षेत्र में उनके अनुभव, निष्ठा एवं उत्कृष्ट कार्यशैली का प्रमाण मानी जा रही है।

101 सुहागिनों ने श्रद्धा व उल्लास के साथ की अवसान माई की पूजा,सुख-समृद्धि की मांगी कामना

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता मवई

मवई अयोध्या। जनपद अयोध्या के रुदौली क्षेत्र स्थित सुनवा के घने जंगलों के बीच में स्थित मेधा ऋषि आश्रम परिसर में गुरुवार को आस्था,परंपरा और लोक संस्कृति का अनूठा संगम देखने को मिला। यहां आयोजित सामूहिक धार्मिक अनुष्ठान में 101 सुहागिन महिलाओं ने अवसान माई की विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर अपने परिवार की सुख-समृद्धि,अखंड सौभाग्य व क्षेत्र एवं समाज की खुशहाली के लिए कामना की। कार्यक्रम का शुभारंभ मेधा ऋषि आश्रम के महंत भगवत शरण दास ने दीप प्रवलित कर किया। इसके बाद पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार दुर्दुरिया पूजन संपन्न हुआ। पूजा में शामिल महिलाओं ने पूरे श्रद्धाभाव के साथ धार्मिक अनुष्ठान में भाग लिया। सामूहिक रूप से गूंजते मंगल गीतों और पूजा-अर्चना से पूरा आश्रम परिसर भक्तिमय वातावरण में सराबोर हो गया।आयोजन में 10 समूहों में विभाजित 101 सुहागिन महिलाओं ने अवसान माई की पूजा संपन्न की। महिलाओं ने परिवार की खुशहाली,संतान की उन्नति, वैवाहिक जीवन की मंगल कामना व समाज में सुख, शांति और समृद्धि की प्रार्थना की। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की मौजूदगी से आश्रम परिसर पूरे दिन धार्मिक उत्साह से भरा रहा। आयोजन से जुड़े राम कुमार ने बताया कि इस सामूहिक पूजा का उद्देश्य केवल महिलाओं का सम्मान करना नहीं है,बल्कि प्राचीन लोक परंपराओं,धार्मिक आस्थाओं और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करते हुए नई पीढ़ी तक पहुंचाना भी है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन समाज को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने का कार्य करते हैं और सामाजिक समरसता को भी मजबूत बनाते हैं।

अलीगंज अग्निकांड मामले में कोर्ट ने सुरक्षित किया फैसला

➲ बिल्डिंग मालिक का पक्ष, कमर्शियल एक्टिविटी किराएदारों की, हमारा दोष नहीं

लखनऊ। अलीगंज अग्निकांड मामले की तीसरे दिन एलडीए की विहित प्राधिकारी कोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान बिल्डिंग मलिक के वकील की ओर से यह पक्ष रखा गया कि बिल्डिंग में जो भी निर्माण अवैध है, उसको वह स्वयं अपने खर्चे पर गिरा लेंगे। नई भवन निर्माण नीति के तहत शमन मानचित्र पास कर दिया जाए। वकीलों ने कोर्ट को यह भी बताया कि बिल्डिंग में किराएदार की ओर से संचालित की जा रही थी बिल्डिंग मालिक का इसमें कोई दोष नहीं है। वकीलों ने एलडीए की नोटिस पर भी यह सवाल उठाया की नोटिस में यह जानकारी नहीं दी गई की मौके पर कितना निर्माण अवैध है। वकीलों की बात सुनने के बाद प्राधिकारी ने एलडीए के जेई से जानकारी ली। जेई ने कोर्ट को बताया कि बेसमेट सहित दो फ्लोर का नक्शा पास था, लेकिन तीसरा तल पूरी तरह अवैध है। यह भी बताया कि 20 मीटर बेसमेंट पास था और 134 मीटर बनाया गया है। दोनों पक्षों की बात सुनने के बाद विधित प्राधिकारी ने आदेश को रिजर्व पर लिया है। ऐसे में अब यह एक-दो दिन बाद साफ होगा की बिल्डिंग पर बुलडोजर चलेगा या या शमन मानचित्र पास करने की कार्यवाही की जाएगी। यह मामला 22 जून को हुए उस भीषण अग्निकांड से जुड़ा है, जिसमें 15 लोगों की मौत हो गई थी। हादसे के बाद एलडीए की जांच में भवन निर्माण में कई गंभीर अनियमितताएं सामने आई थीं। इसके आधार पर भवन स्वामी को नोटिस जारी किया गया था। मामले की जांच कर रही एसआईटी की पड़ताल में भी लगातार नई लापरवाहियां सामने आ रही हैं। जांच में पता चला है कि जहां भवन में फायर एग्जिट और लोहे की सीढ़ियां होनी चाहिए थीं, वहां लिफ्ट लगा दी गई थी। इसके अलावा भवन में स्वीकृत क्षमता से अधिक बिजली लोड का इस्तेमाल और मानचित्र के विपरीत अतिरिक्त निर्माण भी जांच में सामने आया है। एलडीए पहले ही भवन निर्माणकर्ताओं पर करीब 91.25 लाख रुपए का दंड और 50 हजार रुपए का अतिरिक्त जुर्माना लगा चुका है। साथ ही भवन से जुड़े 18 इंजीनियरों और संबंधित अधिकारियों की भूमिका भी एसआईटी के जांच दायरे में है। अब सबकी नजर गुरुवार को आने वाले एलडीए कोर्ट के फैसले पर है। यदि कोर्ट ध्वस्तीकरण का आदेश बरकरार रखती है तो अग्निकांड के बाद यह इस मामले की सबसे बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई होगी।

किसान यूनियन टिकैत की मासिक बैठक

बाराबंकी। त्रिवेदीगंज विकास खंड स्थित भिलवल चौराहे पर आज 9 जून 2026 को भारतीय किसान यूनियन टिकैत की मासिक बैठक आयोजित की गई। ब्लॉक अध्यक्ष माता प्रसाद चौधरी ने बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें किसानों की विभिन्न समस्याओं पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में खाद, बीज, पानी, बिजली की आपूर्ति, अनाज निर्धारण और जमीनों की पैमाइश से संबंधित मुद्दों को प्रमुखता से उठाया गया। वक्ताओं ने बताया कि किसानों को समय पर खाद-बीज नहीं मिल पा रहा है, जिससे खेती प्रभावित हो रही है। बिजली की अनियमित कटौती और आपूर्ति से सिंचाई व्यवस्था बाधित हो रही है। इसके अतिरिक्त, जमीनों की पैमाइश और अनाज के उचित निर्धारण में भी कई अनियमितताएं सामने आ रही हैं, जिससे किसान परेशान हैं। इस बैठक में उपाध्यक्ष अमीर चंद्र वर्मा, ललन वर्मा और राम सिंह के साथ-साथ मातिरम यादव, वीरेंद्र तिवारी, नंद किशोर, राम फेर गौतम, सदाशिव, दिनेश सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। ब्लॉक अध्यक्ष माता प्रसाद चौधरी ने कहा कि किसान यूनियन इन सभी समस्याओं को लेकर प्रशासन से बातचीत करेगी। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि इन मुद्दों का जल्द समाधान नहीं हुआ, तो यूनियन आंदोलन करने पर मजबूर होगी। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि किसानों की इन सभी समस्याओं से संबंधित एक ज्ञापन उपजिलाधिकारी त्रिवेदीगंज को सौंपा जाएगा।

विशेष सचिव राजस्व विभाग ने मां विंध्यवासिनी देवी के धाम विंध्यधाम पहुंचकर कर किया दर्शन-पूजन, नवीन कलेक्ट्रेट निर्माण की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता मिर्जापुर

मिर्जापुर। विशेष सचिव, राजस्व विभाग, उत्तर प्रदेश शासन दिव्या मित्तल ने अपने तीन दिवसीय जनपद भ्रमण के दूसरे दिन विश्वविख्यात मां विंध्यवासिनी धाम, विंध्याचल पहुंचकर विधिवत दर्शन-पूजन किया। दर्शन-पूजन के उपरांत विशेष सचिव ने कलेक्ट्रेट स्थित एनआईसी सभागार में अधिकारियों के साथ बैठक कर वर्तमान कलेक्ट्रेट परिसर एवं चंदईपुर में प्रस्तावित नवीन कलेक्ट्रेट अनावासिय भवन के निर्माण के संबंध में बिंदुवार विस्तृत समीक्षा की। बैठक में उन्होंने प्रस्तावित भूमि की उपलब्धता, राजस्व अभिलेखों, पहुंच मार्ग, आधारभूत सुविधाओं, तकनीकी एवं प्रशासनिक पहलुओं सहित निर्माण कार्य से संबंधित सभी आवश्यक बिंदुओं की विस्तार से जानकारी प्राप्त की। विशेष सचिव ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि नवीन कलेक्ट्रेट निर्माण की प्रक्रिया को शासन की मंशा के अनुरूप समयबद्ध, पारदर्शी एवं गुणवत्ता के साथ आगे बढ़ाया जाए। उन्होंने कहा कि परियोजना से जुड़े सभी आवश्यक अभिलेख एवं औपचारिकताएं शीघ्र पूर्ण करते हुए कार्ययोजना के अनुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि जनपद को आधुनिक सुविधाओं से युक्त नवीन कलेक्ट्रेट भवन उपलब्ध कराया जा सके। बैठक के दौरान संबंधित विभागों के अधिकारियों ने वर्तमान कलेक्ट्रेट परिसर की स्थिति तथा चंदईपुर में प्रस्तावित नवीन कलेक्ट्रेट निर्माण से संबंधित बिंदुओं पर विस्तार से प्रस्तुतीकरण देते हुए आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराई। विशेष सचिव ने विभिन्न पहलुओं पर आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान करते हुए सभी विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर कार्यों को गति देने पर बल दिया। बैठक में अपर जिलाधिकारी वि./रा. विनोद कुमार सिंह, अपर जिलाधिकारी भू./रा. देवेंद्र प्रताप सिंह, अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे विजेता, नगर मजिस्ट्रेट अविनाश सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

समूचे विश्व के गौरव हैं संगीताचार्य पण्डित बनवारी महाराज- यूपी रत्न डॉ. गोपाल चतुर्वेदी

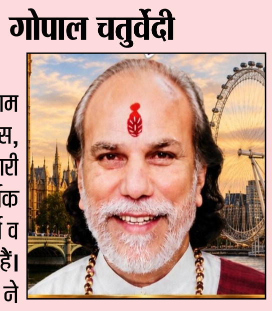

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

वृन्दावन। रमणरेती क्षेत्र स्थित विश्व सेवा धाम आश्रम के संस्थापक, अंतरराष्ट्रीय कथा व्यास, ब्रज लोक गायक, संगीताचार्य पंडित बनवारी महाराज इन दिनों अपनी 60 दिवसीय धार्मिक भजन यात्रा पर अमेरिका, जर्मनी, हॉलैंड, नॉर्वे व ब्रिटेन आदि देशों में धर्म प्रचार करने गए हुए हैं। वरिष्ठ साहित्यकार यूपी रत्न डॉ. गोपाल चतुर्वेदी ने बताया है कि ब्रज लोक गायक, संगीताचार्य पंडित बनवारी महाराज 05 जुलाई से 24 सितंबर तक विदेशों में अपनी धार्मिक भजन यात्रा पर गए हुए हैं।जिसके अंतर्गत वे लन्दन व कैलिफोर्निया में भजन संध्या, माता की चौकी, सुंदर कांड, भक्त चरित्र व प्रवचन आदि के कार्यक्रम करेंगे। डॉ. गोपाल चतुर्वेदी ने बताया कि विश्वविख्यात संगीताचार्य पंडित बनवारी महाराज श्रीधाम वृन्दावन में स्वयं द्वारा संस्थापित विश्व सेवा धाम आश्रम के माध्यम से समूचे देश में धर्म व अध्यात्म का प्रचार-प्रसार कर असंख्य व्यक्तियों का कल्याण कर रहे हैं।वे न केवल श्रीधाम वृन्दावन के अपितु समूचे विश्व के गौरव हैं।उनके द्वारा भजन गायन के अलावा श्रीमद्भागवत कथा, श्रीराम कथा, श्रीभक्तमाल कथा एवं रासलीला व रामलीला आदि के भी कार्यक्रम किए जाते हैं।साथ ही उनके द्वारा प्रस्तुत मां भगवती जागरण, माता की चौकी, मयूर नृत्य, चरकुला नृत्य व फूलों की होली आदि के कार्यक्रम अत्यंत आकर्षण का केंद्र होते हैं। वे अबतक यूएस ए, यूके, जर्मनी, डेनमार्क, हॉलैंड, नॉर्वे, स्पेन, थाईलैंड, सिंगापुर, मलेशिया, मॉरीशस व नेपाल आदि देशों में भी अपने सघन कार्यक्रम दे चुके हैं। उन्होंने बताया कि संगीताचार्य पंडित बनवारी महाराज के यशस्वी सुपुत्र चिरंजीव आचार्य पण्डित प्रशांत प्रियदर्शन (साउथाल, लंदन) में स्थाई रूप से रहकर वहां सनातन धर्म व भगवद्भक्ति का प्रचार-प्रसार कर असंख्य व्यक्तियों को धर्म से जोड़कर उनके कल्याण का मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं।

यूपी में नए वक्फबोर्ड के गठन पर चर्चा,पसमांदा समाज ने किया स्वागत

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश में वक्फ (संशोधन) अधिनियम 2025 के तहत राज्य वक्फ बोर्ड के पुनर्गठन पर चर्चा तेज हो गई है। इस नए कानून के तहत गठित होने वाले वक्फबोर्ड में पिछड़े पसमांदा मुस्लिम समाज, महिलाओं और अन्य वर्गों को प्रतिनिधित्व मिलेगा। इसमें दो गैर-मुस्लिम सदस्यों को भी नामित करने का प्रावधान है। सरकार का कहना है कि इससे वक्फ संपत्तियों का प्रबंधन अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनेगा। भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष दानिश अंसारी ने मध्य प्रदेश में लागू नए वक्फबोर्ड मॉडल का समर्थन किया है। उन्होंने सुझाव दिया कि उत्तर प्रदेश में भी इसी तर्ज पर बोर्ड का गठन किया जा सकता है। सरकार के इस कदम का ऑल इंडिया पसमांदा मुस्लिम महाज ने स्वागत किया है। गुरुवार को महाज के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वसीम राईन ने गुरुवार को कहा कि अब तक वक्फ संपत्तियों पर अशराफ वर्ग का कब्जा रहा है, जबकि इनका लाभ गरीब और वंचित पसमांदा मुसलमानों को मिलना चाहिए था। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा बताते हुए कहा कि वे चाहते हैं कि वक्फ संपत्तियों का लाभ उनके वास्तविक हकदारों तक पहुंचे। वसीम राईन ने वक्फ बोर्ड में महिलाओं और दो गैर-मुस्लिम सदस्यों को शामिल किए जाने के प्रावधान का भी स्वागत किया। उन्होंने कहा कि इससे समान भागीदारी और पारदर्शिता बढ़ेगी। राईन ने उम्मीद जताई कि नए कानून के लागू होने के बाद पसमांदा समाज को उसका अधिकार मिलेगा और वक्फबोर्ड अपने मूल उद्देश्य को पूरा कर सकेगा। राईन ने आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी, कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस ने सालों तक पसमांदा समाज का केवल राजनीतिक इस्तेमाल किया। इसके विपरीत, उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिना वोट बैंक की राजनीति किए पसमांदा समाज को मुख्यधारा में लाने का काम किया है। उन्होंने यह भी बताया कि मोदी सरकार ने पसमांदा समाज के लोगों को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, एमएलसी, मंत्री और आयोगों के अध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण पदों पर जिम्मेदारियां देकर उन्हें सम्मान और प्रतिनिधित्व प्रदान किया है।

बारिश से किसानों को राहत, धान रोपाई में,बिजली कटौती से व्यापारी प्रभावित

बाराबंकी। जिले में गुरुवार सुबह से रुक-रुक कर हो रही बारिश ने किसानों को धान रोपाई में बड़ी राहत दी है। हालांकि, इस बारिश के साथ हुई अघोषित बिजली कटौती से आम लोग और व्यापारी परेशान हैं। बारिश के कारण धान की रोपाई के काम में तेजी आई है, जिससे किसानों को खेती-किसानी में मदद मिली है। इसके अतिरिक्त, क्षेत्र के लोगों को उमस भरी गर्मी से भी काफी राहत मिली है। दूसरी ओर, बिजली कटौती ने व्यापारियों के कारोबार को बुरी तरह प्रभावित किया है। विशेष रूप से लोहा और वेल्डिंग की दुकानों को विद्युत आपूर्ति बाधित होने से भारी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।जिले के कोठी, अचकामऊ, भानमऊ, सैदनपुर, सिद्धौर, कादीपुर, नईसड़क, भाठिया, असंद्रा, नवाबपुर, कोडरी, कैसरगंज, मदारपुर रोशन जमा खां और सादुल्लापुर सहित अधिकांश गांवों में अच्छी बारिश दर्ज की गई है।

संदिग्ध हालात में पिकअप चालक की मौत, पत्नी और मायके पक्ष पर हत्या का आरोप

☐ इलाज के दौरान लोक बंधु अस्पताल में तोड़ा दम, पुलिस बोली शुरुआती जांच में आत्महत्या के प्रयास की बात, पोस्टमार्टम रिपोर्ट से होगा खुलासा

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

सरोजनीनगर। बिजनौर थाना क्षेत्र में चार दिन पहले संदिग्ध परिस्थितियों में गंभीर रूप से घायल हुए पिकअप चालक की लोक बंधु अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना के बाद मामला तूल पकड़ गया है। मृतक के पिता ने अपनी बहू और उसके मायके पक्ष के लोगों पर बेटे की हत्या कराने का गंभीर आरोप लगाया है। वहीं पुलिस का कहना है कि प्रारंभिक जांच में आत्महत्या के प्रयास की बात सामने आई है। अब पूरे मामले का सच पोस्टमार्टम रिपोर्ट और विस्तृत जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। मृतक सुमित कुमार (30) मूल रूप से रायबरेली जिले के लालगंज स्थित राजपत नगर का निवासी था। वह पिछले कई वर्षों से पत्नी पूजा, 10 वर्षीय बेटी नैंसी और 7 वर्षीय बेटे अंश के साथ बिजनौर थाना क्षेत्र के घसियारी मोहल्ले में रहकर पिकअप वाहन चलाकर परिवार का भरण-पोषण करता था। मृतक के पिता सुभाष चंद्र के अनुसार, 6 जुलाई को उनकी बेटी ने सूचना दी कि सुमित गंभीर हालत में लोक बंधु अस्पताल में भर्ती है। अस्पताल पहुंचने पर उन्होंने देखा कि सुमित के शरीर पर कई चोटों के निशान थे और वह बेहोशी की हालत में था। बुधवार देर रात इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। सुभाष चंद्र का आरोप है कि उनकी बहू पूजा ने अपने भाइयों आकाश, सूरज, बहनोई और अन्य रिश्तेदारों को बुलाकर सुमित की बेरहमी से पिटाई कराई, जिससे उसकी मौत हुई। उनका यह भी कहना है कि पति-पत्नी के बीच जमीन को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था और इसी विवाद के चलते घटना को अंजाम दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि बहू पहले भी सुमित और उनके दूसरे बेटे सौरभ को जान से मारने की धमकी दे चुकी थी। दूसरी ओर, बिजनौर प्रभारी निरीक्षक कपिल गौतम ने बताया कि प्रारंभिक जांच में यह तथ्य सामने आया है कि सुमित ने किसी बात से परेशान होकर फांसी लगाकर आत्महत्या का प्रयास किया था। सूचना मिलने पर उसकी पत्नी उसे तत्काल लोक बंधु अस्पताल लेकर पहुंची, जहां उपचार के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट, फॉरेंसिक साक्ष्यों और जांच के निष्कर्षों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल मामले की जांच जारी है।

वाराणसी में जुटेंगे देशभर के गेहूं उद्योग के दिग्गज, डब्ल्यूपीपीएस सीईओ कॉन्क्लेव 2026 शुरू

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी

वाराणसी। व्हीट प्रोडक्ट्स प्रमोशन सोसायटी डब्ल्यूपीपीएस सीईओ कॉन्क्लेव 2026 की मुख्य आयोजक संस्था के रूप में, भारत के गेहूं उद्योग से जुड़े इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय मंच का आयोजन 9-10 जुलाई 2026 को होटल ताज गंगेज, वाराणसी में कर रही है। इस वर्ष कॉन्क्लेव की थीम है रीडिफाइनिंगवीट वैल्यू चेन्स फॉर ए न्यू इंडिया । इस कॉन्क्लेव का सह-आयोजन उत्तर प्रदेश रोलर फ्लोर मिलर्स एसोसिएशन द्वारा किया जा रहा है। वर्ष 1988 में स्थापित डब्ल्यूपीपीएस भारत के गेहूं और गेहूं उत्पाद क्षेत्र के प्रचार, विकास और सशक्तिकरण के लिए लगातार कार्य कर रही है। पिछले वर्षों में डब्ल्यूपीपीएस ने उद्योग संवाद, तकनीकी ज्ञान-विनिमय, गेहूं खपत को बढ़ावा, गुणवत्ता सुधार, मूल्य संवर्धन, पोषण, बेकरी विकास, फ्लोर मिलिंग आधुनिकीकरण और गेहूं वैल्यू चेन में मजबूत सहयोग के लिए अनेक मंच तैयार किए हैं। प्रेस कॉन्फ्रेंस को अजय गोयल, चेयरमैन, डब्ल्यूपीपीएस दीपक कुमार बजाज, अध्यक्ष, यू पी आर एफ एम ए एवं चेयरमैन, जे. डी. बजाज ग्रुप; तथा एच. के. बत्रा, अध्यक्ष, ऑल इंडिया ब्रेड मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन एवं चेयरमैन, परफेक्ट ग्रुप ऑफ कंपनीज ने संबोधित किया। यह कॉन्क्लेव इस वर्ष गेहूं उद्योग के सबसे बड़े आयोजनों में से एक माना जा रहा है, जिसमें 21 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों, 81 शहरों, लगभग 350 प्रतिभागियों और 50 से अधिक वक्ताओं, मॉडरेटरों एवं पैनलिस्टों की भागीदारी होगी। इसमें भारत और विदेशों से फ्लोर मिलिंग, गेहूं व्यापार, बेकरी, ब्रेड, बिस्किट, नूडल्स, पास्ता, खाद्य प्रसंस्करण, पोषण, भंडारण, तकनीक, कमोडिटी बाजार, नीति, खरीद, सप्लाई चेन,

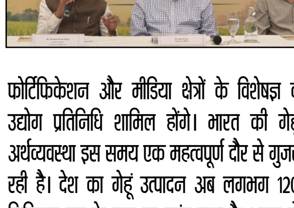

फोर्टिफिकेशन और मीडिया क्षेत्रों के विशेषज्ञ व उद्योग प्रतिनिधि शामिल होंगे। भारत की गेहूं अर्थव्यवस्था इस समय एक महत्वपूर्ण दौर से गुजर रही है। देश का गेहूं उत्पादन अब लगभग 120 मिलियन टन के स्तर पर पहुंच चुका है। भारत में 2,000 से अधिक फ्लोर मिलें हैं और इनमें से 200 से अधिक भारतीय फ्लोर मिलें अब आधुनिक या विश्वस्तरीय सुविधाओं से लैस हैं। यह क्षेत्र अब केवल सामान्य मिलिंग तक सीमित नहीं है, बल्कि बेकरी, ब्रेड, बिस्किट, नूडल्स, पास्ता, क्यू एस आर पैकेज्ड फूड और आधुनिक उपभोक्ता बाजारों के लिए गुणवत्ता आधारित, उपयोग-विशेष और मूल्य संवर्धित गेहूं उत्पादों की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है। इस कॉन्क्लेव के लिए उत्तर प्रदेश का विशेष महत्व है। उत्तर प्रदेश भारत के सबसे महत्वपूर्ण गेहूं उत्पादक और गेहूं प्रसंस्करण राज्यों में से एक है। राज्य में वर्ष 2024-25 में गेहूं उत्पादन लगभग 35.65 मिलियन टन अनुमानित है और यहां 300 से अधिक रोलर फ्लोर मिलें कार्यरत हैं। ये मिलें आटा, मैदा, सूजी और अन्य गेहूं उत्पादों का उत्पादन करती हैं तथा उत्तर प्रदेश के साथ-साथ देश के अन्य राज्यों में भी आपूर्ति करती हैं। कॉन्क्लेव में मुख्य अतिथि मनोज कुमार सिंह, आईएएस (सेवानिवृत्त), मुख्य कार्यकारी अधिकारी, स्टेट ट्रांसफॉर्मेशन कमीशन, उत्तर प्रदेश सरकार एवं पूर्व मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश सरकार, गरिमामयी उपस्थिति देंगे। प्रो. रमेश चंद, डिस्टिंग्विश्ड प्रोफेसर,एवं पूर्व सदस्य, नीति आयोग, भी कॉन्क्लेव को संबोधित करेंगे। 10 जुलाई 2026 को मुख्य सत्रों में भारत के गेहूं और गेहूं उत्पाद क्षेत्र से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा होगी, जिनमें वैश्विक गेहूं बाजार, नीति, मौसम और मूल्य जोखिम; खरीद, व्यापार, भंडारण, सप्लाई चेन और खाद्य सुरक्षा; मिलिंग तकनीक, गेहूं गुणवत्ता, फोर्टिफिकेशन, प्रोसेसिंग दक्षता और स्मार्ट एनर्जी समाधान; पोषण, बेकरी, स्टेपल फूड, मूल्य संवर्धन और आधुनिक उपभोक्ता उत्पाद शामिल हैं। श्री अजय गोयल, चेयरमैन, डब्ल्यूपीपीएस ने कहा कि गेहूं केवल एक खाद्यान्न नहीं है, बल्कि खाद्य सुरक्षा, किसान आय, फ्लोर मिलिंग, बेकरी, खाद्य प्रसंस्करण, पोषण, तकनीक, रोजगार और उपभोक्ता कल्याण से जुड़ी एक संपूर्ण वैल्यू चेन है। उन्होंने कहा कि डब्ल्यूपीपीएस इस कॉन्क्लेव के माध्यम से उद्योग से जुड़े सभी हितधारकों को जोड़कर न्यू इंडिया के लिए एक मजबूत गेहूं वैल्यू चेन बनाने का प्रयास कर रहा है। दीपक कुमार बजाज, अध्यक्ष, यू पी आर एफ एम ए ने कहा कि उत्तर प्रदेश भारत के सबसे महत्वपूर्ण गेहूं उत्पादक और गेहूं प्रसंस्करण राज्यों में से एक है। राज्य में फ्लोर मिलों, व्यापारियों, बेकर्स, खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों और उपभोक्ताओं का मजबूत आधार है। उन्होंने कहा कि वाराणसी में इस राष्ट्रीय मंच की मेजबानी उत्तर प्रदेश और उद्योग दोनों के लिए गर्व का विषय है। एच. के. बत्रा, अध्यक्ष, ए आई बी एम ए ने कहा कि ब्रेड और बेकरी उद्योग भारत की गेहूं वैल्यू चेन का एक अत्यंत महत्वपूर्ण हिस्सा है। ब्रेड घरों, होटलों, रेस्टोरेंट्स, संस्थानों, स्कूलों, अस्पतालों, क्यू एस आर और रिटेल आउटलेट्स के माध्यम से उपभोक्ताओं तक पहुंचती है। उन्होंने कहा कि ब्रेड उद्योग की वृद्धि सीधे तौर पर लगातार अच्छी आटा गुणवत्ता, खाद्य सुरक्षा, पोषण, फोर्टिफिकेशन, तकनीक, पैकेजिंग और प्रभावी सप्लाई चेन पर निर्भर करती है। ए. एन. गुप्ता, पूर्व चेयरमैन, डब्ल्यूपीपीएस पूर्व अध्यक्ष, आर एफ एम एफ आई एवं मानद कोषाध्यक्ष, डब्ल्यूपीपीएस ने कहा कि डब्ल्यूपीपीएस आज गेहूं और गेहूं उत्पाद उद्योग की एक सार्थक और मान्यता प्राप्त आवाज बन चुका है। उन्होंने कहा कि डब्ल्यूपीपीएस ने सेमिनारों, तकनीकी कार्यक्रमों, उद्योग चर्चाओं, ज्ञान-साझाकरण सत्रों, मीडिया संवाद और हितधारक बैठकों के माध्यम से गेहूं उद्योग को लगातार जोड़े रखने, जागरूक करने और सक्रिय बनाने का कार्य किया है। 9 जुलाई 2026 को पंजीकृत प्रतिभागियों के लिए वाराणसी का एक विशेष सांस्कृतिक और आध्यात्मिक अनुभव भी रखा गया है। इसमें गंगा क्रूज / बजरा राइड, गंगा द्वार से श्री काशी विश्वनाथ मंदिर दर्शन, गंगा आरती दर्शन, जलपान और रात्रि भोज शामिल रहेंगे। यह कार्यक्रम प्रतिनिधियों को केवल एक व्यावसायिक मंच ही नहीं, बल्कि वाराणसी की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक समृद्धि का यादगार अनुभव भी प्रदान करेगा।कॉन्क्लेव में डब्ल्यूपीपीएस की आई लव वीट पहल को भी आगे बढ़ाया जाएगा, जिसके माध्यम से गेहूं के पोषण, बहुउपयोगिता, सांस्कृतिक महत्व, उत्पादन क्षमता और भारत की खाद्य सुरक्षा में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका को सकारात्मक रूप से प्रस्तुत किया जाएगा। कार्यक्रम में डब्ल्यूपीपीएस अवॉर्ड सेरेमनी भी आयोजित की जाएगी, जिसका आयोजन वीट प्रोडक्ट्स प्रमोशन सोसाइटी द्वारा किया जाएगा। इसमें भारत की गेहूं वैल्यू चेन, फ्लोर मिलिंग, खरीद एवं सप्लाई चेन, फोर्टिफिकेशन, पोषण, तकनीक, मूल्य संवर्धन और उद्योग विकास में उत्कृष्ट योगदान देने वाले उद्योग नेताओं, कंपनियों, उद्यमियों, नवप्रवर्तकों और पेशेवरों को सम्मानित किया जाएगा। डब्ल्यूपीपीएस अवॉर्ड सेरेमनी में रनविंद्र जायसवाल, राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार, स्टाम्प एवं न्यायालय शुल्क तथा पंजीयन विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार, गरिमामयी उपस्थिति देंगे।इस आयोजन से भारत के लिए एक मजबूत, अधिक प्रतिस्पर्धी, तकनीक-सक्षम और भविष्य के लिए तैयार गेहूं वैल्यू चेन के निर्माण हेतु व्यावहारिक सुझाव और दिशा मिलने की उम्मीद है।

ए.एस. हेल्थ केयर हॉस्पिटल एंड ट्रामा सेंटर प्रा. लि. पर ट्रक क्लीनर को रातभर बंधक बनाकर मारपीट और 1 लाख मांगने का आरोप

- ➢ आखिर जब थार में ट्रक ड्राइवर द्वारा ठोकर लगी तो पीटने के बाद पुलिस को क्यू नही सुचित किया गया।
- ➢ क्या अस्पताल के डॉक्टर और कर्मचारियों के हौसले इतने बुलंद है कि पुलिस को बताना उचित नहीं समझा

ए.एस. हेल्थ केयर हॉस्पिटल एंड ट्रामा सेंटर प्रा. लि. - आलोक ने बताया की हास्पिटल के बहार एक थार गाड़ी जिसमें ट्रक से टक्कर लग गई थी। ड्राइवर को बंधक नहीं बैठाया बनाया गया था बैठा हुआ था रिसेप्शन में और आलोक ने बताया कि 112 पर भी सूचित किया गया था गोलमोल जवाब देते हुए नजर आए और कहां की मेरे सामने कोई भी घटना नहीं हुई है मैं अस्पताल परिसर में मौजूद नहीं था।

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। राजधानी के सुशांत गोल्फ सिटी थाना क्षेत्र स्थित एचसीएल चौकी अंतर्गत ए.एस. हेल्थ केयर हॉस्पिटल और ट्रॉमा सेंटर प्रा. लि. पर ट्रक ड्राइवर शिव सिंह को कथित रूप से रातभर बंधक बनाकर मारपीट करने और मां से सुमित्रा सिंह 1 लाख की मांग करने का गंभीर आरोप लगा है। पीड़ित की मां के अनुसार, सुल्तानपुर रोड पर खड़ी थार बीना नम्बर प्लेट गाड़ी को ट्रक बेक करते समय हल्की सी टक्कर लगी जिससे थार मालिक और ए.एस. हेल्थ केयर हॉस्पिटल एंड ट्रामा सेन्टर प्रा.लि. अस्पताल के डाक्टर और कर्मचारियों ने ट्रक ड्राइवर शिव सिंह को जमकर पीटा इससे भी जब अस्पताल के डॉक्टर और थार मालिक का मन नहीं भरा तो ट्रक ड्राइवर को अस्पताल के कमरे में बांधकर बुरी तरह से पिता उसके बाद उसे ट्रक ड्राइवर शिवा सिंह से मां को फोन कर 1 लाख रुपये मंगवाने को कहा,और बाथरूम में बंद कर रातभर पीटा, जिससे उसके शरीर पर चोटें आई। घटना की सूचना मिलने पर पीड़ित की मां शीला सिंह एचसीएल चौकी पहुंची और कथित रूप से अस्पताल में बंधक बनाये गए बेटे को पुलिस चौकी लाया गया। इसके बाद पीड़ित पक्ष ने पुलिस को पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए मुकदमा दर्ज कर।

इटौंजा ओवरब्रिज के पास सड़क हादसे में युवक की मौत

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

बीकेटी। बक्शी का तालाब के इटौंजा थाना क्षेत्र में गुरवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान सीतापुर जनपद के सिधौली थाना क्षेत्र स्थित ग्राम झगरावा निवासी 28 वर्षीय सत्यम पुत्र लालजी के रूप में हुई है। मृतक के पिता ने बताया कि उनका परिवार लखनऊ में मजदूरी कर जीवन-यापन करता है। गुरवार दोपहर करीब तीन बजे सत्यम लखनऊ से अपने घर जा रहा था। इसी दौरान इटौंजा ओवरब्रिज के पास उसकी तेज रफ्तार मोटरसाइकिल (नंबर यूपी-32-जीएच-5729) अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में सत्यम गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस और एंबुलेंस की मदद से उसे इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र इटौंजा ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले में आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

➲ योगीराज में कानून व्यवस्था पर सवाल

पीड़िता ने लगाया पुलिस पर कार्रवाई में ढिलाई का आरोप, मुख्यमंत्री से लगाई न्याय की गुहार

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के तालकटोरा थाना क्षेत्र से सामने आए एक संपत्ति विवाद ने कानून-व्यवस्था और पुलिस की कार्यप्रणाली पर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। पीड़ित परिवार का आरोप है कि विदेश में रहकर परिवार का पालन-पोषण करने वाले व्यक्ति की मृत्यु के बाद उसके रिश्तेदारों ने संपत्ति पर अवैध कब्जा करने की कोशिश की और विरोध करने पर परिवार को लगातार धमकियां दी जा रही हैं। पीड़िता के अनुसार, उसके पति की मृत्यु के बाद देवर रईस और अन्य परिजनों ने पीर पक्का, आलमनगर स्थित प्लॉट पर ताला लगाकर कब्जा कर लिया। पीड़िता का कहना है कि उसने अपने स्वामित्व से संबंधित दस्तावेज पुलिस को उपलब्ध कराए, जिसके आधार पर संबंधित लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया। इसके बावजूद आरोपियों की गिरफ्तारी न होने से परिवार में भय और असुरक्षा का माहौल बना हुआ है। पीड़िता का यह भी आरोप है कि संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध लूट, चोरी, मारपीट तथा शस्त्र अधिनियम सहित अन्य गंभीर धाराओं में मुकदमे दर्ज होने के बावजूद प्रभावी कार्रवाई नहीं हो रही है। साथ ही उसने यह सवाल भी उठाया है कि जिस व्यक्ति पर कई गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं, तो उसका पासपोर्ट और चरित्र सत्यापन (पीसीसी) किन परिस्थितियों में जारी हुआ। इन बिंदुओं की निष्पक्ष जांच की मांग भी की गई है। पीड़ित परिवार का कहना है कि उन्हें लगातार जान-माल का खतरा बना हुआ है और वे भय के माहौल में जीवन व्यतीत कर रहे हैं। परिवार ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री से मामले की निष्पक्ष जांच कराकर दोषियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने तथा सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग की है। अब निगाहें पुलिस प्रशासन और शासन की आगामी कार्रवाई पर टिकी हैं। यदि पीड़िता के आरोप सही पाए जाते हैं, तो यह मामला न केवल संपत्ति विवाद तक सीमित रहेगा, बल्कि पुलिस की कार्यप्रणाली और जवाबदेही पर भी गंभीर प्रश्न खड़े करेगा। वहीं, मामले में आरोपित पक्ष का पक्ष अभी सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आया है। पुलिस जांच और न्यायिक प्रक्रिया के बाद ही आरोपों की पुष्टि या खंडन हो सकेगा।

दो कारों की भीषण टक्कर के बाद सड़क पर बवाल, विरोध करने पर पथराव का आरोप

➢ हादसे में परिवार के कई लोग घायल, कार क्षतिग्रस्त; सरोजनीनगर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर शुरू की जांच

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

सरोजनीनगर। सरोजनीनगर थाना क्षेत्र के दरोगाखेड़ा चौराहे के पास दो कारों की आमने-सामने टक्कर के बाद विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। दुर्घटना के बाद कहासुनी के दौरान एक पक्ष ने दूसरे पक्ष की कार पर पथराव करने तथा गाली-गलौज व अभद्रता करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पीड़ित आशुतोष पाण्डेय, निवासी बजरिया, छिबरामऊ (जनपद कन्नौज) के अनुसार, 8 जुलाई की सुबह वह अपने परिवार के साथ कार से रिंग रोड होते हुए दरोगाखेड़ा के पास कानपुर रोड की ओर उतर रहे थे। इसी दौरान कार संख्या यूपी-78 एचआर-8441 के चालक ने कथित रूप से तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाते हुए उनकी कार में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में उनकी कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई तथा उसमें सवार परिवार के सभी लोगों को चोटें आईं। आशुतोष का आरोप है कि दुर्घटना का विरोध करने पर दूसरे वाहन में सवार लोगों ने उनके और उनकी बहन के साथ गाली-गलौज व अभद्र व्यवहार किया। इतना ही नहीं, उनकी कार पर पथराव भी किया गया, जिससे वाहन को और नुकसान पहुंचा। घटना के बाद पीड़ित ने सरोजनीनगर थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है और पूरे मामले की जांच कर रही है। पुलिस का कहना है कि जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

10 हजार करोड़ से बदलेगी सरोजनीनगर की तस्वीर

➲ लिंक एक्सप्रेस-वे, एलिवेटेड रोड, पुल, सड़क और रेलवे परियोजनाओं से विकास को मिलेगी नई रफ्तार

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

सरोजनीनगर। सरोजनीनगर विधानसभा क्षेत्र में आधारभूत ढांचे को मजबूत करने के लिए हजारों करोड़ रुपये की परियोजनाओं पर तेजी से कार्य हो रहा है। विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने गुरुवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सड़क, पुल, एक्सप्रेस-वे, रेलवे और सार्वजनिक परिवहन से जुड़ी योजनाएं सरोजनीनगर को आधुनिक और विकसित क्षेत्र के रूप में स्थापित कर रही हैं। उन्होंने बताया कि ?5,000 करोड़ की लागत से बनने वाला 50 किलोमीटर लंबा लिंक एक्सप्रेस-वे आगरा एक्सप्रेस-वे को पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे से जोड़ेगा, जबकि ?4,700 करोड़ की लखनऊ-कानपुर एलिवेटेड रोड अमौसी एयरपोर्ट से कानपुर तक की दूरी लगभग 40 मिनट में पूरी करने में सहायक होगी। डॉ. राजेश्वर सिंह के अनुसार क्षेत्र में ?499.51 करोड़ की लागत से 6 पुल, ?492.34 करोड़ से 11 नहर पटरियों का जीर्णोद्धार, ?216 करोड़ से 165 सड़कें, तथा नगर निगम एवं अन्य स्थानीय निकायों की निधियों से ?144 करोड़ की लागत से 1,900 से अधिक सड़कों का निर्माण कराया जा चुका है। उन्होंने बताया कि बनी-मोहनलालगंज फोरलेन, मुख्यमंत्री ग्रिड योजना, चन्द्रावल चौराहा-कानपुर रोड चौड़ीकरण, दो आधुनिक फुटओवर ब्रिज, हरौनी रेल ओवरब्रिज, लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेस-वे, किसान पथ, रेलवे अंडरपास, बस सेवा विस्तार और रेलवे स्टेशनों के आधुनिकीकरण सहित अनेक परियोजनाओं पर कार्य जारी है। डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहा कि बेहतर सड़क, पुल, रेल और एक्सप्रेस-वे नेटवर्क केवल आवागमन को आसान नहीं बनाएंगे, बल्कि निवेश, उद्योग और रोजगार के नए अवसर भी पैदा करेंगे। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले समय में सरोजनीनगर का हर गांव, हर सड़क और हर मोहल्ला आधुनिक आधारभूत संरचना से जुड़कर विकास की नई पहचान बनेगा।

समाचार

मड़ियांव पुलिस की बड़ी कार्रवाई, कुख्यात अपराधी 6 माह के लिए जिला बदर

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। पुलिस कमिश्नरेट ने अपराध नियंत्रण के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत मड़ियांव क्षेत्र में प्रभावी कार्रवाई करते हुए अनिल सिन्हा नामक अपराधी को 6 महीने के लिए लखनऊ से जिला बदर कर दिया है। उत्तर प्रदेश गुंडा नियंत्रण अधिनियम, 1970 के अंतर्गत की गई इस कार्रवाई के दौरान, पुलिस ने आरोपी के घर पर जाकर मुनादी करवाई और स्थानीय निवासियों को इस आदेश से अवगत कराया। लखनऊ-सीतापुर सीमा तक छोड़ दिया है और उसे चेतावनी दी है कि अगले 6 महीने तक वह लखनऊ की सीमा में प्रवेश न करे, अन्यथा उसके खिलाफ सख्त विधिक कार्रवाई की जाएगी। आरोपी अनिल सिन्हा का पुराना आपराधिक इतिहास रहा है, जिसमें मड़ियांव, बीकेटी, जानकीपुरम और गुडंबा थानों में चोरी, धोखाधड़ी और आर्म्स एक्ट जैसे गंभीर मामलों में कुल 7 मुकदमे दर्ज हैं।

मैथमेटिक्स वर्ल्ड कान्टेस्ट में भाग लेने हांगकांग जाएगा सीएमएस दल

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

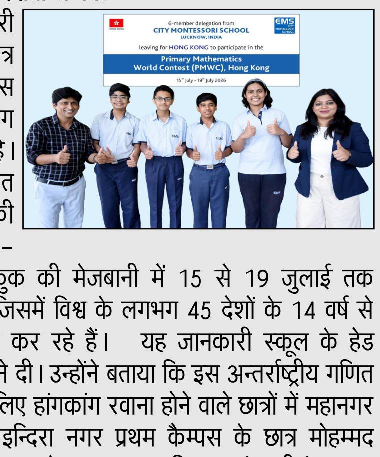

लखनऊ । सिटी मान्टेसरी स्कूल का 6 सदस्यीय छात्र दल %प्राइमरी मैथमेटिक्स वर्ल्ड कान्टेस्ट' में प्रतिभाग के लिए हांगकांग जा रहा है। यह अन्तर्राष्ट्रीय गणित प्रतियोगिता हांगकांग की ख्याति प्राप्त सामाजिक-शैक्षिक संस्था पो ल्युंग कुक की मेजबानी में 15 से 19 जुलाई तक आयोजित की जा रही है, जिसमें विश्व के लगभग 45 देशों के 14 वर्ष से कम उम्र के छात्र प्रतिभाग कर रहे हैं। यह जानकारी स्कूल के हेड कम्युनिकेशन्स ऋषि खन्ना ने दी। उन्होंने बताया कि इस अन्तर्राष्ट्रीय गणित प्रतियोगिता में प्रतिभाग के लिए हांगकांग रवाना होने वाले छात्रों में महानगर के छात्र अहान कटियार, इन्दिरा नगर प्रथम कैम्पस के छात्र मोहम्मद समद,गोमती नगर प्रथम कैम्पस के छात्र आरुष निगम एवं अलीगंज प्रथम कैम्पस की छात्रा अलिशबा सादिक शामिल हैं। इस छात्र दल का नेतृत्व अलीगंज प्रथम कैम्पस की वरिष्ठ शिक्षिका श्रेया गुप्ता करेंगी जबकि डिप्टी लीडर के रूप में गोमती नगर प्रथम कैम्पस के शिक्षक अबू साद हांगकांग जा रहे हैं।

व्यापारियों के स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए मेदांता और उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल का बड़ा कदम

●एमओयू पर हुए हस्ताक्षर, प्रदेशभर में लगेंगे निशुल्क हेल्थ कैंप; हार्ट अटैक से बचाव के लिए विशेषज्ञों ने दिए अहम सुझाव

- ➢ मेदांता हॉस्पिटल और उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के बीच एमओयू।
- ➢ प्रदेशभर में व्यापारियों और नागरिकों के लिए निशुल्क हेल्थ कैंप लगेंगे।
- ➢ हार्ट अटैक के शुरुआती 4 घंटे सबसे महत्वपूर्ण – डॉ. आर.के. सरन।
- ➢ नियमित जांच, संतुलित खानपान और सुबह की सैर से हृदय रोग का खतरा कम।
- ➢ उत्तम स्वास्थ्य सबसे बड़ी निधि – संजय गुप्ता।

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। व्यापारियों एवं आम नागरिकों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल और मेदांता हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वावधान में गुरुवार को अयोध्या रोड स्थित प्रदेश कार्यालय में स्वास्थ्य चर्चा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान दोनों संस्थाओं के बीच एक महत्वपूर्ण एमओयू (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए, जिसके तहत प्रदेश के प्रमुख जिलों में व्यापारियों और नागरिकों के लिए निशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाएंगे तथा उन्हें बेहतर स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया जाएगा। कार्यक्रम में मेदांता हॉस्पिटल के निदेशक एवं देश के वरिष्ठ कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. आर.के. सरन ने हृदय रोगों की रोकथाम और समय पर उपचार को लेकर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि संतुलित खानपान, संयमित जीवनशैली, नियमित व्यायाम, सुबह तेज कदमों से सैर और समय-समय पर स्वास्थ्य जांच से हार्ट अटैक जैसी गंभीर बीमारियों के खतरे को काफी हद तक कम किया जा सकता है। डॉ. सरन ने कहा कि यदि परिवार में पहले किसी सदस्य को हृदय रोग रहा हो तो नियमित जांच कराना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बताया कि हार्ट अटैक के शुरुआती चार घंटे गोल्डन आवर होते हैं, जिनमें सही उपचार मिलने पर मरीज की जान बचाई जा सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि कैल्शियम स्कोर बढ़ना हृदय रोग की शुरुआती चेतावनी हो सकता है और आपात स्थिति में प्राथमिक उपचार के रूप में चिकित्सकीय सलाह के अनुरूप डिस्प्रिन की गोली लाभकारी हो सकती है। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल की ओर से प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता तथा मेदांता हॉस्पिटल की ओर से निदेशक डॉ. आर.के. सरन ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता ने कहा कि व्यापारी अक्सर व्यवसाय में इतने व्यस्त हो जाते हैं कि अपने स्वास्थ्य की अनदेखी कर देते हैं। उन्होंने कहा, उत्तम स्वास्थ्य ही सबसे बड़ी पूंजी है। धन कमाने के साथ-साथ शरीर की सुरक्षा भी उतनी ही आवश्यक है। समय-समय पर स्वास्थ्य जांच, योग, सुबह की सैर और नशे से दूरी स्वस्थ जीवन की कुंजी है। कार्यक्रम में प्रदेश कोषाध्यक्ष मोहम्मद अफजल, प्रदेश उपाध्यक्ष अविनाश त्रिपाठी, गुरप्रीत सिंह चड्ढा, प्रदेश मंत्री संदीप सिंह गौर सहित संजय त्रिवेदी, राजीव शुक्ला, संजय कुमार गुप्ता, अंशु श्रीवास्तव, आशीष शर्मा, प्रवीण मिश्रा, धर्मेंद्र तिवारी, सुफल वर्मा, श्रीमती अंजलि मौर्या, नारायण मौर्या, मोहम्मद रिजवान और मोहम्मद फुरकान सहित बड़ी संख्या में व्यापारी एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

बारिश ने बिगाड़ा रसोई का गणित, प्याज-टमाटर के तेवर हुए तीखे

नासिक से आवक घटी, लखनऊ में प्याज 45 रुपये और टमाटर 50 रुपये किलो तक पहुंचा

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। लगातार हो रही बारिश का असर अब आम लोगों की रसोई पर साफ दिखाई देने लगा है। मुंबई और आसपास के क्षेत्रों में बारिश के कारण नासिक से प्याज की आवक प्रभावित होने से बाजार में कीमतों में अचानक उछाल आ गया है। करीब 20 दिनों में प्याज के दाम तेजी से बढ़े हैं। जो प्याज एक सप्ताह पहले तक 25 रुपये प्रति किलो मिल रहा था, वह अब फुटकर बाजार में 40 से 45 रुपये प्रति किलो बिक रहा है। टमाटर भी लोगों की जेब पर भारी पड़ने लगा है। देशी टमाटर की आवक कम होने के बाद बाहर से आने वाला टमाटर भी महंगा हो गया है। फुटकर बाजार में टमाटर 40 से 50 रुपये प्रति किलो तक बिक रहा है। वहीं लहसुन और अदरक के दाम भी ऊंचे बने हुए हैं, जिससे रसोई का बजट पूरी तरह गड़बड़ा गया है। भारतीय किसान एवं आढ़ती वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष नजमुद्दीन राइनी ने बताया कि फिलहाल प्याज की आपूर्ति शाहजहांपुर से हो रही है, जबकि नासिक से आवक लगभग ठप है। मांग अधिक और आपूर्ति कम होने के कारण कीमतों में तेजी आई है। राइनी के अनुसार थोक मंडी में कीमतों में बहुत अधिक बढ़ोतरी नहीं हुई है। मंडी में अच्छी गुणवत्ता का टमाटर करीब 30 रुपये प्रति किलो, प्याज 22 से 28 रुपये प्रति किलो तथा अच्छी गुणवत्ता का लहसुन 150 रुपये प्रति किलो बिक रहा है। उन्होंने कहा कि फुटकर बाजार में व्यापारी किस कीमत पर सामान बेचते हैं, उस पर मंडी का कोई नियंत्रण नहीं होता।

वासुदेव फाउंडेशन बनाएगा आशियाना में भव्य गौ रक्षा केंद्र

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। वासुदेव फाउंडेशन के तत्वाधान में बंगला बाजार चौराहे पर 81 दिवसीय गविष्ठि गौ रक्षार्थ धर्म यात्रा लेकर निकले स्वामी अविमुक्तेश्वरानन्द जी का भव्य स्वागत आनन्द आजाद एवं उनकी टीम के सैकड़ो श्रद्धालुगण द्वारा पुष्प वर्षा व माल्यापर्ण कर किया गया। यात्रा के आगे आगे हरे रामा हरे कृष्णा का संकीर्तन मंडलदल व 21 बुलेट गाड़ियों से श्रद्धालुगण यात्रा के आगे आगे अगवानी करते हुए रजनी खंड आशियाना स्थित संस्कार लॉन पहुँचे। संस्कार लान आशियाना में स्वामी अविमुक्तेश्वानन्द महाराज ने गौ पूजन करके यहाँ उपस्थित विशाल जन समुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान संस्कार गौ माता को पशु मान रही है और गौ हत्या रोकने में अक्षम है। उन्होने कहा कि अगर आप सब असली हिन्दू है तो अपने हिन्दू धर्म का पालन करते हुए गौ माता को राष्ट्र माता का दर्जा दिलाने में हमारा साथ दे तथा गौ रक्षा का ढकोसला करने वाले नकली हिन्दुओं का बहिष्कार करें। इस अवसर पर इस्कॉन अयोध्या के प्रमुख षठभुज प्रभु ने कहा कि सनातन धर्म के अनुसार गौ माता में 33 करोड़ देवी देवताओ का वास माना जाता है और गौ हत्या करके उन 33 करोड़ देवी देवताओं की हत्या हो रही है जो घोर पाप एवं अनर्थ है जिसे सनातनधर्म कभी माफ नही करेगा। इस अवसर पर प्रमुख रूप से राम प्रकाश यादव, सतीश यादव, अतुल शुक्ला, वेद प्रकाश भट्ट, संजय मिश्रा, जय सिंह, जयंत यादवेन्द्र सिंह यादव, अरविन्द यादव, विश्वास मौर्या आनन्द यादव, आशुतोष भार्गव, शिबू मिश्रा, राज वर्मा तथा सूरज एवं अमन यादव सहित सैकड़ों श्रद्धालुगण सभा में उपस्थित थे। अन्त में वासुदेव फाउंडेशन के संस्थापक आनन्द आजाद ने बताया कि शीघ्र ही आशियाना क्षेत्र में एक भव्य गौ रक्षा केन्द्र स्थापित किया जायेगा जिसकी फाइल प्रशासन के पास लम्बित है तथा प्रशासन सहयोग में आनाकानी कर रहा है आनन्द आजाद ने गौ रक्षा की शपथ दिलाते हुए कार्यक्रम में पधारे हुए सभी विद्वानो संत महात्माओं व श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त कर कार्यक्रम को सम्पन्न किया।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवक ने फांसी लगाकर दी जान, कमरे में पंखे से लटका मिला शव

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

सरोजनीनगर। बिजनौर थाना क्षेत्र में बुधवार को एक 26 वर्षीय मजदूर युवक ने संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, गोंडा जिले के नगर कोतवाली क्षेत्र के गरीबे पुरवा निवासी कन्हैयालाल उपाध्याय का पुत्र शुभम उपाध्याय (26) बिजनौर के नटकुर स्थित बालाजीपुरम कॉलोनी में किराए के मकान में रहकर पास की मदर्शन कंपनी में काम करता था। उसके साथ दो अन्य युवक भी उसी कमरे में रहते थे और कंपनी में कार्यरत थे। बताया गया कि शुभम मंगलवार को अपने गांव से वापस लौटा था। बुधवार सुबह उसके दोनों साथी पहली शिफ्ट की ड्यूटी पर चले गए

शंकराचार्य से मिले अखिलेश, राम मंदिर से लेकर गौ संरक्षण तक सरकार पर साधा निशाना

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद से शिष्टाचार भेंट के बाद बोले सपा प्रमुख- मंदिर के चढ़ावे में गड़बड़ी या चोरी सनातन धर्म का सबसे बड़ा पाप, गौ संरक्षण, एसआईटी जांच, किसानों, महंगाई और लोकतंत्र पर भी उठाए सवाल।

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने गुरुवार को लखनऊ में ज्योतिषपीठाधीश्वर एवं द्वारका शारदा पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती से शिष्टाचार भेंट कर उनका आशीर्वाद लिया। दोनों के बीच गौ संरक्षण, सनातन परंपराओं, सामाजिक सरोकारों और समसामयिक राष्ट्रीय विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद इन दिनों उत्तर प्रदेश में गौ संरक्षण, गौवंश के सम्मान और सनातन मूल्यों के प्रति जनजागरण के उद्देश्य से %गविष्ठि (गो-रक्षार्थ धर्मयुद्ध) यात्रा% निकाल रहे हैं। यात्रा के माध्यम से वे गौ सेवा को जनआंदोलन बनाने, गौहत्या पर प्रभावी रोक और सनातन परंपराओं के संरक्षण का संदेश दे रहे हैं। भेंट के बाद मीडिया से बातचीत में अखिलेश यादव ने कहा कि ÷गौ संरक्षण केवल राजनीतिक नारा नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा का मूल विषय है।÷ उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा के लिए धर्म से अधिक धन और वोट महत्वपूर्ण हैं तथा वह राजनीतिक हितों के अनुसार धार्मिक मुद्दों पर अपना रुख बदलती रहती है।राम मंदिर से जुड़े विवाद पर अखिलेश यादव ने कहा कि ÷सनातन धर्म में मंदिर के चढ़ावे में गड़बड़ी या चोरी से बड़ा कोई पाप नहीं हो सकता।÷ उन्होंने कहा कि इस पूरे घटनाक्रम से करोड़ों सनातनियों की भावनाएं आहत हुई हैं और केवल औपचारिक कार्रवाई नहीं, बल्कि पूरी व्यवस्था में सुधार की आवश्यकता है। एसआईटी जांच पर सवाल उठाते हुए उन्होंने जांच की निष्पक्षता पर भी प्रश्नचिह्न लगाए और कहा कि जनता का विश्वास बनाए रखने के लिए पूरी प्रक्रिया पारदर्शी होनी चाहिए। इसके साथ ही अखिलेश यादव ने प्रदेश सरकार पर महंगाई, बेरोजगारी, किसानों को खाद की उपलब्धता, फसलों के उचित मूल्य तथा एथेनॉल में कथित मिलावट जैसे मुद्दों पर भी हमला बोला। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में प्रतिशोध की राजनीति उचित नहीं है और जनता आगामी चुनाव में इन सभी मुद्दों पर अपना फैसला देगी।

विवाहिता से मारपीट का आरोप, पति समेत ससुराल पक्ष पर केस दर्ज

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

सरोजनीनगर। सरोजनीनगर थाना क्षेत्र के चिल्लावां स्थित कब्रिस्तान मदरसा में एक विवाहिता के साथ मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। इस संबंध में पारा के बुद्धेश्वर स्थित रसीद अली मुर्गी फार्म निवासी रुखसाना की तहरीर पर पुलिस ने पति जावेद, कमरजहां और महसर नसरीन सहित ससुराल पक्ष के लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पीड़िता का आरोप है कि आरोपियों ने अमरीन के साथ मारपीट कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। विरोध करने पर जान से मारने की धमकी भी दी गई। घटना के बाद पीड़िता ने सरोजनीनगर थाने पहुंचकर कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

संपादकीय

गैंगवार पर वार

अमेरिका ने गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई व गोल्डी बराड़ के खिलाफ कई देशों में कार्रवाई करते हुए दो दर्जन लोगों को गिरफ्तार करने और नशीले पदार्थ व हथियार बरामद करने का दावा किया है। इतना ही नहीं कई अपराधों में वांछित गैंगस्टर गोल्डी बराड़ पर भी एफबीआई ने पचास हजार डॉलर का इनाम घोषित किया है। अमेरिकी अभियोजन पक्ष का दावा है कि इन गैंगों के गुर्गों के खिलाफकार्रवाई में एफबीआई, लॉस एंजिल्स पुलिस, रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस तथा अमेरिकी कस्टम्स एंड बॉर्डर अधिकारियों ने हिस्सा लिया। अमेरिका की यह ताबड़-तोड़ कार्रवाई कनाडा सरकार की उस घोषणा के तुरंत बाद आई है, जिसमें कहा गया था कि कनाडा के निज्जर हत्याकांड में भारत की कोई भूमिका नहीं थी। उल्लेखनीय है कि बहुचर्चित निज्जर हत्याकांड को लेकर पिछली जस्टिन ट्रूडो सरकार ने भारत सरकार के एक अधिकारी पर संलिप्तता के आरोप लगाए थे। जिसके चलते भारत व कनाडा के रिश्ते सबसे निचले स्तर तक जा पहुंचे थे। लेकिन नई सरकार ने ट्रूडो की थ्योरी को नकार दिया था। जिसके बाद ही अमेरिका की यह तल्ख प्रतिक्रिया सामने आई है। कनाडा पुलिस के सूत्रों के अनुसार अमेरिका लारेंस बिश्नोई के प्रत्यारोपण की मांग करेगा। फिलहाल बिश्नोई गुजरात की एक जेल में 2015 से बंद है। बहरहाल, अमेरिकी एजेंसियों द्वारा चलाए गए 'हॉर्ड बॉल ऑपरेशन' में जिन 24 लोगों की गिरफ्तारियां हुई हैं, उन पर भारत से जुड़े संगठित अपराधी गुटों से संबंध होने का आरोप लगाया है। लॉरेंस और गोल्डी बराड को कई मामलों में आरोपी बनाया गया है, जिसमें साल 2023 में खालिस्तान समर्थक हरदीप सिंह निज्जर की हत्या की साजिश में शामिल होना भी है। बाकायदा अमेरिका ने बिश्नोई को निज्जर हत्याकांड में आरोपी बनाया है। उधर लॉस एंजिल्स के संघीय अभियोजकों का दावा है कि ये गिरफ्तारियां कई साल तक चली जांच का नतीजा हैं, जो भारतीय अपराधी गिरोहों पर केंद्रित रही हैं। अमेरिकी अधिकारियों द्वारा सार्वजनिक किए गए दस्तावेजों में 37 अभियुक्तों पर आरोप लगाए गये हैं। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि अमेरिका की नीतियां अमेरिका से शुरू होकर अमेरिका पर ही खत्म हो जाती हैं। ऐसे में भारतीय गैंगस्टरों पर की जा रही ताबड़-तोड़ कार्रवाई को लेकर भी सवाल उठाये जा रहे हैं। निस्संदेह, गैंगवार पर अंकुश लगना चाहिए, लेकिन सवाल इस कार्रवाई की टाइमिंग को लेकर है। इससे ठीक पहले कनाडा सरकार ने निज्जर हत्याकांड में भारत की किसी भूमिका को खारिज किया था। अमेरिका का आकलन है कि राष्ट्रवाद के नाम पर कुछ गैंगस्टरो को राजाश्रय हासिल है। आरोपपत्र में यह भी दावा किया गया है कि बिश्नोई ने खुद की छवि एक 'देशभक्त', 'राष्ट्रवादी' और 'धार्मिक' व्यक्ति के रूप में बनाई है। कयास हैं कि इसके जरिये भारत सरकार को घेरने की कोशिश जा रही है। कुछ विदेश नीति के जानकार मानते हैं कि भारत के ब्रिक्स व रूस-चीन वाले ध्रुव की ओर झुकाव के चलते दबाव बनाने हेतु इस मुद्दे को हथियार की तरह इस्तेमाल किया जाएगा। अमेरिका-भारत व्यापार समझौते पर सहमति न बन पाने से अमेरिका क्षुब्ध है। जिसके लिये दबाव बनाने की कोशिश की जा रही है। सर्वविदित है कि दुनिया भर में सत्ताएं बनाने व सरकार गिराने के खेल में अमेरिका किस हद तक जाता है। उसे पूरी दुनिया में सत्ता की शतरंज खेलने में 'डीप स्टेट' के इस्तेमाल का जनक माना जाता है। सवाल है कि भारतीय संसद व मुंबई पर हुए भीषण आतंकवादी हमलों में शामिल पाक आतंकवादियों व मास्टर माइंडों पर क्या ऐसे कार्रवाई हुई है? जबकि कई मास्टरमाइंड अमेरिका में रह रहे थे? क्या ऐसी कार्रवाई पाक सरकार समर्थित लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादियों के खिलाफहुई, जब पहलगाम की बैसरन घाटी में बेकसूर 26 भारतीय पर्यटकों की हत्या उनका धर्म पूछकर की गई थी? निस्संदेह, हत्या-फिरौती और नशे की तस्करी में लिप्त किसी भी गैंग को बख्शा नहीं जाना चाहिए। ये देश की संप्रभु सरकार का भी प्राथमिक कर्तव्य है। फिलहाल लॉरेंस बिश्नोई 2015 से भारतीय जेल में है और उसके खिलाफ देश में कई केस चल रहे हैं। वहीं गोल्डी बराड़ देश से फरार है। विसंगति देखिए कि अमेरिकी आरोप पत्र में नाबालिगों की भर्ती, गुर्गों का नेटवर्क चलाने के साथ देशभक्त इमेज के आरोप भी शामिल हैं।

'सतलुज' पंजाब में आतंक व हिंसा

पंजाब में राजनीतिक दलों और सिख संगठनों ने अभिनेता दिलजीत दोसांझ की फिल्म 'सतलुज' को एक ओटीटी मंच से हटाए जाने की आलोचना की है और कहा कि यह फिल्म राज्य के इतिहास के सबसे काले अध्यायों में से एक का सामना करने के लिए देश को मजबूर करती है। उनका कहना था कि इतिहास को 'सेंसर' प्रकिया के जरिए दबाने के बजाय ईमानदारी से स्वीकार किया जाना चाहिए। फिल्म का मूल शीर्षक 'पंजाब 95' था और यह मानवाधिकार कार्यकर्ता जसवंत सिंह खालड़ा के जीवन पर आधारित है। यह फिल्म पिछले शुक्रवार को भारत में जी5 मंच पर रिलीज हुई थी, लेकिन दो दिन बाद ही इसे मंच से हटा दिया गया। फिल्म में दिलजीत दोसांझ ने खालड़ा की भूमिका निभाई है, जिन्होंने 1984 से 1994 के बीच दस वर्षों की अवधि में पंजाब में हजारों अज्ञात शवों के अंतिम संस्कार की जांच की थी। बाद में 1995 में वह स्वयं लापता हो गए थे। खालड़ा के अपहरण और हत्या के संबंध में वर्ष 2005 में पंजाब पुलिस के चार कर्मियों को सात साल के कारावास की सजा सुनाई गई थी। दो साल बाद पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय ने उनकी सजा बढ़ाकर आजीवन कारावास कर दी। अभिनेता एवं गायक दिलजीत दोसांझ का कहना है कि उनकी फिल्म 'सतलुज' पर पाबंदी लगनी तय थी तथा उन्हें इसकी उम्मीद भी थी। अमरीका से इंस्टाग्राम पर लाइव होते हुए कहा कि 'यहां आज रविवार है परंतु भारत में सोमवार होगा। मेरे घर रविवार की सायं है। मुझे शुक्रवार को एहसास हुआ था कि ऐसा कुछ होगा। यह मेरे दिमाग में पहले ही था। यह (पाबंदी) हैरान करने वाली बात नहीं है। मैंने सोचा था कि सोमवार को जब कार्यालय खुलेंगे तो इस पर पाबंदी लगाई जाएगी, परंतु मुझे यह अंदाजा नहीं था कि यह रविवार सायं को ही होगा। हमने फिल्म का प्रचार भी नहीं किया और इसे इस प्रकार रिलीज किया। यदि हमने इसका प्रचार किया होता तो यह 2 दिन भी नहीं चलती परंतु मैं संतुष्ट हूं कि लोगों ने फिल्म देखी है, यह उन तक पहुंच गई है।' दिलजीत दोसांझ ने कहा कि वह खुश हैं कि बहुत सारे लोगों ने फिल्म देख ली है या इसे डाऊनलोड कर लिया है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर लाइव होकर कहा कि आज का नौजवान फिल्म संबंधी बात कर रहा है। मैंने फिल्म संबंधी एक प्यारी वीडियो देखी है, जो शायद राजस्थान के एक गुरुद्वारा में दिखाई जा रही है। मुझे संतुष्टि है कि फिल्म आप तक पहुंच चुकी है। दोसांझ ने कहा कि फिल्म की टीम द्वारा की गई कड़ी मेहनत लोगों तक पहुंची है, लोगों ने 'सतलुज' को सांझा करने पर इसे जहां भी और जैसे भी देखने के लिए उत्साहित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि यह बहुत महत्वपूर्ण था कि यह आप तक पहुंचे और यह हुआ भी हैज मैं शुक्रगुजार हूं कि हम जो कहना चाहते थे और जिस तरीके से कहना चाहते थे, वैसे ही हुआ यह आपकी फिल्म है और आप इसे जिस तरीके से चाहते हो देख सकते हो। उन्होंने कहा कि यह फिल्म रिलीज करने का एकमात्र तरीका थाज बिना कुछ कहे क्योंकि यह होना ही थाज। केंद्र सरकार ने 'सतलुज' फिल्म पर पाबंदी लगाने के पीछे यह कारण दिया है कि फिल्म में कुछ ऐसे अंश हैं जो विदेशों में बैठे खालिस्तानी या देश विरोधी ताकतें जिनका इस्तेमाल कर भारत की छवि खराब कर सकती हैं और अलगाववाद को बढ़ावा दे सकती हैं। पंजाब के दुखांत की कहानी 1978 में कट्टरपंथी सिखों और निरंकारियों के बीच हुई हिंसक झड़प से शुरू हुई, जिसके परिणामस्वरूप 24 अप्रैल 1980 को निरंकारियों के गुरु बाबा गुरबचन सिंह की हत्या हुई और इसके बाद पंजाब में हिंसा और आतंक का ऐसा दौर शुरू हुआ जिसके कारण पंजाब के घर-आंगन से लेकर खेत-खलियान तक नफरत की आग में झुलसने लगे। उग्रवादियों व अलगाववादियों का लक्ष्य पंजाब व पंजाबियत की भावना को नष्ट कर प्रदेश में अलगाववाद को बढ़ावा देना था। पुलिस, प्रशासन और सरकार देश की एकता व अखंडता को बनाये रखने के लिए आतंकियों व अलगाववादियों से लड़ रही थी। पंजाबी समाज दोनों के मध्य चल रहे इस संघर्ष को एक बेबसी वाली स्थिति में देखता रहा लेकिन समय बीतने के साथ जब उन्हें अलगाववादियों के नापाक इरादों व इसके पीछे विदेशी ताकतों के हाथ होने का पता लगा

उत्तरप्रदेश की राह पर बंगाल

"कई बाजारों में रेहड़ी-पटरी वालों को जबरन हटाया गया और कुछ जगह बुलडोजर से व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को गिराया गया। और अब बारुईपुर मामले में एक अहम आरोपी की मुठभेड़ में मौत हो गई, जिससे प.बंगाल को भाजपाई रंग में ढलने में जो कसर बाकी थी, वह भी पूरी हो गई।"

प.बंगाल में भाजपा शासन के आते ही राज्य में चारित्रिक बदलाव दिखाई देना शुरु हो चुका है। भाजपा शासन की खास पहचान बन चुके बुलडोजर और पुलिस मुठभेड़ दोनों का इस्तेमाल प.बंगाल में शुरु हो चुका है। सुवेन्दु अधिकारी के सत्ता संभालते ही तृणमूल कांग्रेस के नेताओं और कार्यकर्ताओं पर कानूनी कार्रवाई शुरु हो गई, कई मौकों पर जनता ने कानून हाथ में लिया और टीएमसी नेताओं पर अंडे फेंके। भाजपा ने इसे लोगों का गुस्सा बताकर न्यायोचित ठहराने की कोशिश की। कई बाजारों में रेहड़ी-पटरी वालों को जबरन हटाया गया और कुछ जगह बुलडोजर से व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को गिराया गया। और अब बारुईपुर मामले में एक अहम आरोपी की मुठभेड़ में मौत हो गई, जिससे प.बंगाल को भाजपाई रंग में ढलने में जो कसर बाकी थी, वह भी पूरी हो गई। गौरतलब है कि बीते दिनों कोलकाता के दक्षिणी उपनगर स्थित बारुईपुर थाना क्षेत्र में एक नाबालिग लड़की की बलात्कार के बाद नृशंसता से हत्या कर दी गई। ऐसी एक भी घटना किसी भी सभ्य समाज के लिए बड़ा कलंक होनी चाहिए। जो समाज अपने बच्चों की, महिलाओं की हिफाजत न कर सके, उसे शर्मिंदा होना चाहिए। मगर बड़े अफसोस की बात है कि बलात्कार जैसा गंभीर अपराध अब राजनीति करने का जरिया बन चुका है। जब प.बंगाल में ममता बनर्जी सरकार के वक्त आर जी कर मेडिकल कॉलेज में बलात्कार और हत्या का मामला आया था, तब भाजपा ने बिना समय गंवाएं टीएमसी सरकार को घेरा, राज्य में धरना-प्रदर्शन सब किया।

हालांकि तत्कालीन मुख्यमंत्री ने भी कार्रवाई की, आरोपियों को पकड़वाया, फिर भी उन पर ऊंगली उठाई गई कि वे बहन-बेटियों की सुरक्षा नहीं कर सकतीं। इस चुनाव में भी भाजपा ने इस मुद्दे को भुनाना चाहा और इसके लिए आर जी कर मेडिकल कॉलेज की दिवंगत पीड़िता की मां को टिकट दी, वे जीतीं और अब विधायक भी बन गई हैं। लेकिन अफसोस है कि वे भी अब पीड़ित परिवार के साथ खुलकर खड़े होने और ऐसे नृशंस अपराध पर आवाज उठाने की जगह खोखले तर्क दे रही हैं कि मेरी बेटी के साथ अस्पताल जैसी सुरक्षित जगह पर ऐसा हुआ, जबकि वो बच्ची बाहर थी या कहां थी, पता नहीं। इस बयान के बाद सभ्य समाज को अपने आप से यह सवाल करना चाहिए कि क्या बच्चे केवल अपने घर में सुरक्षित रह सकते हैं, बाहर नहीं। अगर ऐसा है तो हम किस अधिकार से खुद को सभ्य कहते हैं। और कई मामलों में घर में करीबी रिश्तेदार ही जो शारीरिक शोषण करते हैं, उस वक्त बच्चों के लिए कौन सा सुरक्षित स्थान बताया जाएगा। जाहिर है भाजपा विधायक अपनी पार्टी के खिलाफ या नयी सरकार की कानून व्यवस्था के खिलाफ खुल कर बोलने की स्थिति में नहीं हैं, तो उन्होंने सारा ठीकरा पिछली टीएमसी सरकार पर फोड़ दिया। हालांकि इसकी कोई तुक बनती नहीं। अगर ममता बनर्जी की सरकार लड़कियों के लिए सुरक्षित माहौल बनाने में नाकाम थी, तो जनता ने उन्हें सत्ता से हटा दिया है। अब जिनकी सत्ता है, यानी भाजपा की, तो उसे हर तरह से जिम्मेदारी लेना होगा। लेकिन इसकी जगह सुवेन्दु अधिकारी कहीं ममता बनर्जी को पीड़ित परिवार से मिलने से रोक रहे थे, तो कहीं उनके नेता इस घिनौने अपराध में भी हिंदू-मुसलमान कर रहे थे। इस घटना से नाराज भीड़ ने तो एक व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या भी कर दी, हालांकि अब भीड़ में शामिल कम से कम 200 लोगों पर कार्रवाई होगी, ऐसी बात प्रशासन कर रहा है। लेकिन एक अन्य आरोपी, जो इस घटना की अहम कड़ी बन सकता था, उसका रहस्यमय तरीके से एनकाउंटर कर दिया गया। जिस तरह उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश या गुजरात में हुई कई पुलिस मुठभेड़ों में यही कहानी बताई गई कि आरोपी ने पुलिस गिरफ्त से भागने की कोशिश की और उन पर हमला किया, बदले में पुलिस ने आत्मरक्षा में गोली चलाई, जिसमें आरोपी मारा गया। ठीक यही कहानी बारुईपुर मामले के मुख्य आरोपी प्रभास मंडल के एनकाउंटर के पीछे बताई जा रही है। हालांकि इस घटना में शुरुआत से पुलिस की भूमिका पर सवाल उठ रहे हैं। प्रारंभिक पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के मुताबिक, नाबालिग की मौत डूबने से हुई थी। स्थानीय लोगों का आरोप है कि यदि पुलिस ने शुरुआती शिकायत पर गंभीरता से कार्रवाई की होती तो लड़की की जान बचाई जा सकती थी। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक एक स्थानीय निवासी ने बताया कि श्रात करीब साढ़े आठ बजे हमने पुलिस को सूचना दी थी, लेकिन पुलिस ने मामले को गंभीरता से नहीं लिया। रविवार सुबह स्थानीय लोगों से जानकारी मिलने के बाद हमने इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगाले और खुद अभियुक्त की पहचान कर उसे पकड़ लिया। अभियुक्त ने थाने में अपना अपराध कबूल किया था। हम उसके साथ घटनास्थल पर गए और शव बरामद कराया। इसके बावजूद पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। इस बीच भारतीय जनता पार्टी के स्थानीय नेता शांतनु मंडल ने अभियुक्त को भागने में मदद की।श् लेकिन शांतनु मंडल ने अपने ऊपर लगे इन आरोपों से इनकार किया है। इस मुठभेड़ और आरोपी के मारे जाने के बाद टीएमसी सांसद कीर्ति आजाद ने भी दावा किया कि प्रभास मंडल भाजपा का कार्यकर्ता था। उसे भाजपा के अंदरूनी मामलों की काफी जानकारी दी। इसलिए उसका एनकाउंटर कर दिया गया। उन्होंने सवाल किया, श्पुलिस हिरासत में कैसे एनकाउंटर हो गया? पुलिस ने तो उसे पकड़ा हुआ होगा नश् जिस तरह से यूपी में सब कुछ छिपाया जा रहा है या मार दिया जा रहा है। ठीक ऐसी ही बातें टीएमसी सांसद महुआ मोईत्रा ने कही हैं, उन्होंने इसे यूपी 2.0 बताया है। बता दें कि उत्तर प्रदेश पुलिस के अनुसार, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 9 साल के कार्यकाल में राज्य में 17,043 पुलिस मुठभेड़ की घटनाएं दर्ज की गई हैं, जिनमें 289 अपराधियों की मौत हुई है। ऐसी मुठभेड़ों पर कई बार मानवाधिकार कार्यकर्ता और कानूनविद सवाल उठा चुके हैं। पुलिस का काम अपराधी को पकड़ना है, उसे सजा देने का अधिकार न्यायालय का है। लेकिन मुठभेड़ों के सिलसिले रुक ही नहीं रहे हैं। मुठभेड़ों को मैडल की तरह देखने का रवैया बदलना होगा, क्योंकि फिर न्यायप्रक्रिया से भरोसा उठ जाएगा।

एसआईआर- कमजोर पर वार!

आलेख : राजेंद्र शर्मा

देश की 23 विपक्षी पार्टियों ने संयुक्त रूप से चिट्ठी लिखकर देश के सर्वोच्च न्यायालय से देश में जनतंत्र को बचाने के लिए हस्तक्षेप करने की गुहार लगायी है। स्वतंत्र भारत के इतिहास में यह शायद पहला ही मौका है, जब विपक्ष ने इस तरह सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। विपक्ष के इस कदम में, एक प्रकार की लाचारी भी छुपी है। चिट्ठी का अंत इस यथार्थ स्थिति के बयान पर होता है कि अगर इस अदालत के दरवाजे से भी न्याय नहीं मिलता है, तो शायद न्याय के लिए खटखटाने के लिए और कोई दरवाजा ही नहीं रह जाएगा! याद रहे कि जिन विपक्षी पार्टियों ने मिलकर यह गुहार लगायी है, संसद में भले ही अल्पमत में हों, पर वास्तव में जनमत में सत्ता पक्ष के मुकाबले कुछ न कुछ बड़े हिस्से का ही प्रतिनिधित्व करती हैं, छोटे हिस्से का नहीं। जनमत के उल्लेखनीय हिस्से की इस गहरी चिंता से इसका बखूबी अंदाजा लगाया जा सकता है कि मोदी राज में भारत में जनतंत्र पर कितना भारी खतरा छाया हुआ है। हैरानी की बात नहीं है कि विपक्षी पार्टियों की इस चिट्ठी में सबसे प्रमुख रूप से चुनाव आयोग की भूमिका का सवाल उठाया गया है, जिसने जनतांत्रिक चुनाव के निष्पक्ष एंपायर की अपनी संविधान में कल्पित भूमिका का करीब-करीब त्याग ही कर दिया है और एक तरह से सत्ताधारी टीम में ही शामिल हो गया है। इस संदर्भ में चिट्ठी में यह भी याद दिलाया गया है कि किस तरह, अनूप बरनवाल बनाम भारतीय संघ के यूमामले में सर्वोच्च न्यायालय के ही संसदीय पीठ ने, चुनाव आयोग की कार्यपालिका से स्वतंत्रता सुनिश्चित करने के पक्ष में जो फैसला दिया था और इसके लिए सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश, देश के प्रधानमंत्री और नेता विपक्ष के तीन सदस्यीय पैनल द्वारा मुख्य चुनाव आयुक्त तथा चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति किए जाने का जो आदेश दिया था, उसे मोदी राज ने संसद में अपने बहुमत के बल पर, एक नया कानून लाकर पूरी तरह से ही उलट दिया। अब तीन सदस्यीय पैनल में से मुख्य न्यायाधीश को हटाकर, उनकी जगह पर प्रधानमंत्री द्वारा नामजद उनके एक मंत्रिमंडलीय सहयोगी को लाया जा चुका है और इस तरह चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति की प्रक्रिया पर कार्यपालिका का पूर्ण नियंत्रण स्थापित हो चुका है। नतीजा यह है कि आज चुनाव आयोग की भूमिका जितनी विवादास्पद हो गयी है, इससे पहले कभी भी नहीं थी। चुनाव आयोग की विवादास्पद भूमिका के संबंध में जहां स्वाभाविक रूप से विधानसभाई चुनावों के हाल के चक्र में और विशेष रूप से प. बंगाल तथा असम में उसके अनेक विवादास्पद निर्णयों की ओर इशारा किया गया है, वहीं आयोग के जिस एक निर्णय की इस संयुक्त पत्र में अपेक्षाकृत विस्तार से चर्चा की गयी है, वह है मतदाता सूचियों का विशेष सघन पुनरीक्षण कराने का चुनाव आयोग का इकतरफा फैसला। याद रहे कि मतदाता सूचियों को शुद्धता सुनिश्चित करने के नाम पर, चुनाव आयोग द्वारा बिहार में विधानसभा चुनाव से चंद महीने पहले हड़बड़ी में जब यह प्रक्रिया शुरू की गयी थी, तभी से इस प्रक्रिया की जरूरत, उपयुक्तता तथा वैधता पर सवाल उठ रहे थे। जिस तरह लगभग असंभव समय सीमाओं के साथ, मतदाता सूचियां लगभग नये सिरे से तैयार कराए जाने का प्रयास किया जा रहा था, उस हड़बड़ी के अलावा और उससे भी महत्वपूर्ण रूप से, इस पूरी प्रक्रिया को दस्तावेजी साक्ष्यों के सहारे नागरिकता परीक्षण यानी पिछले दरवाजे से राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर थोपे जाने में तब्दील किए जाने पर, शुरू से गंभीर सवाल उठाए जा रहे थे। बहरहाल, इन सभी सवालों को इस झूठे सांप्रदायिक प्रचार से दबाने की कोशिश की गई कि यह कसरत वास्तव में मतदाता सूचियों से %विदेशियों% को छानकर निकालने के लिए जरूरी थी। लेकिन, जब बिहार में एसआईआर की प्रक्रिया पूरी हो गयी, इस प्रक्रिया में छनकर निकले %विदेशियों% की संख्या सैकड़ों, तो क्या दर्जनों में भी नहीं थी, जिसकी वजह से पत्रकारों के बार-बार पूछने के बावजूद, चुनाव आयोग से यह बताते नहीं बना कि बिहार में कितने विदेशी नागरिक मतदाता बने पाए गए थे। इसके बावजूद, चुनाव आयोग ने

बिहार के बाद दूसरे चरण में देश के करीब आधे राज्यों पर, जिनमें इसी साल के पूर्वार्द्घ में विधानसभाई चुनावों की तैयारी कर रहे बंगाल समेत चार राज्य तथा एक केंद्र शासित प्रदेश शामिल थे, न सिर्फ एसआईआर थोप दिया, बल्कि एक ओर केंद्रीय सत्ता व सत्ताधारी संघ-भाजपा और दूसरी ओर चुनाव आयोग की जुगलबंदी के सहारे, एसआईआर की प्रक्रिया को %घुसपैठियों% को निकालने के लिए मतदाता सूचियों की गहरी %छनाई% के रूप में पेश किया जाना जारी रहा। बिहार में जब एसआईआर की प्रक्रिया शुरू हुई, तभी से यह ध्यान दिलाया जा रहा था कि दस्तावेजी साक्ष्यों से नागरिकता को प्रमाणित करने को प्राथमिकता देने वाली यह प्रक्रिया, आर्थिक व सामाजिक रूप से कमजोर तबकों यानी भूमिहीनों, अनपढ़ों, दलितों, महिलाओं, अल्पसंख्यकों आदि को, मतदाता सूचियों से बाहर करने और उनका मताधिकार छीनने का काम करेगी। और ठीक यही हुआ भी। हालांकि, आशंकाओं के विपरीत, मुस्लिम अल्पसंख्यकों की बहुत बड़ी संख्या को बाहर नहीं किया जा सका और दूसरी ओर, प्रवासी मजदूरों की खासतौर पर बड़ी संख्या पर इस छंटाई की गाज गिरी, फिर भी इस प्रक्रिया में जो 65 लाख नाम मतदाता सूचियों से हटाए गए, उनमें से मृतकों की श्रेणी के 22 लाख और एक से ज्यादा जगह नाम की श्रेणी के 7 लाख नामों को छोड़ भी दें तो, 36 लाख यानी कुल मतदाताओं के 5 फीसद से ज्यादा के नाम, उनके जिंदा होते हुए काट दिए गए। इनमें आर्थिक तथा सामाजिक रूप से कमजोर तबकों के यानी भूमिहीनों, अनपढ़ों, दलितों, महिलाओं तथा मुसलमानों के नाम, आबादी में उनके अनुपात की तुलना में उल्लेखनीय रूप से ज्यादा थे। यानी यह अपनी संरचना से ही, कमजोर तबकों के मताधिकार छीनने का हथियार है। बहरहाल, दूसरे चरण में और खासतौर पर बंगाल में, एसआईआर को चुनाव को और सीधे-सीधे प्रभावित करने के हथियार में तब्दील कर दिया गया। चूंकि इस राज्य में केंद्र की सत्ताधारी पार्टी की विरोधी पार्टी सत्ता में थी, संभावित विपक्षी मतदाताओं पर सामान्य रूप से बड़े पैमाने पर कैंची चलाना मुश्किल था। इसलिए, एसआईआर के पहले चरण के बाद, चुनाव आयोग ने समूची प्रक्रिया को बाहर से लाए गए केंद्रीय शासन के वफादार अधिकारियों के हाथों में सौंपने के अलावा एक ऐसे अमोघ अस्त्र का प्रयोग किया, पंप जिसका एसआईआर की प्रक्रिया में भी इससे पहले प्रयोग नहीं किया गया था। एक अपरीक्षित साफ्टवेयर के सहारे, सवा करोड़ से ज्यादा मतदाताओं को %तार्किक विसंगति% की एक नयी ईजाद की गयी श्रेणी में डाल दिया गया। बेशक, बाद में यह संख्या यहां से नीचे आयी, फिर भी करीब 87 लाख लोगों का मताधिकार खतरे में बना रहा और सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद, न्यायिक सुनवाईयां शुरू होने के बाद भी, अपना नाम काटे जाने को चुनौती देने वाले 27 लाख मतदाताओं के मामले में मतदान की तारीख तक भी कोई फैसला नहीं हो सका और अपने नाम न्यायाधीन होने के चलते वे मताधिकार से वंचित हो गए। याद रहे कि न्यायिक ट्रिब्यूनलों द्वारा ऐसे जिन कुछ सौ नामों का फैसला मतदान की तारीख तक किया जा सका था, उनमें से करीब 95 फीसद मामलों में फैसला, मताधिकार के पक्ष में गया था। साफ था कि यह बिना किसी आधार के, अंधाधुंध तरीके से मताधिकार छीने जाने की कोशिश थी। इसमें भी बंगाल में वह भी हुआ, जो मिसाल के तौर पर बिहार में नहीं हो पाया था। इस तरह मताधिकार गंवाने वालों में और उससे भी बढ़कर तार्किक विसंगति के नाम पर मताधिकार गंवाने वालों में, कुल मिलाकर मुस्लिम अल्पसंख्यकों का हिस्सा, आबादी में उनके अनुपात से उल्लेखनीय रूप से ज्यादा था। कई ज्यादा मुस्लिम आबादी वाले चुनाव क्षेत्रों में तो यह साफ तौर पर मुस्लिम वोटों की लक्षित छंटाई का मामला था, जिसने कई सीटों पर तो चुनावी उलट-फेर भी किया लगता है। अब जबकि चुनाव हो चुका है और बंगाल में भाजपा की सरकार भी बन चुकी है, 27 लाख न्यायाधीन मतदाताओं के मताधिकार पर अनिश्चितता बनी ही हुई है। इसी दौरान, बंगाल में तथा बिहार आदि अन्य भाजपा शासित राज्यों में भी, सरकारों ने मतदाता सूचियों से हटाए गए नामों को नागरिक सुविधाओं व सरकारी योजनाओं के दायरे से भी बाहर करने का सिलसिला शुरू कर दिया है। यह मताधिकार छीने जाने के बाद, नागरिकता छीने जाने तक जा सकता है। बंगाल, असम आदि बांग्लादेश से लगती सीमाओं वाले अन्य भाजपा-शासित राज्यों में, गरीब मुसलमानों को साक्ष्यों की कमी के आधार पर घुसपैठिया करार देकर, जबरन सीमा पार धकेले जाने का सिलसिला भी जारी है। लेकिन, इस सब की ओर से आंखें मूंदे चुनाव आयोग ने, एसआईआर का तीसरा चरण शुरू कर दिया है, जिस चरण में तेलंगाना जैसे राज्यों में तार्किक विसंगति की श्रेणी का जमकर इस्तेमाल किया जा रहा है। उधर ओडिशा में चुनाव आयोग के दावे के अनुसार 20 लाख और विपक्षी पार्टियों के दावे के अनुसार 27 लाख नाम काटे गए हैं, जिनमें आधे से ज्यादा तथाकथित अनुपस्थित या स्थानांतरित की संदिग्ध श्रेणी में ही हैं। यहां तक कि सिक्किम में भी 4,71,018 मतदाताओं में से 37,724 के नाम काट दिए गए हैं। एसआईआर के दूसरे चरण तक 6 करोड़ मतदाताओं के नाम काटे जाने के बाद, तीसरे चरण के आखिर तक, यह आंकड़ा 10 करोड़ के करीब हो जाने का अनुमान है। इस तरह, अगर करीब 10 फीसद मतदाताओं को, जिनमें वंचित व कमजोर तबकों के मतदाताओं का हिस्सा ही ज्यादा है, चुनाव से पहले ही मताधिकारहीन कर दिया जाता है, तो वंचित और कमजोर तबके, अमीरपरस्त और सांप्रदायिक-सवर्णवादी वर्तमान सत्ता के शिकंजे से वर्तमान जनतांत्रिक व्यवस्था में राहत की कैसे उम्मीद कर सकते हैं? यह तो जनतंत्र का ही किस्तों में मारा जाना है। विपक्षी पार्टियों ने एसआईआर के रोके जाने की मांग की है। उन्होंने चुनाव आयोग के निष्पक्षता-त्याग के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट के सामने गुहार लगायी जरूर है, लेकिन क्या सुप्रीम कोर्ट यह पुकार सुनेगा? क्या सुप्रीम कोर्ट इस पुकार को सुनने के काबिल रहा भी है या वह भी मीडिया से लेकर चुनाव आयोग तक की गति को प्राप्त हो गया है?

भारत के आर्थिक विकास को रोकने के लिए अमेरिका सब कुछ करेगा

सात्यकी चक्रवर्ती

ट्रंप-मोदी की दोस्ती और भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता जारी रहने के बीच, पूर्व भारतीय गुप्तचर विभाग के प्रमुख विक्रम सूद ने रविवार को एक ब्रिटिश नेटवर्क को दिए साक्षात्कार में कहा कि वर्तमान अमेरिकी डिप्टी सेक्रेटरी ऑफस्टेट क्रिस्टोफर लैंडाऊ ने मार्च 2026 में अपने भारत दौरे के दौरान भारतीय अधिकारियों से कहा था कि वाशिंगटन भारत की तेज आर्थिक विकास को रोकने के लिए टैरिफ, प्रतिबंध और दूसरे तरीकों का इस्तेमाल करेगा और भारत को अमेरिका के साथ मुकाबला करने वाली एक बड़ी ताकत के तौर पर उभरने नहीं देगा। सूद के मुताबिक लैंडाऊ ने उस नई दिल्ली बैठक में कहा था, श्हमने चीन को एक बड़ी आर्थिक ताकत बनने में मदद करके गलती की। हम भारत के साथ ऐसा नहीं करने जा रहे हैं। हम वह गलती दोबारा नहीं करेंगे।श् सूद ने यह साक्षात्कार ब्रिटिश करेंट अफेयर्स प्रोग्राम न्यू ऑर्डर में दिया था, जिसे होस्ट ने लैंडाऊ की टिप्पणी के मूल वीडियो के साथ सोशल मीडिया पर शेयर किया था। इस साक्षात्कार ने राजनयिक हल्कों में हंगामा मचा दिया है। लैंडाऊ अभी भी डिप्टी सेक्रेटरी ऑफ स्टेट हैं और उन्हें ट्रंप की मगा (मेक अमेरिका ग्रेट अगेन) लॉबी के साथ-साथ अपने बॉस सेक्रेटरी ऑफ स्टेट मार्को रुबियो के भी करीब माना जाता है। जहां तक भारत-अमेरिकी रिश्तों की बात है, रुबियो सबसे ज्यादा दिखने वाले अमेरिकी अधिकारी हैं, लेकिन लैंडाऊ ट्रंप प्रशासन के मन की बात कहते हैं। वह द्विपक्षीय रिश्तों के भविष्य के बारे में अमेरिकी सोच के बारे में खुलकर बात करते हैं। हाल के दिनों में, ट्रंप प्रशासन भारत सहित भारत-प्रशांत सुरक्षा के अपने पुराने विचार में कम दिलचस्पी ले रहा है। ट्रंप प्रशासन की बड़ी एशिया रणनीति में भारत की अहमियत कम हो गई है। यह सब इस साल मई में बीजिंग में ट्रंप-शी जिनपिंग शिखर सम्मेलन के बाद हुआ है। नतीजतन, अब उसका ध्यान भारत से व्यापार और रक्षा खरीद में ज्यादा से ज्यादा छूट लेने पर है, और साथ ही यह पक्का करना है कि भारत के विकास की रफ्तार अमेरिकी आर्थिक शक्ति के लिए कोई खतरा न बने। भारतीय विदेश मंत्रालय भी अमेरिकी डिप्टी सेक्रेटरी क्रिस्टोफर लैंडाऊ की टिप्पणी के असली मतलब का अंदाजा लगा रहे हैं, लेकिन चीन ने तुरंत प्रतिक्रिया दी क्योंकि लैंडाऊ ने चीन का उदाहरण देते हुए कहा कि अमेरिका अब भारत के मामले में ऐसी गलती नहीं करेगा। चीनी जानकारों ने नई दिल्ली के प्रति वाशिंगटन के नजरिए को लिमिटेड इंगेजमेंट और सीलिंग कंट्रोल की दोहरी रणनीति बताया। उसने तर्क दिया कि अलग-अलग राष्ट्रीय महत्वाकांक्षाओं, विश्व व्यवस्था के नजरिए, भूराजनीतिक हितों, औद्योगिक प्रतिस्पर्धा और राजनयिक परंपराओं से पैदा हुए गहरे ढांचागत विरोधाभासों को भारत और अमेरिका के बीच राजनयिक बातचीत या आर्थिक सहयोग से पूरी तरह हल नहीं किया जा सकता। सिंघुआ विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय रणनीति संस्थान में अनुसंधान विभाग के निदेशक कियानफेंग ने सोमवार को ग्लोबल टाइम्स को बताया कि पिछले दो दशकों में अमेरिका-भारत संबंधों का तेजी से विस्तार एक हद तक पहुंच रहा है, क्योंकि दोनों देश ऐसे ढांचागत विरोधाभासों का सामना कर रहे हैं जिन्हें सुलझाना मुश्किल है। ये अंतर उनके विकास के अलग-अलग चरण, रणनीतिक संस्कृति, भूराजनीतिक स्थिति, राजनयिक परंपराओं और उनके नेतृत्व के विदेश नीति आधार से पैदा होते हैं। कियान ने कहा कि रणनीतिक स्वायत्तता के लिए भारत की लंबे समय से चली आ रही प्रतिबद्धता, वॉशिंगटन के सहयोग आधारित दृष्टिकोण से बिल्कुल अलग है। नई दिल्ली ने अमेरिका के रणनीतिगत मकसदों के साथ पूरी तरह से जुड़ने के बजाय, अपने राष्ट्रीय हितों के आधार पर लगातार एक स्वतंत्र विदेश नीति अपनाई है। क्वाड और भारत-प्रशान्त रणनीति जैसे ढांचे के अंदर भी भारत अमेरिका के साथ एक औपचारिक सहयोगी या कनीय सुरक्षा भागीदार के बजाय एक बराबर के भागीदार के तौर पर जुड़ना चाहता है। ऑफिशियल मीडिया में चीनी विशेषज्ञ की इस टिप्पणी से पता चलता है कि चीन अब भारत-चीन द्विपक्षीय संबंध को बेहतर बनाने के लिए भारत को लुभाने की कोशिश कर रहा है और अपने पहले के इस रूख को नरम कर दिया है कि अमेरिका ने अपनी भारत-प्रशान्त रणनीति में भारत को एक भागीदार के तौर पर लिया है, जो मुख्य रूप से चीन के खिलाफ थी। चीनी विश्लेषक का जोर इस बात पर है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिकी दबाव को नजरअंदाज करते हुए एक स्वतंत्र नीति अपनाने की कोशिश कर रहे थे। चीनी विशेषज्ञ के मुताबिक लैंडाऊ की बातें भारत के प्रति वॉशिंगटन के बड़े दृष्टिकोण को दिखाती हैं, और वह है भूराजनीतिक प्रतिस्पर्धा में नई दिल्ली का समर्थन मांगते हुए उसे औद्योगिक श्रृंखला के निचले सिरे पर लॉक करना। उन्होंने तर्क दिया कि ऐसी रणनीति भारत के रणनीतिगत लक्ष्यों के खिलाफ है। कियानफेंग के अनुसार, श्उद्योगीकरण सभी विकासशील देशों का एक कानूनी अधिकार है। जीरो-सम सोच (एक का लाभ दूसरे की हानि है) से प्रेरित होकर, अमेरिका दूसरे देशों के विकास पर एक सीमा लगाना चाहता है। टैरिफऔर तकनीकी रुकावटों के जरिए वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को तोड़कर, यह भारत को ब्रिक्स फ्रेमवर्क के साथ-साथ चीन और रूस के साथ सहयोग को और गहरा करने के लिए ही प्रेरित करेगा, जिससे औद्योगिक श्रृंखला के विविधिकरण में तेजी आएगी। अभी भारत और अमेरिका 2026 के खत्म होने से बहुत पहले व्यापार समझौते को पूरा करने की दौड़ में लगे हैं। भारत के वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि 99 प्रतिशत मुद्दे बातचीत में सुलझा लिया गया है। अमेरिकी अधिकारियों ने इस बात पर भी जोर दिया कि दोनों देशों के बीच व्यापार का ढांचा लगभग तैयार है। लेकिन भारत-अमेरिका व्यापार बातचीत के आखिरी दौर में भी, अमेरिका ने सेक्शन 301 के तहत प्रतिबंध लगाने की बात कही। इसका मतलब था कि जांच के दायरे में आने वाले देशों (जिनमें भारत भी शामिल है) पर 12.5 प्रतिशत ड्यूटी लगाई जाएगी। प्रस्तावित भारत-अमेरिका व्यापार समझौते की पूरी जानकारी तो नहीं है, लेकिन वरिष्ठ अधिकारी लैंडाऊ के बयान का लहजा कई व्यापार विशेषज्ञों की उन आशंकाओं को सही ठहराता है कि अमेरिका जल्दबाजी में भारत पर ऐसा व्यापार समझौता थोप रहा है जिसमें सिर्फ अमेरिका के हितों की रक्षा हो रही है, भारत के नहीं।

सकरन में स्वास्थ्य सेवाओं पर उठे सवाल, अवैध अस्पतालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग

भारतीय किसान यूनियन ने सीएचसी अधीक्षक को सौंपा ज्ञापन, डीएम से जांच और सख्त कार्रवाई की मांग

संवाददाता

सकरन, सीतापुर। भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) ने सकरन क्षेत्र में संचालित अवैध अस्पतालों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) की स्वास्थ्य सेवाओं में कथित अनियमितताओं तथा मरीजों के शोषण का आरोप लगाते हुए जिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन सीएचसी अधीक्षक डॉ. आनंद मित्रा को सौंपा। संगठन ने पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

ज्ञापन में भाकियू नेताओं ने आरोप लगाया कि क्षेत्र की कई आशा बहुएं अपने मूल दायित्वों का निर्वहन करने के बजाय विरोध-प्रदर्शनों में अधिक सक्रिय रहती हैं, जिससे ग्रामीणों को समय पर स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं मिल पातीं। कुछ आशा कार्यकर्ताओं पर टीकाकरण और स्वास्थ्य सेवाओं के स्थान पर निजी चिकित्सकों के यहां कमीशन के आधार पर मरीजों को भर्ती कराने का भी आरोप लगाया गया। किसान यूनियन ने यह भी आरोप लगाया कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर तैनात कुछ चिकित्सक एवं कर्मचारी मरीजों से अवैध वसूली करते हैं तथा निजी अस्पतालों से सांठगांठ कर मरीजों को वहां रेफर किया जाता है। ज्ञापन में सीएचसी परिसर की सफाई व्यवस्था को भी बदहाल बताते हुए तत्काल सुधार की मांग की गई।

भाकियू नेताओं का कहना है कि सकरन क्षेत्र में विभागीय अधिकारियों की कथित मिलीभगत से दो दर्जन से अधिक अवैध अस्पताल और नर्सिंग होम संचालित हो रहे हैं। उनका आरोप है कि बीते एक वर्ष में इन अस्पतालों में आठ से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है, इसके बावजूद संबंधित विभाग द्वारा प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। संगठन ने जिलाधिकारी से पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कराकर अवैध अस्पतालों पर तत्काल कार्रवाई, स्वास्थ्य सेवाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करने तथा दोषी अधिकारियों और कर्मचारियों के विरुद्ध कठोर कदम उठाने की मांग की है।

ज्ञापन सौंपने के दौरान प्रदीप सिंह चौहान (जिलाध्यक्ष, कांग्रेस), ओमकार नाथ मिश्रा (ब्लॉक अध्यक्ष, कांग्रेस कसमण्डा), एडवोकेट सुधीर कुम्भाणी (ब्लॉक अध्यक्ष, कांग्रेस सकरन), नीरज कुमार (सेक्रेटरी, कांग्रेस सकरन), सुशील राज (ब्लॉक अध्यक्ष, भाकियू सकरन), रामशंकर सिंह (जिलाध्यक्ष, भाकियू जनमंच सीतापुर), प्रमोद वर्मा, अहमद खां सहित बड़ी संख्या में किसान नेता एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। सीएचसी अधीक्षक डॉ. आनंद मित्रा ने बताया कि प्राप्त शिकायत की जांच कराई जाएगी और जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

अधूरे कूड़ाघर पर 4.13 लाख का भुगतान, ग्रामीणों ने डीएम से की जांच की मांग

संवाददाता

सकरन, सीतापुर। सीतापुर के विकास खंड सकरन की ग्राम पंचायत किरतापुर में कूड़ाघर निर्माण कार्य में कथित अनियमितताओं का मामला सामने आया है। ग्रामीणों का आरोप है कि निर्माण कार्य पूरा किए बिना ही प्रधान और सचिव ने चार लाख रुपये से अधिक की धनराशि का भुगतान करा लिया। मामले की शिकायत जिलाधिकारी से करते हुए, जांच कर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की गई है।

ग्रामीणों के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2025-26 में ग्राम पंचायत किरतापुर, जो ब्लॉक मुख्यालय से मात्र दो किलोमीटर की दूरी पर स्थित है, में कूड़ाघर निर्माण का प्रस्ताव स्वीकृत हुआ था। निर्माण कार्य के दौरान केवल दीवारें खड़ी कर तीन टीन शेड लगाने के लिए एंगल लगाए गए, लेकिन आज तक टीन शेड नहीं डाले गए। इसके अलावा फर्श, इंटरलॉकिंग, बाउंड्रीवाल सहित अन्य कार्य भी अधूरे पड़े हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि अधूरे निर्माण के बावजूद विभिन्न मदों में कुल 4 लाख 13 हजार 673 रुपये का भुगतान कर दिया गया। इसमें हैंडपंप, गेट एवं बाउंड्रीवाल निर्माण के नाम पर 2,63,387 रुपये, इंटरलॉकिंग निर्माण के लिए 52,421 रुपये, मिट्टी पटाई के लिए 66,384 रुपये तथा हैंडपंप स्थापना के नाम पर 31,482 रुपये निकाले गए।

ग्रामीणों का कहना है कि कूड़ाघर में न तो टीन शेड लगाया गया और न ही इंटरलॉकिंग कराई गई। फर्श नहीं बनने से परिसर में झाड़ियां उग आई हैं। वहीं लगाया गया हैंडपंप भी चालू होने से पहले ही खराब हो गया। इस संबंध में ग्रामीण उमेश कुमार, जितेंद्र कुमार, गुड्डू, बबलू सहित अन्य लोगों ने जिलाधिकारी को शिकायती पत्र देकर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। खंड विकास अधिकारी श्रीश कुमार गुप्ता ने बताया कि मामला उनके संज्ञान में नहीं था। शिकायत प्राप्त हुई है, जिसकी जांच कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

छात्र कल का नहीं अपितु आज का नागरिक है - विकास मौर्य

संवाददाता

लहरपुर सीतापुर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के स्थापना दिवस के अवसर पर लालपुर ईकाई के द्वारा सूर्य प्रताप इण्टर कॉलेज सुखदेव नगर गडौसा में एक संगोष्ठी का किया गया आयोजन। बृहस्पतिवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की लालपुर इकाई के द्वारा सूर्य प्रताप इण्टर कॉलेज सुखदेव नगर गडौसा में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया, इस मौके पर प्रवासी कार्यकर्ता राष्ट्रीय कलामंच प्रांत सह संयोजक विकास मौर्य ने छात्र छात्राओं को संबोधित करते हुए बताया कि छात्र कल का नहीं अपितु आज का नागरिक है। भारत के राष्ट्रीय जीवन में विद्यार्थियों की भूमिका केवल शिक्षा प्राप्त करने तक सीमित नहीं रही है, स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर सामाजिक जागरण, लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा,और राष्ट्रनिर्माण तक छात्रशक्ति ने समय-समय पर अपनी महत्वपूर्ण उपस्थिति दर्ज कराई है।

इसी छात्र शक्ति को संगठित, संस्कारित और राष्ट्रोन्मुख बनाने के उद्देश्य से 9 जुलाई 1949 को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की स्थापना हुई थी जिसके 78वें स्थापना दिवस के अवसर पर यह केवल एक संगठन की वर्षगांठ नहीं, बल्कि सात दशकों से अधिक समय से चल रहे, एक ऐसे छात्र आंदोलन का उत्सव है, जिसने शिक्षा, समाज और राष्ट्र के बीच सशक्त संवाद स्थापित करने का प्रयास किया है। इस अवसर पर नगर मंत्री शरद बाजपेई, कार्यक्रम संयोजक संजीव बाजपेई विद्यालय प्रधानाचार्य सोमेश प्रताप तिवारी सहित समस्त विद्यालय परिवार व छात्र छात्राएं उपस्थित थीं।

रात 6 बजे बोलीं 'घर पहुंच रही हूं', सुबह खेत किनारे मिली लाश

हरगांव, सीतापुर, संवाददाता। सीतापुर के हरगांव थाना क्षेत्र में गुरुवार सुबह एक महिला का शव मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। मृतका की पहचान रेनू देवी (40 वर्ष) के रूप में हुई है। प्रथम दृष्टया मामला हत्या का प्रतीत होने पर पुलिस ने जांच तेज कर दी है। घटनास्थल पर वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ फोरेंसिक टीम ने पहुंचकर साक्ष्य जुटाए। पुलिस हत्या के साथ लूट समेत सभी संभावित पहलुओं पर जांच कर रही है।

जानकारी के अनुसार, रेनू देवी पिछले लगभग दो वर्षों से हरगांव थाना क्षेत्र के ग्राम कैथाभारी में रक्षपाल सिंह के साथ रह रही थीं। परिजनों के मुताबिक, बुधवार शाम करीब छह बजे उन्होंने फोन पर घर पहुंचने की बात कही थी। इसके बाद उनका मोबाइल बंद हो गया और देर रात तक घर नहीं पहुंचने पर परिजन चिंतित हो गए। काफी तलाश के बावजूद उनका कोई पता नहीं चल सका। गुरुवार सुबह गांव की कुछ महिलाएं खेतों की ओर जा रही थीं। इसी दौरान उमाकांत पांडेय के खेत के पास खड़ंजे पर एक महिला का शव पड़ा दिखाई दिया। सूचना मिलते ही ग्रामीणों की भीड़ जुट गई और पुलिस को खबर दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल, क्षेत्राधिकारी नेहा त्रिपाठी, थाना पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची।

अधिकारियों ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य एकत्र किए। पुलिस के अनुसार, मृतका के गले पर चोट के निशान मिले हैं। इसके अलावा गले पर नाखून के निशान भी पाए गए हैं, जिससे संघर्ष की आशंका जताई जा रही है। वहीं मृतका का मोबाइल फोन और पैरों में पहनी चांदी की बिछिया गायब मिली है। इससे हत्या के बाद लूटपाट किए जाने की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा रहा है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि वारदात को अंजाम देने वाला कोई परिचित था या फिर महिला को सुनियोजित तरीके से निशाना बनाया गया। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। फोरेंसिक टीम द्वारा जुटाए गए साक्ष्यों और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

कोतवाली देहात पुलिस का डिजिटल वार, खोये मोबाइल किए बरामद

इमलिया सुल्तानपुर, सीतापुर, संवाददाता। कोतवाली देहात पुलिस एक बार फिर आमजन के भरोसे पर खरी उतरी है। पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल के कुशल निर्देशन में थाना कोतवाली देहात पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सीईआईआर पोर्टल की मदद से खोए हुए चार एंड्रॉयड मोबाइल फोन बरामद कर उनके वास्तविक स्वामियों को सौंप दिए। अपने कीमती मोबाइल वापस मिलने पर सभी लोगों के चेहरे खुशी से खिल उठे और उन्होंने सीतापुर पुलिस की कार्यशैली की खुलकर सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया।मोबाइल गुम होने की शिकायतें मिलने के बाद थाना कोतवाली देहात पुलिस टीम ने तकनीकी संसाधनों और सीईआईआर पोर्टल का प्रभावी उपयोग करते हुए कम समय में सभी मोबाइल ट्रेस कर बरामद कर लिए। बरामद मोबाइल फोन कुलदीप निवासी चौबा,जनेंद्र प्रताप सिंह निवासी नेपालापुर,अरुण निवासी बुद्ध बाजार रोड तथा मिंजर निवासी अंगरासी को विधिवत सुपुर्द किए गए।मोबाइल वापस मिलने पर लाभार्थियों ने कहा कि उन्हें उम्मीद नहीं थी कि उनका खोया हुआ !उन्होंने सीतापुर पुलिस की तत्परता, ईमानदार कार्यशैली और जनसेवा की भावना की प्रशंसा करते हुए धन्यवाद दिया।सीतापुर पुलिस लगातार तकनीक के बेहतर उपयोग के माध्यम से आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान करने का प्रयास कर रही है।

मोहम्मदपुर कला पंचायत में खड़ंजा मरम्मत के नाम पर लाखों के भ्रष्टाचार का आरोप, जांच की उठी मांग

पहला/सीतापुर, संवाददाता। जनपद सीतापुर विकास खंड पहला की ग्राम पंचायत मोहम्मदपुर कला एक बार फिर कथित भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर चर्चा में है। ग्रामीणों का आरोप है कि पंचायत में विकास कार्यों के नाम पर बड़े पैमाने पर वित्तीय अनियमितताएं की गई हैं। खड़ंजा मरम्मत, नाली निर्माण, नल रीबोर एवं मरम्मत कार्यों में सरकारी धन का दुरुपयोग कर लाखों रुपये का बंदरबांट किया गया है। ग्रामीणों के अनुसार, पिछले वर्ष अक्टूबर माह में यूनुस के घर से राजेंद्र की बाग तक खड़ंजा निर्माण एवं मरम्मत कार्य कराया गया था। आरोप है कि इस कार्य में ईंटों की खरीद के नाम पर लाखों रुपये का भुगतान दशार्या गया, जबकि मौके पर कार्य की गुणवत्ता और उपयोग की गई सामग्री भुगतान के अनुरूप दिखाई नहीं देती। ग्रामीणों का कहना है कि कागजों में भारी मात्रा में ईंटों का भुगतान दशार्या गया है, लेकिन धरातल पर उसका केवल कुछ प्रतिशत ही दिखाई देता है। इसके अलावा मनरेगा मजदूरी भुगतान को लेकर भी सवाल खड़े किए जा रहे हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार रवि कुमार पुत्र सुरेंद्र कुमार के नाम पर दो किस्तों में 70 हजार रुपये से अधिक का मजदूरी भुगतान किया गया। ग्रामीणों का आरोप है कि एक ही व्यक्ति के नाम पर इतनी बड़ी धनराशि का भुगतान कई संदेह पैदा करता है, जिसकी निष्पक्ष जांच आवश्यक है। ग्रामीणों का यह भी आरोप है कि ग्राम पंचायत में नाली निर्माण, खड़ंजा निर्माण, नल रीबोर और मरम्मत कार्यों में भी बड़े पैमाने पर अनियमितताएं हुई हैं। उनका कहना है कि यदि पूरे मामले की निष्पक्ष एवं गहन जांच कराई जाए तो कई वित्तीय गड़बड़ियां सामने आ सकती हैं और जिम्मेदार लोगों की भूमिका उजागर हो सकती है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और संबंधित विभाग के अधिकारियों से मांग की है कि पूरे प्रकरण की तकनीकी एवं वित्तीय जांच कराकर दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए, ताकि सरकारी धन के दुरुपयोग पर रोक लग सके।

रोडवेज बस ट्रक से टकराई, चालक घायल

हरगांव, सीतापुर, संवाददाता। सीतापुर-लखीमपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर गुरुवार को एक बड़ा सड़क हादसा होते-होते टल गया। हरगांव थाना क्षेत्र के कल्याणपुर गांव के सामने तेज रफ्तार रोडवेज बस आगे चल रहे ट्रक से जा भिड़ी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बस का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के बाद बस में सवार यात्रियों में चीख-पुकार मच गई और मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दुर्घटना की आवाज सुनकर आसपास के लोग तुरंत मौके पर पहुंच गए और बस में बैठे यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकालने में मदद की। सूचना मिलते ही हरगांव पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और स्थिति को संभाला। हादसे में बस चालक अजय कुमार, निवासी ग्राम सुंसी, जनपद लखीमपुर खीरी, घायल हो गए। उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद ओयल ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया, जहां उपचार के बाद उनकी स्थिति खतरे से बाहर बताई गई। राहत की बात यह रही कि बस में सवार सभी यात्री पूरी तरह सुरक्षित रहे और किसी यात्री को गंभीर चोट नहीं आई। दुर्घटना के कारण कुछ समय के लिए हाईवे पर यातायात प्रभावित रहा। पुलिस ने क्षतिग्रस्त बस को सड़क किनारे हटवाकर यातायात सुचारु कराया। करीब आधे घंटे बाद यात्रियों को दूसरे वाहन की व्यवस्था कर उनके गंतव्य के लिए रवाना कर दिया गया। हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश में जुट गई है। थाना प्रभारी आनंद नारायण त्रिपाठी ने बताया कि मामले में अभी तक कोई तहरीर प्राप्त नहीं हुई है। तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज कर नियमानुसार विधिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों और अन्य साक्ष्यों के आधार पर फरार ट्रक की पहचान करने का प्रयास कर रही है।

शून्य रही डग्गामार बसों पर कार्यवाही, 8 सीएनजी रिक्शा व एक पिकअप सीज

लहरपुर सीतापुर, संवाददाता। तहसील क्षेत्र से संचालित होने वाली दिल्ली, पानीपत, लखनऊ व कानपुर की डग्गामार बसों के विरुद्ध प्रकाशित खबर का हुआ असर, उप संभागीय परिवहन अधिकारी के द्वारा क्षेत्र में चलाया गया जांच अभियान, डग्गामार बसों के स्थान पर सीएनजी रिक्शा व एक पिकअप के विरुद्ध की गई कार्यवाही।

बृहस्पतिवार को उप सहायक संभागीय अधिकारी सर्वेश चतुर्वेदी व टीम के द्वारा नगर क्षेत्र में सघन जांच अभियान चलाकर आठ सीएनजी रिक्शा एवं एक पिकअप को कोतवाली में सीज कराया गया। ज्ञातव्य है कि प्राइवेट बस ऑपरेटर वेलफेयर एसोसिएशन के द्वारा बुधवार को उप जिलाधिकारी को ज्ञापन देकर तंबौर व नगर से पानीपत, दिल्ली, कानपुर, लखनऊ आदि स्थानों के लिए प्रतिदिन शाम को संचालित होने वाली डग्गामार बसों के विरुद्ध कार्यवाही किए जाने की मांग की गई थी। बृहस्पतिवार को डग्गामार बसो के विरुद्ध परिवहन विभाग की कार्यवाही तो शून्य रही लेकिन जांच के नाम पर सीएनजी रिक्शा एवं एक पिकअप के विरुद्ध कार्यवाही कर कोतवाली लाकर सीज कराया गया।

कमीशन लेने के बाद भी अटका मनरेगा का करोड़ों का भुगतान, प्रधानों ने ब्लॉक प्रशासन पर लगाए आरोप

संवाददाता

सकरन, सीतापुर। विकास खंड सकरन में मनरेगा के वर्ष 2024-25 के मैटेरियल एवं मजदूरी भुगतान को लेकर एक बार फिर विवाद खड़ा हो गया है। प्रधानों ने आरोप लगाया है कि भुगतान से पहले कमीशन के नाम पर मोटी रकम वसूली गई, लेकिन इसके बावजूद करोड़ों रुपये का बकाया भुगतान आज तक नहीं हो सका। भुगतान न मिलने से प्रधान और सप्लायर लगातार ब्लॉक कार्यालय के चक्कर लगाने को मजबूर हैं। जानकारी के अनुसार, वर्ष 2024-25 का लगभग 3 करोड़ 39 लाख रुपये का बकाया भुगतान 18 जून को जारी हुआ था।

आरोप है कि मनरेगा सेल में कंप्यूटर संचालन कर रहे रोजगार सेवक सुनीत ने 44 एफटीओ के माध्यम से करीब 3 करोड़ 61 लाख रुपये का भुगतान कर दिया, जिससे लगभग 22 लाख रुपये का अधिक भुगतान हो गया। इसके बाद 1 जुलाई तक विभिन्न ग्राम पंचायतों में भुगतान चलता रहा, लेकिन उसी दिन अचानक पूरा भुगतान रिजेक्ट कर दिया गया। प्रधानों का आरोप है कि मनरेगा सेल में कंप्यूटर ऑपरेटर के पद पर मो. फैक की तैनाती होने के बावजूद उनसे कार्य न कराकर ग्राम पंचायत में तैनात रोजगार सेवक सुनीत से भुगतान संबंधी कार्य कराया गया। इसी दौरान वर्ष 2024-25 के साथ-साथ वर्ष 2023-24 का बकाया भुगतान भी जोड़ दिया गया, जिसके चलते पूरी भुगतान प्रक्रिया गड़बड़ा गई और सभी एफटीओ रिजेक्ट हो गए। भुगतान में कथित अनियमितताओं को लेकर 19 जून को प्रधान संघ अध्यक्ष सुंदरलाल तिवारी के नेतृत्व में प्रधानों ने एडीओ पंचायत को ज्ञापन भी सौंपा था। प्रधानों का कहना है कि शिकायत के बावजूद जिम्मेदार अधिकारियों ने मामले को गंभीरता से नहीं लिया, जिससे आज तक समस्या का समाधान नहीं हो सका।

प्रधान संघ अध्यक्ष सुंदरलाल तिवारी सहित प्रधान ब्रजेश, जलीश, राहुल एवं अन्य जनप्रतिनिधियों ने आरोप लगाया कि भुगतान जारी होने से पहले ही कमीशन के रूप में मोटी रकम वसूल ली गई थी, लेकिन इसके बावजूद भुगतान अटक गया। उनका कहना है कि कई दिनों से प्रधान और सप्लायर भुगतान के लिए ब्लॉक कार्यालय के चक्कर काट रहे हैं, जबकि जिम्मेदार अधिकारी कोई ठोस जवाब नहीं दे रहे हैं।

तेज रफ्तार ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार दो घायल, प्राथमिकी दर्ज

लहरपुर सीतापुर, संवाददाता। कोतवाली क्षेत्र की भदफर चौकी अंतर्गत ग्राम खनियापुर के निकट एक एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर चालक ने बाइक को मारी टक्कर, दो लोग गंभीर रूप से घायल पुलिस ने दर्ज की प्राथमिकी। लालजी बाजपेई पुत्र ओम प्रकाश बाजपेई निवासी ग्राम मजगई मजरा भेडरहिया थाना ईसानगर जिला खीरी ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर प्राथमिकी दर्ज कराई है कि, विगत रविवार को उसके पिता ओमप्रकाश बाजपेई लखीमपुर खीरी से उसकी भतीजी अर्चना के साथ मोटरसाइकिल से वापस घर जा रहे थे तभी भदफर खनियापुर के निकट सामने से आ रहे ट्रैक्टर चालक ने तेजी व लापरवाही से ट्रैक्टर चलाते हुए उसके पिता की मोटरसाइकिल में जोरदार टक्कर मार दी जिससे मोटरसाइकिल क्षतिग्रस्त हो गई और मोटरसाइकिल पर सवार उसके पिता का दाहिना पैर टूट गया और पूरे शरीर में चोटें आई है साथ ही मोटरसाइकिल पर सवार भतीजी अर्चना का सिर भी फट गया और काफी चोटें आई है।

मिश्रिख दधीचि कुंड में हजारों मछलियों की मौत

संवाददाता

मिश्रिख, सीतापुर जनपद सीतापुर के मिश्रिख नगर स्थित महर्षि दधीचि कुंड में गुरुवार सुबह हजारों मछलियां मृत पाई गईं। इस घटना से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। सुबह टहलने निकले लोगों ने कुंड में बड़ी संख्या में मृत मछलियों को तैरते देखा, जिसके बाद उन्होंने वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर साझा कर दिए। यह वीडियो तेजी से वायरल हो गया,जिससे स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं में चिंता फैल गई। तीर्थ के पुजारी राहुल शर्मा ने बताया कि कुंड में मछलियों के मरने की समस्या कई वर्षों से चली आ रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशासन समय पर प्रभावी व्यवस्था नहीं की, जिसके कारण हर साल पहली बारिश के बाद बड़ी संख्या में मछलियां मरने लगती हैं। शर्मा के अनुसार, जल की समय पर सफाई और उचित प्रबंधन से इस स्थिति को रोका जा सकता है।

स्थानीय निवासी सोमनाथ ने भी इस बात की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि महर्षि दधीचि कुंड की नियमित साफ-सफाई न होने के कारण बरसात के मौसम में हर वर्ष ऐसी स्थिति बनती है। उन्होंने यह भी कहा कि कुंड का मुख्य कारण बताया जा रहा है। घटना की जानकारी मिलते ही प्रशासन हरकत में आया। उपजिलाधिकारी अभिनव यादव ने बताया कि कुंड में चूना और पोटाश डलवा दिया गया है। उन्होंने कहा कि मछलियों को बचाने के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं और संबंधित विभाग को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश भी दिए गए हैं।

सिधौली-महमूदाबाद मार्ग पर दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत, चार घायल

सिधौली, सीतापुर, संवाददाता। सिधौली-महमूदाबाद मार्ग पर गुरुवार पूर्वाह्न दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने हुई जोरदार टक्कर में चार लोग घायल हो गए। हादसा बंदरिया बाजार से असनिया जाने वाले मार्ग पर सतनापुर गांव के निकट हुआ। सूचना पर पहुंची एम्बुलेंस ने सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) सिधौली पहुंचाया, जहां उनका उपचार चल रहा है। जानकारी के अनुसार, गुरुवार करीब 11 बजे एक मोटरसाइकिल पर चार लोग सवार होकर जा रहे थे, जबकि दूसरी मोटरसाइकिल पर दो युवक सवार थे। सतनापुर के पास दोनों बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि एक बाइक पर सवार तीन लोग तथा दूसरी बाइक पर सवार एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में असनिया, थाना अटरिया निवासी पवन (20) पुत्र गजराज, सतनापुर, थाना अटरिया निवासी पप्पू (50) पुत्र श्याम, रवि (22) पुत्र जयपाल तथा आलोक (24) पुत्र लल्ला शामिल हैं।

लकड़ी लदी पिकअप व ट्रैक्टर ट्रॉली पर कार्यवाही, 40 हजार वसूला जुर्माना

लहरपुर सीतापुर, संवाददाता। क्षेत्रीय वन अधिकारी अभिषेक सिंह,के नेतृत्व में वन विभाग की टीम ने जांच के दौरान लकड़ी से लदी एक पिकअप व एक ट्रैक्टर ट्राली को कब्जे में लेकर की कार्यवाही। अवैध लकड़ी कटान पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे सघन चेकिंग अभियान के दौरान स्थानीय शारदा सहायक नहर रेगुलेटर पुल के निकट एक पिकअप को रोककर जांच की गई। जांच के दौरान वाहन में लगभग 30 कुंतल अर्जुन का गोल प्रकाष्ठ लदा हुआ पाया गया, जिसके संबंध में चालक द्वारा कोई वैध प्रपत्र या अनुमति प्रपत्र प्रस्तुत न करने पर उसे कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई की गई।

वन क्षेत्राधिकारी अभिषेक सिंह ने बताया कि वन रेंज में अवैध रूप से आने वाली प्रकाष्ठ पर प्रभावी रोक लगाने के लिए जांच अभियान चलाया जा रहा है, उन्होंने बताया कि वन विभाग द्वारा चलाए जा रहे जांच अभियान के दौरान लहरपुर गेट पर एक अन्य ट्रैक्टर ट्राली जिस पर शीशम वजन लगभग 25 कुंतल लदा था जो तहलाव पुत्र सलीम निवासी ग्राम तारनपुर व रहीस पुत्र बदलू निवासी पिपरा खुर्द के द्वारा लाया जा रहा था उनके विरुद्ध कार्यवाही करते हुए ?40000 का जुमार्ना वसूला गया। वन अधिकारी अभिषेक सिंह ने आमजन से अपील की है कि किसी भी प्रकार की अवैध कटान अथवा वन उपज के अवैध परिवहन की सूचना तत्काल वन विभाग को उपलब्ध कराएं, जिससे वन एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रयासों को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके।

पहली झमाझम बारिश बनी किसानों के लिए वरदान, लेकिन खुल गई सड़कों की पोल; कई मार्ग बने नदी, राहगीरों की बढ़ी मुश्किलें

● देहली बाजार से लेकर बल्दीराय तक जलभराव और गड्ढों ने बढ़ाई परेशानी, धान की रोपाई को मिली नई रफ्तार

सुल्तानपुर

बल्दीराय तहसील क्षेत्र में बृहस्पतिवार की शाम हुई झमाझम बारिश ने जहां भीषण गर्मी से लोगों को राहत दिलाई, वहीं किसानों के चेहरे भी खिल उठे। देहली बाजार, बघौना, बहुरांवा, गोविंदपुर, बीही, निदूरा सहित आसपास के गांवों में अच्छी बारिश होने से मौसम सुहाना हो गया। किसानों का कहना है कि यह वर्षा धान की रोपाई के लिए किसी वरदान से कम नहीं है और अब खेतों में रोपाई का कार्य तेजी से शुरू होगा। हालांकि, बारिश की पहली फुहार ने ही क्षेत्र की जर्जर सड़कों की हकीकत भी उजागर कर दी। देहली-वलीपुर संपर्क मार्ग पर लंगड़ी गांव के पास सड़क पूरी तरह गड्ढों में तब्दील हो गई। बारिश का पानी भरने से सड़क तालाब जैसी दिखाई देने लगी, जिससे स्कूली बच्चों, बुजुर्गों और दोपहिया वाहन चालकों का आवागमन बेहद कठिन हो गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि आए दिन इस मार्ग पर दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है, लेकिन जिम्मेदार विभाग अब तक मरम्मत नहीं करा सका। उधर, बल्दीराय बाजार से लेकर पारा बाजार तक सड़क की हालत भी बेहद खराब है। जगह-जगह बड़े गड्ढों में पानी भर जाने से वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। कई स्थानों पर सड़क और गड्ढे में अंतर करना मुश्किल हो गया, जिससे हादसे की आशंका बढ़ गई है। बारिश ने एक ओर किसानों को राहत दी है तो दूसरी ओर विकास कार्यों की पोल भी खोल दी है। ग्रामीणों ने लोक निर्माण विभाग से क्षतिग्रस्त सड़कों की तत्काल मरम्मत कराने की मांग की है, ताकि बरसात के पूरे मौसम में लोगों को सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिल सके। फिलहाल, मानसून की इस पहली अच्छी बारिश ने खेती-किसानी को नई उम्मीद दी है, लेकिन जर्जर सड़कें प्रशासन के लिए बड़ा सवाल बनकर खड़ी हो गई हैं। अब देखना होगा कि जिम्मेदार विभाग किसानों की खुशी के साथ-साथ आम लोगों की परेशानी भी कब दूर करता है।

बघौना से लंगड़ी बाजार तक सड़क बदहाल, गड्ढों में तब्दील मार्ग पर रोज़ जोखिम उठाकर स्कूल जा रहे हजारों बच्चे

⇨ क्षेत्रीय लोगों में आक्रोश, कई बार उठ चुका है सड़क का मुद्दा, फिर भी मरम्मत का इंतजार

बल्दीराय (सुल्तानपुर):- बल्दीराय क्षेत्र में वलीपुर से देहली बाजार को जोड़ने वाली सड़क का बघौना बाजार से लंगड़ी बाजार तक का हिस्सा पूरी तरह जर्जर हो चुका है। सड़क जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढों में तब्दील हो गई है, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को रोज़ भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लंगड़ी बाजार में कई विद्यालय होने के कारण प्रतिदिन हजारों स्कूली बच्चे इसी मार्ग से स्कूल आते-जाते हैं। खराब सड़क की वजह से आए दिन बच्चे फिसलकर चोटिल हो जाते हैं। विशेषकर छात्राओं को भी आवागमन के दौरान कठिनाइयों और असहज परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि विभागीय उदासीनता के चलते लंबे समय से इस सड़क की मरम्मत नहीं कराई गई है। उनका कहना है कि इसौली विधानसभा के विधायक मोहम्मद ताहिर खान ने भी इस सड़क का मुद्दा कई बार विधानसभा में उठाया, लेकिन अब तक सड़क निर्माण या मरम्मत की दिशा में कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। क्षेत्रवासियों ने संबंधित विभाग और शासन से मांग की है कि जनहित को देखते हुए इस सड़क की तत्काल मरम्मत कराई जाए, ताकि स्कूली बच्चों, ग्रामीणों और अन्य राहगीरों को सुरक्षित एवं सुगम आवागमन की सुविधा मिल सके।

फरिश्ता बन पानी में डूब रहे युवक को एनडीआरएफ की पेट्रोलिंग टीम ने बचाया, मिली नई जान।

वाराणसी

वाराणसी। वाराणसी के दांडी घाट पर गुरुवार की सुबह बड़ा हादसा होने से बच गया। 11वीं वाहिनी एनडीआरएफ की पिकेट एवं पेट्रोलिंग ड्यूटी पर तैनात जवानों की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई से एक युवक की जान को बचाया गया। स्नान के दौरान गहरे पानी में डूब रहे युवक को एनडीआरएफ की टीम ने कुछ ही मिनटों में सुरक्षित बाहर निकाल लिया। जानकारी के अनुसार, एनडीआरएफ की टीम सुबह लगभग 7:30 बजे दांडी घाट पर पिकेट एवं पेट्रोलिंग ड्यूटी पर तैनात थी। इसी दौरान टीम ने एक युवक को स्नान करते समय गहरे पानी में डूबते देखा। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए बचाव अभियान को बिना विलंब किए नदी में छलांग लगाई और रेस्क्यू अभियान शुरू किया। जवानों ने बेहद तेजी और सूझबूझ का परिचय देते हुए डूब रहे युवक को पानी के भीतर ही संभाल लिया और सुरक्षित तरीके से खींचते हुए घाट पर ले आए। इस सफल रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद एनडीआरएफ के उप महानिरीक्षक मनोज कुमार शर्मा ने आम जनता और काशी आने वाले श्रद्धालुओं से जल सुरक्षा नियमों का कड़ाई से पालन करने की अपील की है। उन्होंने विशेष रूप से सचेत करते हुए कहा कि मानसून के मौसम में गंगा नदी का जलस्तर और जलधाराओं का वेग अप्रत्याशित रूप से बढ़ जाता है। ऐसे में जागरूकता और सतर्कता ही डूबने की घटनाओं को रोकने का सबसे प्रभावी जरिया है। एनडीआरएफ हमेशा जनता की सुरक्षा और आपदा प्रबंधन के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ मुस्तैद है।

वीरांगना अवंती बाई ने देश रक्षा व आजादी के लिए सर्वस्व किया न्योछावर

बांदा। मुख्यमंत्री ने भव्य समारोह के बीच शहर के कालू कुआं चौराहा पर वीरांगना अवंती बाई की विशाल प्रतिमा का अनावरण किया। उन्होंने वीरांगना की प्रतिमा को नमन करते हुए श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए श्रद्धांजलि दी। कहा कि वीरांगना ने देश और आजादी की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। उनका बलिदान और त्याग आज भी देशवासियों के लिए प्रेरणास्रोत है। शहर के कालू कुआं चौराहा पर स्थापित वीरांगना अंवतीबाई की विशाल प्रतिमा का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को भव्य समारोह के बीच अनावरण किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि लगभग तीन वर्ष पहले भी उन्हें जिले में दो महत्वपूर्ण प्रतिमाओं के अनावरण का अवसर मिला था। आज वीरांगना अवंती बाई की प्रतिमा के अनावरण गौरवशाली परंपरा आगे बढ़ी है। उन्होंने कहा कि जिले में डेवलपमेंट प्लान, विकसित होती सड़कें और अन्य विकास कार्य इस बात का प्रमाण हैं कि योजनाबद्ध विकास किस प्रकार किसी शहर की पहचान बदल सकता है। उन्होंने 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम का उल्लेख करते हुए कहा कि उस समय पूरे देश में आजादी की प्रबल इच्छा थी। बैरकपुर में मंगल पांडेय ने क्रांति की चिंगारी जलाई। मेरठ में धन सिंह गुर्जर ने उसका नेतृत्व किया। कानपुर के बिठूर में तात्या टोपे ने उसे आगे बढ़ाया और झांसी में महारानी लक्ष्मीबाई ने वीरता का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत किया। इसी महान परंपरा में वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी ने भी राष्ट्रधर्म को सर्वोपरि मानते हुए मातृभूमि की रक्षा के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया। वह आज भले ही हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन वीरांगना का साहस, संघर्ष और बलिदान आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव प्रेरणा का स्रोत बना रहेगा। मुख्यमंत्री ने प्रतिमा स्थापना से जुड़े सभी लोगों का अभिनंदन करते हुए कहा कि ऐसे प्रयास समाज में राष्ट्रनायकों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता की भावना को मजबूत करते हैं। इस अवसर पर जिले के प्रभारी मंत्री प्रभारी मंत्री दिनेश प्रताप सिंह, जलशक्ति मंत्री रामकेश निषाद, लोक निर्माण मंत्री कुंवर बृजेश सिंह, सदर विधायक प्रकाश द्विवेदी, नरैनी विधायक ओममणि वर्मा, एमएलसी बाबूलाल, एमएलसी जितेंद्र सिंह सेंगर, नगर पालिका चेयरमैन मालती गुप्ता बासू, भाजपा जिलाध्यक्ष कल्लू सिंह राजपूत सहित गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

पुलिस व एसओजी की संयुक्त टीम ने एक शातिर चोर को किया गिरफ्तार, कई थानों में नामजद।

वाराणसी

वाराणसी। पुलिस आयुक्त के निर्देश पर अपराधियों की गिरफ्तारी और चोरी की घटनाओं के खुलासे के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत डीसीपी वरुणा जोन के निर्देशन एवं एसीपी सारनाथ के नेतृत्व में थाना सारनाथ पुलिस व एसओजी की संयुक्त टीम ने मुखबिर की सूचना पर एक शातिर चोर चित्रांश खरवार उर्फ चीकू (20) पुत्र बृजेश खरवार निवासी रसूलगढ़ पंचकोशी, थाना सारनाथ को फरीदपुर अंडरपास से गुरुवार को गिरफ्तार किया हैं। आरोपी के कब्जे से पीली व सफेद धातु के बिस्किट, एक सोनी डीएसएलआर कैमरा तथा 67 हजार रुपए नकद बरामद किए। पुलिस के अनुसार आरोपी की गिरफ्तारी से थाना सारनाथ में दर्ज तीन चोरी के मुकदमों का खुलासा हुआ है। इनमें आशापुर, बेनीपुर बैंक कॉलोनी और पुराना आरटीओ क्षेत्र स्थित मकानों में ताला तोड़कर कैमरा, जेवरात, नकदी एवं अन्य कीमती सामान चोरी करने की घटनाएं शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक आरोपी एक शातिर अपराधी है और उसके खिलाफ वाराणसी के चेतगंज, सिगरा, चितईपुर, लालपुर- पांडेयपुर, सारनाथ और जैतपुरा सहित विभिन्न थानों में चोरी और चोरी के माल की खरीद-फरोख्त से जुड़े 19 मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस आरोपी से गहन पूछताछ कर अन्य मामलों में भी जानकारी जुटा रही है। गिरफ्तारी और बरामदगी की कार्रवाई में थाना सारनाथ थानाध्यक्ष पंकज कुमार त्रिपाठी के नेतृत्व में उपनिरीक्षक जितेंद्र पाल सिंह, उपनिरीक्षक अनुज कुमार सहित थाना पुलिस और एसओजी टीम के प्रभारी उपनिरीक्षक गौरव कुमार सिंह व उनकी टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

सुरक्षित मातृत्व अभियान का आयोजन, 76 गर्भवती महिलाओं की जांच, 25 को मिला निःशुल्क अल्ट्रासाउंड

❑ खून की कमी से जूझ रहीं 10 गर्भवतियों को लगाए गए आयरन इंजेक्शन, अधीक्षक डॉ. राजेश कुमार ने व्यवस्थाओं का लिया जायजा

सुल्तानपुर

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत गुरुवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) बल्दीराय में विशेष स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया गया। अभियान का उद्देश्य गर्भवती महिलाओं को समय पर गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना, उच्च जोखिम वाली गर्भावस्थाओं की पहचान करना तथा सुरक्षित प्रसव सुनिश्चित करना है। मेले में बड़ी संख्या में पहुंचीं गर्भवती महिलाओं का विशेषज्ञ चिकित्सकों की देखरेख में निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा आवश्यकता अनुसार जांच और उपचार की सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं। दोपहर करीब 1:30 बजे तक कुल 76 गर्भवती महिलाओं का पंजीकरण किया गया। सभी महिलाओं की नियमित प्रसव पूर्व जांच (एएनसी) की गई, जिसमें रक्तचाप, वजन, हीमोग्लोबिन सहित अन्य आवश्यक स्वास्थ्य परीक्षण शामिल रहे। जांच के दौरान 25 जरूरतमंद गर्भवती महिलाओं को निःशुल्क अल्ट्रासाउंड की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई, जिससे गर्भस्थ शिशु एवं मां के स्वास्थ्य की बेहतर निगरानी की जा सके। स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान 10 गर्भवती महिलाओं में खून की कमी (एनीमिया) पाई गई। चिकित्सकों ने उन्हें तत्काल आयरन इंजेक्शन उपलब्ध कराते हुए संतुलित आहार, नियमित दवा सेवन और समय-समय पर जांच कराने की सलाह दी। कार्यक्रम के दौरान सीएचसी अधीक्षक डॉ. राजेश कुमार ने स्वास्थ्य मेले का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक गर्भवती महिला की पूरी गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ जांच की जाए तथा किसी भी उच्च जोखिम वाली गर्भावस्था की तुरंत पहचान कर आवश्यक उपचार और रेफरल की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। डॉ. राजेश कुमार ने बताया कि प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के अंतर्गत प्रत्येक माह की 1, 9, 16 और 24 तारीख को विशेष स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया जाता है। इस अभियान के तहत गर्भवती महिलाओं को निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण, आवश्यक लैब जांच, परामर्श, दवाएं तथा जरूरत पड़ने पर निःशुल्क अल्ट्रासाउंड की सुविधा प्रदान की जाती है। उन्होंने सभी गर्भवती महिलाओं से अपील की कि वे नियमित रूप से प्रसव पूर्व जांच कराएं ताकि मां और शिशु दोनों का स्वास्थ्य सुरक्षित रह सके। इस अवसर पर स्टाफ नर्स दीपमाला, सरिता, आजाद कुमार, लैब टेक्नीशियन राजीव त्रिपाठी सहित सीएचसी का अन्य स्वास्थ्य स्टाफ मौजूद रहा और सभी ने महिलाओं को स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक जानकारी एवं परामर्श प्रदान किया।

घर के अंदर फंदे से लटका मिला युवती का शव, फॉरेंसिक टीम ने जुटाए साक्ष्य

सुल्तानपुर(ब्यूरो)कुड़वार थाना क्षेत्र के भगवानपुर गांव में 18 वर्षीय युवती का शव घर के अंदर फंदे से लटका मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना की गंभीरता को देखते हुए सीओ सिटी फॉरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए।मृतका की पहचान कल्पना (18) पुत्री गोकुल प्रजापति निवासी भगवानपुर के रूप में हुई है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार युवती ने घर के अंदर संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगा ली। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया और उन्होंने पुलिस को सूचना दी।पुलिस ने बताया कि आत्महत्या के पीछे का कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं हो सका है। मामले के हर पहलू की जांच की जा रही है। परिजनों और आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के निष्कर्षों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

जनता दर्शन में फरियादियों की फरियाद सुनकर डीएम ने तत्काल कार्रवाई के दिए निर्देश।

वाराणसी

वाराणसी। जिलाधिकारी सत्येन्द्र कुमार ने कलेक्ट्रेट में आए जनता दर्शन में फरियादियों की फरियाद को गंभीरतापूर्वक सुनकर संबंधित अधिकारियों को तत्काल निस्तारण करने का निर्देश दिया। अधिकारियों को निर्देशित करते हुए सत्येन्द्र कुमार ने कहा कि हर पीड़ित व्यक्ति की समस्या पर संवेदनशीलता पूर्वक ध्यान देते हुए समयबद्ध व पारदर्शी ढ़ग से निस्तारण सुनिश्चित कराए, ताकि फरियादी को बार-बार जनपद व तहसील मुख्यालय के चक्कर न लगाने पड़े। सतेंद्र कुमार ने कहा कि निस्तारण की गहनता पूरी तरह से सही होना चाहिए। गलत रिपोर्ट लगाने पर सम्बन्धित के विरूद्ध कार्यवाही की जायेगी। जिलाधिकारी ने फरियादियों की शिकायतों को गम्भीरतापूर्वक देखते हुए शिकायतों को गुणवत्तापरक समय-सीमा के अन्दर निस्तारण करने का अधिकारियों को निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने समस्त विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिया कि अपने-अपने विभागों में 10 से 12 बजे तक उपस्थित रहकर फरियादियों की शिकायतों को सुने और गम्भीर समस्याओं को मौके पर जाकर निस्तारण कराए। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि फरियादियों की शिकायतों को निस्तारण करने में लापरवाही न बरते, अन्यथा कार्यवाही की जायेगी। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिया की आईजीआरएस पोर्टल को प्रतिदिन देखे और लम्बित शिकायतों को अधिकारी स्वयं बात कर तत्काल निस्तारण करें।

चित्रकूटधाम मंडल के बासमती चावल का जीआई टैग कराने की मांग

बांदा। बुंदेलखंड के चित्रकूटधाम मंडल में बासमती चावल को जीआई टैग दिलाने की मांग काफी समय से उठ रही है। बासमती उत्पादक किसानों को इसका सीधा लाभ दिलाने के लिए राजनैतिक स्तर पर भी मुखर आवाज उठाई गई है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री को सहकारी क्रय-विक्रय समिति अध्यक्ष ने ज्ञापन सौंपकर चित्रकूटधाम मंडल के बासमती चावल को जीआई टैग कराने की मांग की है। सहकारी क्रय-विक्रय समिति अध्यक्ष व भाजपा पूर्व जिला उपाध्यक्ष डा.धर्मेंद्र त्रिपाठी ने गुरुवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को लखनऊ जाते समय पुलिस लाइन ग्राउंड में बनाए गए हेलीपैड में ज्ञापन सौंपा। इसमें कहा है कि बुंदेलखंड के चित्रकूटधाम मंडल में किसान हर साल लगभग तीन लाख टन बासमती (1121 व 1718) चावल का उत्पादन करते हैं। यहां के बासमती चावल की मांग न केवल भारत में बल्कि विश्व भर में है। किसानों द्वारा उगाई गई बासमती चावल की गुणवत्ता और सुगंध उत्कृष्ट है।

किन्नर ने युवक पर शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण का लगाया आरोप, पुलिस जांच में जुटी।

वाराणसी

वाराणसी। लालपुर-पांडेयपुर थाना क्षेत्र में एक किन्नर ने हुकुलगंज निवासी युवक पर शादी का झांसा देकर चार वर्षों तक शारीरिक और आर्थिक शोषण करने का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। पीड़िता के अनुसार, उसकी मुलाकात हुकुलगंज निवासी अंकित कुमार यादव से हुई थी। आरोप है कि युवक ने पहले कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर उसे बेहोश कर दिया और उसके साथ दुष्कर्म किया। विरोध करने पर मंदिर में शादी करने तथा जीवनभर साथ निभाने का भरोसा देकर उसे अपने झांसे में ले लिया। आरोप है कि आरोपी ने विश्वास जीतने के बाद आर्थिक शोषण भी शुरू कर दिया। उसने अपने बड़े भाई की शादी का हवाला देकर करीब 4.50 लाख रुपए उधार लिए, जिन्हें वापस नहीं किया। इसके अलावा विभिन्न कार्यों के बहाने भी कई हजार रुपए लिए। पीड़िता ने बताया कि 20 मई की रात आरोपी ने प्रसाद के नाम पर लड्डू खिलाया, जिसे खाने के बाद वह अचेत हो गई। होश आने पर आरोपी घर से फरार था। जांच करने पर अलमारी में रखे करीब पांच लाख रुपए नकद तथा सोने-चांदी के लाखों रुपए मूल्य के आभूषण गायब मिले। पीड़िता ने आरोप लगाया कि घटना के बाद आरोपी ने उसे मोबाइल और सोशल मीडिया के सभी प्लेटफॉर्म पर ब्लॉक कर दिया। शिकायत करने पर आरोपी और उसके परिजनों ने अभद्र व्यवहार किया। साथ ही आरोपी अश्लील फोटो और वीडियो वायरल करने तथा शिकायत वापस न लेने पर जान से मारने की धमकी दे रहा है। लालपुर-पांडेयपुर थाना पुलिस ने पीड़िता की शिकायत के आधार पर आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में एफआईआर दर्ज कर ली है। पुलिस का कहना है कि आरोपी की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है और मामले की गहनता से जांच की जा रही हैं।

पलायन और प्यास की पहचान से बाहर निकला बुंदेलखंड, अब शजर पत्थर बढ़ा रहा शान

➢ सीएम योगी ने सपा और कांग्रेस पर लगाया सनातन व हिंदू संस्कृति का अपमान करने का आरोप ➢ नौ साल पहले के बुंदेलखंड की दुर्दशा का जिक्र कर किया सही जनप्रतिनिधि चुनने का आह्वान

बांदा। सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शहर के पं.जेएन महाविद्यालय मैदान में विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए पिछले नौ साल पहले के बुंदेलखंड की दुर्दशा का जिक्र करते हुए कहा कि जब अच्छे जनप्रतिनिधि चुनकर संसद और विधानसभा में पहुंचेंगे तभी क्षेत्र का बेहतर विकास हो सकेगा। उन्होंने कहा कि नौ साल पहले जब वह पहली बार बांदा आए थे तब यह क्षेत्र पिछड़ेपन के पर्याय के रूप में जाना जाता था। कहा कि डबल इंजन की सरकार में अब बुंदेलखंड पलायन और प्यास की पहचान से बाहर निकला है और यहां के जनप्रतिनिधियों की प्रभावी पैरवी से विकास के नए आयाम रच रहा है। गुरुवार को सीएम योगी का उड़नखटोला जब बांदा के आसमान पर मडराया तो पं.जेएन डिग्री कालेज मैदान में मौजूद हजारों की भीड़ की खुशी का ठिकाना न रहा। समूचा पंडाल जयश्रीराम और वंदेमातरम के जयघोष से गूंज उठा। सीएम योगी का काफिला पुलिस लाइन स्थित हेलीपैड से निकलकर सीधे शहर के कालूकुआं चौराहे पर पहुंचा, जहां उन्होंने रानी अवंतीबाई की प्रतिमा का अनावरण किया। इसके बाद सीएम योगी पं.जेएन डिग्री कालेज मैदान पर पहुंचे और जनता का अभिवादन स्वीकार किया। सीएम योगी ने यहां 710 करोड़ से अधिक लागत की 229 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया और जिले के विकास को रफ्तार देने का काम किया। जनसभा को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि पहले यहां माफियाओं का आतंक रहता था और डकैतों के लिए फिरौती व वसूली का माध्यम बना हुआ था, लेकिन अब बुंदेलखंड की प्रगति को देखकर उनका भी मन अंतःकरण से प्रसन्न हो रहा है। उन्होंने क्षेत्र के विकास के साथ ही ऐतिहासिक और धार्मिक विरासत को संरक्षित करने का संकल्प दोहराया। कहा कि अब बुंदेलखंड के युवाओं को सरकारी नौकरियों के नियुक्ति पत्र प्राप्त हो रहे हैं। भाजपा की डबल इंजन सरकार ने सभी के सपनों को साकार किया है। सीएम योगी ने सदर विधायक प्रकाश द्विवेदी, तिंदवारी विधायक रामकेश निषाद और नरैनी विधायक ओममणि वर्मा को जिताकर विधानसभा भेजने के लिए जनता जनार्दन का आभार व्यक्त किया। कहा कि विकास की परियोजनाओं को अपने क्षेत्र में लाने के लिए यह जनप्रतिनिधि प्रभावी पैरवी करते हैं। उन्होंने कहा कि बुंदेलखंड अब डकैत, माफिया, कर्फ्यू, उपद्रव व दंगामुक्त हो गया, अब यहां महारानी दुर्गावती मेडिकल कॉलेज, कृषि विश्वविद्यालय, इंजीनियरिंग कॉलेज, पॉलीटेक्निक कॉलेज के साथ कनेक्टिविटी की बेहतरीन सुविधा मिल रही है। हालांकि उन्होंने लोगों को सचेत करते हुए कहा कि यदि भूमाफिया और डकैत चुनाव जीतेंगे तो व्यापारी का अपहरण, गरीबों का उत्पीड़न और नौजवानों-गरीबों की योजनाओं पर डकैती डालने का काम करेंगे। सीएम योगी ने बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे पर डिफेंस कॉरिडोर का हब बनाकर नौजवानों को रोजगार उपलब्ध कराने का भरोसा दिलाया। कहा कि यूपी की ब्रह्मोस मिसाइल जब पाकिस्तान पर दागी जाती है तो वह चिल्ला उठता है। बुंदेलखंड अब भारत के जवानों के शौर्य और पराक्रम का केंद्र बिंदु बन रहा है। उन्होने जिले के यूनिक प्रोडक्ट के रूप में शजर पत्थर की तारीफ करते हुए कहा कि यहां का शजर कीमती पत्थरों में गिना जा रहा है। बड़ी-बड़ी कंपनियां नग की जगह शजर पत्थर का प्रयोग कर रही है। इस मौके पर जिले के प्रभारी मंत्री दिनेश प्रताप सिंह, जलशक्ति राज्यमंत्री रामकेश निषाद, लोकनिर्माण राज्यमंत्री कुंवर ब्रजेश सिंह, सदर विधायक प्रकाश द्विवेदी, नरैनी विधायक ओममणि वर्मा, शिक्षक एमएलसी डॉ.बाबूलाल तिवारी, एमएलसी जितेंद्र सिंह सेंगर, जिला पंचायत अध्यक्ष सुनील पटेल, नगर पालिका अध्यक्ष मालती गुप्ता 'बासू', भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष रामकिशोर साहू, जिलाध्यक्ष कल्लू सिंह राजपूत, जिलाधिकारी अमित आसेरी, पुलिस अधीक्षक पलाश बंसल, मुख्य विकास अधिकारी अजय कुमार पांडेय आदि उपस्थित रहे।

सीएम ने डेढ़ दर्जन लाभार्थियों को किया सम्मानित

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनसभा स्थल पर ही करीब डेढ़ दर्जन लाभार्थियों को विभिन्न योजनाओं का लाभ देकर सम्मानित किया। वहीं विभिन्न विभागों की प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। सीएम योगी ने आंगनबाड़ी सहायिका पुष्पा देवी व पूजा को नियुक्ति पत्र सौंपा, वहीं वंदना गुप्ता को नंदिनी कृषक समृद्धि योजना का प्रमाण पत्र दिया। ऐसे ही रश्मि अग्रवाल व अजीत सिंह को मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना, मंजू देवी व भारती सिंह को राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन का 8.95 करोड़ का चेक, सरोज देवी को ई-रिक्शा, सुमत देवी को सिलाई मशीन, अनिल कुमार को मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान में 5 लाख का चेक, मूरतध्वज को ट्रैक्टर की चाबी, मुलायम व अरविंद कुमार को आयुष्मान कार्ड, शोभाराम कश्यप को पक्षी बचाओ अभियान के लिए प्रमाण पत्र समेत कई लोगों को विभिन्न योजनाओं के प्रमाण पत्र व चेक वितरित किए। मुख्यमंत्री के हाथों सम्मानित होकर लाभार्थियों के चेहरे खुशी में चमक उठे। इसके पहले सीएम योगी ने बच्चों का अन्नप्रासन कराया और महिलाओं को पोषण पोटली देकर सम्मानित किया। बेसिक शिक्षा परिषद के स्टॉल पर स्कूल चलो अभियान और बच्चों के मॉडल की जानकारी लेकर चॉकलेट दी। डीएम अमित आसेरी ने जिला प्रशासन की ओर से मुख्यमंत्री को शजर पत्थर से निर्मित शिवालय भेंट किया।

मैं दीपिका पादुकोण से तुलना से नहीं डरती

कृति सेनन

बॉलीवुड अभिनेत्री कृति सेनन इन दिनों ब्बाजंपस 2 को लेकर जबरदस्त चर्चा में हैं। फिल्म रिलीज से पहले ही उनकी तुलना दीपिका पादुकोण के आइकॉनिक किरदार श्वेरोनिकाश् से की जा रही है। लेकिन कृति इस तुलना से बिल्कुल भी घबराई हुई नहीं हैं। फिल्मफेयर मैगजीन के जून कवर इंटरव्यू में उन्होंने खुलकर बताया कि उन्हें तुलना की पूरी उम्मीद है, लेकिन उनका किरदार श ।ससलश् पूरी तरह अलग है। इतना ही नहीं, उन्होंने शाहिद कपूर की जमकर तारीफ की, अपने करियर की असुरक्षाओं पर बात की और अपने सबसे बड़े डर का भी खुलासा किया। श ।ससलश् बनने के लिए होमी अडजानिया से ली प्रेरणा कृति सेनन ने बताया कि होमी अडजानिया ने उन्हें श ।ससलश् के किरदार को समझने में सबसे ज्यादा मदद की। उन्होंने कहा, ष्होमी अडजानिया। वह पूरी तरह ।ससल नहीं हैं, लेकिन उनके व्यक्तित्व से मैं ।ससल को समझ पाई। उनका स्वभाव बेहद कूल है। उन्होंने दुनिया देखी है, खूब यात्राएं की हैं। उनका नजरिया बहुत खुला और आजाद है। वह किसी को जज नहीं करते और ।ससल में भी यही खूबियां हैं। मुझे याद है, मैंने उनसे कहा था, श्मुझे नहीं लगता कि मैं एक कूल इंसान हूं।श् कूल बनने की कोई तैयारी नहीं होती, यह सिर्फ एक मानसिक स्थिति होती है।ष् श्मैं ।ससल जैसी बिल्कुल नहीं हूंश् कृति ने स्वीकार किया कि इस किरदार को निभाना उनके लिए आसान नहीं था, क्योंकि उनका स्वभाव ।ससल से बिल्कुल अलग है। उन्होंने कहा, ष्मैं ।ससल जितनी बेफिक्र नहीं हूं। उसने जिंदगी को अलग तरह से जिया है। वह किसी को जज नहीं करती, जबकि मैं हर चीज के बारे में बहुत ज्यादा सोचती हूं। मैं विश्लेषण करने वाली और तार्किक इंसान हूं, जबकि ।ससल पूरी तरह आजाद ख्यालों वाली है और समाज के बनाए नियमों में बंधकर नहीं जीती।ष् श्होमी ने ब्वस बनाया, अनाइता ने भ्वजश् फिल्म में कृति का ग्लैमरस लुक भी काफी चर्चा में है। उन्होंने बताया कि इस लुक में उनका ज्यादा योगदान नहीं था। कृति ने हंसते हुए कहा, ष्मेरा इसमें बिल्कुल कोई इनपुट नहीं था। जब मैंने ।ससल के कपड़े देखे तो मुझे लगा कि अब मुझे अपनी बॉडी पर बहुत मेहनत करनी होगी। मुझे फिट, टोंड और बीच बॉडी बनानी थी। यही मेरा इकलौता इनपुट था।ष् इसके बाद उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा, ष्होमी ने मुझे ब्वस बनाया और अनाइता ने मुझे भ्वज बना दिया।ष् शाहिद कपूर की तारीफमें पढ़े कसीदे श्तेरी बातों में ऐसा उलझा जियाश् के बाद कृति और शाहिद कपूर एक बार फिर ब्बाजंपस 2 में साथ नजर आएंगे। कृति ने शाहिद की तारीफकरते हुए कहा, ष्वह बेहद इंटेलिजेंट एक्टर हैं। मुझे सच में लगता है कि वह एक फिल्म डायरेक्ट भी कर सकते हैं। मैं चाहूंगी कि वह निर्देशन करें, क्योंकि उन्हें फिल्ममेकिंग की गहरी समझ है।ष् दोनों की ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री पर कृति ने कहा, ष्हमारी केमिस्ट्री में कुछ इलेक्ट्रिक है, जिसे ब्बाजंपस 2 में और बेहतर तरीके से एक्सप्लोर किया गया है। इस बार मैं इंसान का किरदार निभा रही हूं। ।ससल और कुणाल के बीच एक मजबूत, इलेक्ट्रिक और हल्की सेंसुअस केमिस्ट्री है, जहां दोनों के बीच गहरी बातचीत भी होती है।ष् दीपिका पादुकोण से तुलना पर क्या बोलीं? ब्बाजंपस के पहले पार्ट में दीपिका पादुकोण की श्वेरोनिकाश् आज भी लोगों के दिलों में बसी हुई है। ऐसे में तुलना होना तय माना जा रहा है। इस पर कृति ने बेबाकी से कहा, ष्नहीं, मुझे इससे डर नहीं लगता। क्या मुझे इसकी उम्मीद है? हां, बिल्कुल है। यह स्वाभाविक है क्योंकि मैं उसी फ्रेंचाइजी की फिल्म कर रही हूं। दोनों किरदारों की ऊर्जा थोड़ी मिलती-जुलती है। दोनों थोड़े बिंदास, बेफिक्र और आजाद ख्यालों वाले हैं। लेकिन ।ससल और टमतवदपबं दोनों पूरी तरह अलग हैं और मुझे खुशी है कि दोनों अलग हैं।ष् श्दूसरों से नहीं, खुद से आगे निकलना चाहती हूंश् इंडस्ट्री में तुलना और प्रतिस्पर्धा को लेकर कृति ने कहा, ष्अगर आप खुद को लेकर सुरक्षित महसूस करते हैं तो इन बातों से कोई फर्क नहीं पड़ता। ये सिर्फलोगों का ध्यान खींचने वाली बातें होती हैं, जिनसे दूसरों को असुरक्षित महसूस कराया जाता है। हर कलाकार अपने साथ कुछ अलग लेकर आता है। मेरी असली रेस सिर्फखुद से है। मैं हमेशा अपने पिछले काम से बेहतर करना चाहती हूं।ष् उन्होंने अपने शुरुआती संघर्ष को याद करते हुए कहा, ष्जब आप फिल्मी बैकग्राउंड से नहीं आते तो खुद को साबित करने की भूख होती है। लेकिन जब आप ऐसा कर लेते हैं तो वह असुरक्षा खत्म हो जाती है। अब मेरे लिए सबसे बड़ा रोमांच नए चौलेंज लेना और हर बार कुछ अलग करना है।ष् कृति ने बताया अपना सबसे बड़ा डर इंटरव्यू के सबसे भावुक पल में कृति ने अपने सबसे बड़े डर का खुलासा भी किया। उन्होंने कहा, ष्अपने किसी प्रिय इंसान को खो देना... और कभी-कभी मुझे मन के किसी कोने में यह डर भी रहता है कि एक दिन मैं कैमरे के सामने खड़ी रहूं और अभिनय ही न कर पाऊं।ष् कृति सेनन का यह इंटरव्यू बताता है कि वह सिर्फअपनी फिल्मों को लेकर ही नहीं, बल्कि खुद को एक कलाकार के रूप में लगातार बेहतर बनाने की कोशिश में भी जुटी हुई हैं। ब्बाजंपस 2 में उनका नया अंदाज देखने के लिए फैंस की उत्सुकता अब पहले से कहीं ज्यादा बढ़ गई है।

पैपराजी पर भड़कीं मलाइका अरोड़ा

मलाइका अरोड़ा का हाल ही में सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आया है। वीडियो में वह किसी से बात करती नजर आ रही हैं। इस दौरान पैपराजी उनके काफी करीब आ जाते हैं, जिससे वे नाराज हो गईं। मलाइका पैपराजी से कहती हैं, ष्बाबा, आप इधर आ जाओ।ष् जिसके बाद यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। हालांकि, अब तक यह जानकारी सामने नहीं आ पाई कि यह वीडियो कब और कहां का है। मलाइका ने बिना जरूरत तस्वीरें खींचने पर नाराजगी जताई थी बता दें कि मलाइका अरोड़ा ने कहा था कि उन्हें सबसे ज्यादा परेशानी तब होती है, जब पैपराजी उनकी बिना जरूरत वाली तस्वीरें क्लिक करते हैं। दिसंबर 2022 में कॉमेडियन भारती सिंह से बातचीत के दौरान मलाइका ने कहा था, ष्मैंने कभी किसी को नहीं डांटा, जब तक किसी ने मुझे धक्का न दिया हो या गलत व्यवहार न किया हो, लेकिन मुझे सबसे ज्यादा गुस्सा तब आता है, जब फोटोग्राफर्स मेरे चेहरे की बजाय मेरे शरीर के अलग-अलग हिस्सों की तस्वीरें लेने लगते हैं। कैमरा ऊपर-नीचे घूमता रहता है और मुझे इससे दिक्कत होती है।ष् मलाइका ने आगे कहा था, ष्वे मेरे शरीर के कुछ खास हिस्सों पर ही फोकस क्यों करते हैं? मुझे अपने शरीर पर गर्व है। फिर लोग कहते हैं कि अगर नहीं दिखाना है।
, तो पूरे कपड़े पहन लो। लेकिन मैं क्या पहनूं, यह मेरा फैसला है। मुझे जैसे कपड़े पसंद हैं, मैं वैसे ही पहनूंगी।ष् उन्होंने यह भी कहा था कि ऐसी तस्वीरों की वजह से उन्हें अपने परिवार को भी जवाब देना पड़ता है। इसलिए यह बात उन्हें परेशान करती है। सलमान भी पैपराजी पर भड़के थे वहीं, पिछले महीने सलमान खान भी पैपराजी पर भड़क गए थे। दरअसल, वे हिंदुजा अस्पताल पहुंचे थे, जहां से निकलते समय पैपराजी के शोर से एक्टर भड़क गए थे। हालांकि, बाद में जब सलमान फिल्म राजा शिवाजी की सक्सेस पार्टी में पहुंचे, तब सभी पैपराजी ने उनसे माफी मांगी थी। सलमान जैसे ही पार्टी में पहुंचे, वैसे ही सभी पैपराजी ने उन्हें घेर लिया और माफी मांगने लगे। सभी एक साथ, ष्सॉरी भाईजान, जोर से बोलो सॉरीष् कहते दिखे। इसके बाद सलमान ने भी उनकी माफी कबूल कर ली थी। राजा शिवाजी की सक्सेस पार्टी में सलमान। सलमान ऑल ब्लैक आउटफिट में पार्टी में पहुंचे थे। फिल्म राजा शिवाजी के लीड एक्टर और डायरेक्टर रितेश देशमुख भी सलमान के साथ मौजूद रहे। बता दें कि इस पहले गोविंदा के बॉडीगार्ड्स की भी पैपराजी से बहस हो चुकी है। दरअसल, गोविंदा पिछले एक इवेंट में पहुंचे थे। वहां से निकलते हुए उन्हें पैपराजी ने घेर लिया था। जब उनके गार्ड्स ने निकलने की जगह बनाने के लिए लोगों को पीछे किया, तो पैपराजी ने आरोप लगाया कि उन्हें धक्का दिया गया। विवाद बढ़ने पर गोविंदा को खुद बीच-बचाव करना पड़ा था।

कितने साल की हैं महीप कपूर?

बॉलीवुड एक्टर संजय कपूर की पत्नी और श्फैबुलस लाइव्स ऑफ बॉलीवुड वाइव्सश् फेम महीप कपूर अक्सर किसी न किसी वजह से सुर्खियों में रहती हैं. अब इस बार वो अपनी उम्र को लेकर चर्चा में हैं. हाल ही में सोहा अली खान के पॉडकास्ट में महीप कपूर ने अपनी उम्र को लेकर लंबे समय से चल रही गलतफहमी पर विराम लगा दिया है. कितने साल की हैं संजय कपूर की वाइफ? सोहा अली खान के पॉडकास्ट श्ऑल अबाउट हरश् में शनाया कपूर की मम्मी महीप कपूर ने अपनी असली उम्र बताई. उन्होंने खुलकर बताया कि वो 43 नहीं, बल्कि 52 साल की हैं. इस दौरान उन्होंने बढ़ती उम्र, खूबसूरती और कॉन्फिडेंस को लेकर भी बेबाकी से अपनी बात रखी. इस एपिसोड में महीप के साथ बायो-आइडेंटिकल हार्मोन थेरेपी और एज मैनेजमेंट की एक्सपर्ट डॉ. रश्मि रॉय मौजूद थीं. महीप कपूर ने क्या कहा? सोहा अली खान के पॉडकास्ट के हालिया एपिसोड में महीप कपूर ने एज मैनेजमेंट एक्सपर्ट डॉ. रश्मि रॉय के साथ उम्र बढ़ने, वेलनेस और महिलाओं पर कम उम्र का दिखने के सोसाइटी प्रेशर जैसे मुद्दों पर खुलकर बातचीत की. पॉडकास्ट के दौरान सोहा ने बताया कि उन्हें महीप से उनकी उम्र पूछने में झिझक हो रही थी. इस पर महीप ने मुस्कुराते हुए कहा, श्ओह, शुक्र है कि तुमने मुझसे यह सवाल पूछा.श् महीप कपूर ने बताई अपनी असली उम्र सोहा ने बताया कि एपिसोड की तैयारी के दौरान इंटरनेट पर उन्हें महीप की उम्र 43 साल दिखाई दी. इस पर महीप ने मजाकिया अंदाज में कहा, श्जो लोग मुझे थोड़ा-बहुत जानते हैं, उन्हें पता है कि मैं सीधी-सादी और साफ बात करने वाली हूं. विकिपीडिया पर तो ऐसा लगता है जैसे मैं अभी भी पैदा ही हो रही हूं.श् इसके बाद उन्होंने अपनी असली उम्र का खुलासा करते हुए कहा, श्मैं 43 साल की नहीं हूं, मैं 52 साल की हूं और मुझे 52 साल का होने पर बहुत गर्व है.श् महीप कपूर ने बताई अपनी बर्थ डेट महीप की बात सुनने के बाद सोहा अली खान ने कहा, श्और इसीलिए आप 52 साल की उम्र में भी इतनी शानदार दिखती हैं. जब उम्र 43 बताई गई थी, तो मुझे लगा कि आप 43 के हिसाब से ठीक-ठाक दिखती हैं.श् इस पर महीप ने हंसते हुए जवाब दिया, श्मैं शानदार दिखना चाहती हूं और दोस्तों, मैं 52 साल की हूं. मेरा जन्म 29 अप्रैल 1973 को लंदन में हुआ था. शायद शाम 5 बजे के आसपास. मेरी राशि वृषभ है और मेरा ब्लड ग्रुप ृ है.श् क्या था उम्र बताने का असली मकसद? बता दें कि महीप कपूर की उम्र, सेहत और वेलनेस पर हुई इस चर्चा का मकसद महिलाओं को कम उम्र का दिखने के सामाजिक दबाव से बाहर निकालना था. इस दौरान डॉ. रश्मि रॉय ने भी बताया कि महिलाएं को बढ़ती उम्र में अपने शरीर का बहुत ध्यान देना चाहिए. वहीं, महीप कपूर ने साफकहा कि उम्र को छिपाने की नहीं, बल्कि गर्व के साथ अपनाने की जरूरत है.

भारतीय टेनिस का नया सितारा

भारतीय टेनिस के लिए विंबलडन से एक बेहद उत्साहजनक खबर सामने आई है। देश के युवा खिलाड़ी अर्नव पापरकर ने जूनियर एकल वर्ग के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाकर नया इतिहास रच दिया है। मौजूद जानकारी के अनुसार वह पिछले 36 वर्षों में इस उपलब्धि तक पहुंचने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। इससे पहले वर्ष 1990 में लिएंडर पेस ने न सिर्फ क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी, बल्कि खिताब भी अपने नाम किया था। ऐसे में अर्नव का यह प्रदर्शन भारतीय टेनिस के लिए बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। 18 वर्षीय अर्नव पापरकर ने जापान के रियो तबाता को सीधे सेटों में 6-2 और 6-1 से हराया। यह मुकाबला केवल 52 मिनट तक चला, जिसमें भारतीय खिलाड़ी ने शुरुआत से ही अपना दबदबा बनाए रखा। गौरतलब है कि इससे पहले रियो तबाता दो बार अर्नव को हरा चुके थे। एक मुकाबले में तो अर्नव निर्णायक सेट में 5-2 की बढ़त पर थे और उनके पास पांच मैच अंक भी थे, लेकिन वह जीत नहीं सके थे। इस बार उन्होंने उस हार का शानदार जवाब दिया है। मुकाबले के बाद अर्नव ने कहा कि पिछली हार उनके दिमाग में जरूर थी, लेकिन अब वह मानसिक रूप से पहले से कहीं अधिक मजबूत हो चुके हैं। उन्होंने बताया कि अब वह खुद से कहते हैं कि यह सिर्फ एक टेनिस मैच है और इसी सोच ने उन्हें शांत रहकर बेहतर प्रदर्शन करने में मदद की है। उन्होंने यह भी माना कि मैच के दौरान उन्हें महसूस हो गया था कि रियो तबाता शारीरिक रूप से पूरी तरह फिट नहीं थे, लेकिन उन्होंने अपना पूरा ध्यान केवल अपने खेल पर रखा। बता दें कि अर्नव पापरकर ने इस मुकाबले में अपनी सर्विस से भी सभी को प्रभावित किया। उन्होंने आठ शानदार ऐस लगाए और पहली सर्विस पर खेले गए 25 अंकों में से 23 अंक अपने नाम किए। उनकी सबसे तेज सर्विस 208 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से दर्ज की गई, जबकि पहली सर्विस की औसत गति लगभग 196 किलोमीटर प्रति घंटा रही। यह आंकड़े उनके लगातार बेहतर होते खेल की कहानी भी बताते हैं। मौजूद जानकारी के अनुसार अर्नव का सफर धीरे-धीरे आगे बढ़ा है। उन्होंने शुरुआत भारत में होने वाली छोटे स्तर की अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं से की थी। इसके बाद उन्होंने एशियाई प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया और फिर बड़े अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों तक पहुंचे। इस वर्ष उन्होंने अपने जूनियर करियर के अंतिम सत्र में ग्रैंड स्लैम प्रतियोगिताओं में नियमित रूप से भाग लेना शुरू किया और हर टूर्नामेंट के साथ उनका प्रदर्शन बेहतर होता गया। अर्नव पुणे में कोच हेमंत बेंद्रे के मार्गदर्शन में अभ्यास करते हैं। इसके अलावा वह स्पेन की सोटो अकादमी में कोच नाइजेल बीवर्स के साथ भी प्रशिक्षण लेते हैं। अर्नव का कहना है कि उनकी सर्विस में सबसे बड़ा बदलाव कोच हेमंत बेंद्रे की सलाह के बाद आया। अप्रैल में उनके सर्विस एक्शन में बदलाव किया गया, जिससे उनकी लय बेहतर हुई और चोट लगने की संभावना भी कम हुई। इसी बदलाव का असर अब उनके प्रदर्शन में साफ दिखाई दे रहा है। अब क्वार्टर फाइनल में अर्नव का सामना अमेरिका के जॉर्डन ली से होगा। दोनों खिलाड़ियों की पहले दो बार भिड़ंत हो चुकी है और दोनों बार जीत जॉर्डन ली के नाम रही है। हाल ही में जून महीने में भी दोनों आमने-सामने आए थे, जहां भारतीय खिलाड़ी को हार मिली थी। ऐसे में अर्नव के पास इस बार पुरानी हार का हिसाब बराबर करने और सेमीफाइनल में पहुंचने का सुनहरा अवसर है।

मिस्र का बड़ा आरोप

मिस्र फुटबॉल एसोसिएशन (म्थ्।) ने थ्थ्। वर्ल्ड कप 2026 के राउंड ऑफ 16 में अर्जेंटीना से मिस्र की 3-2 से हार के बाद, फ्रांसीसी रेफरी फ्रांस्वा लेटेक्सियर और उनकी रेफरी टीम के खिलाफ थ्थ्। में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई है। म्थ्। के प्रेसिडेंट हनी अबो रिडा ने 7 जुलाई को हुए मैच के बाद शिकायत दर्ज कराई। इस मैच के दूसरे हाफ में मुस्तफा जिको के गोल को ट।त् रिव्यू के बाद अमान्य करार दिया गया था, क्योंकि गोल से लगभग 20 सेकंड पहले एक नियम का उल्लंघन पाया गया था। यह फैसला मैच का एक अहम मोड़ था और इससे मिस्र की टीम में निराशा फैली, क्योंकि अर्जेंटीना के आगे बढ़ने के साथ ही उनका टूर्नामेंट खत्म हो गया। स्पेनिश पब्लिकेशन शडायरियो एएसश् की एक रिपोर्ट के अनुसार, म्थ्। का कहना है कि अर्जेंटीना की जीत में रेफरी की अहम भूमिका थी और उसने मिस्र पर असर डालने वाले विवादित फैसलों की जांच की मांग की है। फेडरेशन ने टूर्नामेंट के बाकी मैचों से फ्रांसीसी रेफरी टीम को हटाने की भी मांग की है और उनकी गलतियों को गंभीर बताया है।

फाइनल का हाफटाइम शो बनेगा अब तक का सबसे बड़ा म्यूजिक इवेंट? बीबर समेत ये सितारे करेंगे परफॉर्म

लंदन। फीफा विश्व कप 2026 के फाइनल में पहली बार आयोजित होने वाले हाफटाइम शो में जस्टिन बीबर भी शामिल हो गए हैं। वह मैडोना, शकीरा और ठज्ै के साथ मंच साझा करेंगे। यह कार्यक्रम शिक्षा के लिए धन जुटाने वाले फीफा ग्लोबल सिटिजन एजुकेशन फंड का समर्थन करेगा, जिसके लिए अब तक 5 करोड़ डॉलर से ज्यादा जुटाए जा चुके हैं। फीफा विश्व कप 2026 का फाइनल सिर्फ फुटबॉल के लिहाज से ही नहीं, बल्कि संगीत की दुनिया के लिए भी ऐतिहासिक बनने जा रहा है। पहली बार विश्व कप फाइनल में हाफटाइम शो का आयोजन होगा और अब इसमें वैश्विक पॉप स्टार जस्टिन बीबर की भी एंट्री हो गई है। बीबर, मैडोना, शकीरा और बीटीएस के साथ इस ऐतिहासिक मंच पर प्रस्तुति देंगे। यह कार्यक्रम 19 जुलाई 2026 को

न्यूयॉर्क-न्यू जर्सी स्टेडियम में विश्व कप फाइनल के दौरान आयोजित होगा। दुनिया के बड़े कलाकार एक मंच पर फीफा और ग्लोबल सिटीजन ने आधिकारिक तौर पर घोषणा की है कि जस्टिन बीबर इस ऐतिहासिक हाफटाइम शो के सह-हेडलाइनर होंगे। उनके अलावा मैडोना, शकीरा और बीटीएस पहले ही इस शो का हिस्सा बनाए जा चुके हैं। शो में नाइजीरियाई स्टार बर्ना बॉय, विश्व प्रसिद्ध वेनेजुएलाई ऑर्केस्ट्रा कंडक्टर गुस्तावो डुडामेल, पीएस 22 कोरस और कोल्डप्ले भी प्रस्तुति देंगे। पूरे शो को कोल्डप्ले के फ्रंटमैन क्रिस मार्टिन ने क्यूरेट किया है। शिक्षा के लिए जुटाए जाएंगे 10 करोड़ डॉलर यह हाफटाइम शो सिर्फ मनोरंजन तक सीमित नहीं रहेगा। इसका उद्देश्य फीफा ग्लोबल सिटिजन एजुकेशन फंड के लिए 10 करोड़ अमेरिकी डॉलर जुटाना है। यह फंड दुनिया भर के बच्चों को बेहतर शिक्षा और फुटबॉल से जुड़ने के अवसर उपलब्ध कराने के लिए बनाया गया है। अब तक इस फंड के लिए 5 करोड़ डॉलर से अधिक जुटाए जा चुके हैं। साथ ही विश्व कप 2026 के हर टिकट की बिक्री से 1 अमेरिकी डॉलर इस फंड में दान किया जाएगा। इनफैनटिनो ने क्या कहा? फीफा अध्यक्ष जियानी इनफैनटिनो ने कहा, श्दुनिया को अगर किसी चीज की सबसे ज्यादा जरूरत है तो वह शिक्षा है। हमें गर्व है कि जस्टिन बीबर, मैडोना, शकीरा और बीटीएस के साथ फीफा विश्व कप 2026 फाइनल हाफटाइम शो का हिस्सा बनेंगे। यह कार्यक्रम फीफा ग्लोबल सिटिजन एजुकेशन फंड का समर्थन करेगा, जिसका उद्देश्य दुनिया भर के बच्चों तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और फुटबॉल के अवसर पहुंचाना है।श् उन्होंने आगे कहा, श्बर्ना बॉय, गुस्तावो डुडामेल और पीएस 22 कोरस भी इस शो का हिस्सा होंगे। 19 जुलाई को दुनिया जब फुटबॉल के सबसे बड़े मुकाबले के लिए एकजुट होगी, तब यह आयोजन फुटबॉल, संगीत और साझा मानवीय मूल्यों का जश्न मनाएगा।श् जस्टिन बीबर बोले- यह सिर्फ शो नहीं, एक मिशन है जस्टिन बीबर ने इस आयोजन का हिस्सा बनने पर खुशी जताई। उन्होंने कहा, श्फीफा विश्व कप पूरी दुनिया को एक साथ जोड़ता है। मैं इस हाफटाइम शो का हिस्सा बनकर बेहद आभारी हूं। इससे भी ज्यादा खुशी इस बात की है कि यह कार्यक्रम दुनिया भर के बच्चों तक शिक्षा पहुंचाने में मदद कर रहा है।

क्या वादा निभाएंगे रूनी?

लंदन। नॉर्वे के पहली बार फीफा विश्व कप क्वार्टर फाइनल में पहुंचने के बाद स्टार स्ट्राइकर एर्लिंग हालंद ने इंग्लैंड के पूर्व कप्तान वेन रूनी को उनका पुराना वादा याद दिलाया है। रूनी ने कहा था कि अगर नॉर्वे अंतिम-8 में पहुंचा तो वह मर्सी नदी में नाव चलाएंगे। इस बीच डॉर्टमुंड अध्यक्ष ने हालंद के भविष्य को लेकर भी बड़ा दावा किया है। फीफा विश्व कप 2026 में नॉर्वे ने इतिहास रचते हुए पहली बार क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई है।

एर्लिंग हालंद की अगुआई में टीम ने शानदार प्रदर्शन किया है और अब उसका सामना 11 जुलाई को मियामी स्टेडियम में इंग्लैंड से होगा। इस ऐतिहासिक उपलब्धि के बाद हालंद ने इंग्लैंड के पूर्व कप्तान वेन रूनी को उनका पुराना वादा याद दिलाया है, जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर भी खूब चर्चा में है। क्या था वेन रूनी का वादा? विश्व कप के दौरान बीबीसी स्पोर्ट से बातचीत में वेन रूनी ने मजाकिया अंदाज में कहा था कि अगर नॉर्वे क्वार्टर फाइनल में पहुंच गया तो वह लिवरपूल की मर्सी नदी में नाव चलाएंगे। रूनी ने कहा था, श्अगर नॉर्वे क्वार्टर फाइनल में पहुंचता है तो मैं मर्सी नदी में उतरकर नाव चलाऊंगा।श् अब जब नॉर्वे ने इतिहास रच दिया है तो हालंद ने रूनी से अपना वादा निभाने की मांग की है। हालंद बोले- अब यही देखना चाहता हूं क्वार्टर फाइनल में पहुंचने के बाद हालंद ने मुस्कुराते हुए रूनी को चुनौती याद दिलाई। हालंद ने कहा, श्मैं वेन... वेनी बॉय को देखने का इंतजार कर रहा हूं। मैं वेन रूनी को लिवरपूल में मर्सी नदी में नाव चलाते हुए देखना चाहता हूं। अब मैं सिर्फ यही देखना चाहता हूं। वेन रूनी, मुझे उम्मीद है कि आप नाव चलाने जरूर जाएंगे।श् हालंद का यह बयान सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। विश्व कप में शानदार फॉर्म में हैं हालंद मैनचेस्टर सिटी के स्टार स्ट्राइकर एर्लिंग हालंद इस विश्व कप में शानदार लय में हैं। उन्होंने अब तक चार मैचों में सात गोल किए हैं और गोल्डन बूट की दौड़ में केवल लियोनेल मेसी से एक गोल पीछे हैं। नॉर्वे ने इससे पहले केवल चार बार विश्व कप खेला था और 1998 के बाद पहली बार टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाई किया। इस बार टीम ने पहली बार क्वार्टर फाइनल में पहुंचकर नया इतिहास रच दिया है। रियल मैड्रिड को लेकर भी बड़ा दावा इस बीच बोरूसिया डॉर्टमुंड के अध्यक्ष योआखिम वाट्सके ने हालंद के भविष्य को लेकर बड़ा बयान दिया है। उनका मानना है कि मौजूदा समय में मैनचेस्टर सिटी के लिए खेलने वाले हालंद आने वाले कुछ वर्षों में रियल मैड्रिड का रुख कर सकते हैं। वाट्सके ने कहा, श्एर्लिंग को रियल मैड्रिड पसंद है और वह इसे छिपाते भी नहीं हैं। मुझे लगता है कि दो या तीन साल में वह वहां खेलेंगे। अभी नहीं, लेकिन उनका समय जल्द आएगा।श् हालंद ने 2022 में बोरूसिया डॉर्टमुंड छोड़कर मैनचेस्टर सिटी का दामन थामा था। तब से वह क्लब के लिए 198 मैचों में 162 गोल कर चुके हैं और कई बड़े खिताब जीत चुके हैं। अब सभी की नजरें 11 जुलाई को होने वाले इंग्लैंड और नॉर्वे के क्वार्टर फाइनल मुकाबले पर होंगी।

अर्जेंटीना और मिस्र के फैंस आमने-सामने

डलास। फीफा विश्व कप 2026 में अर्जेंटीना और मिस्र के बीच खेले गए प्री-क्वार्टर फाइनल मुकाबले के बाद फीफा की रेफरिंग और ट।त् सबसे बड़ा विवाद बन गए हैं। सोशल मीडिया पर अर्जेंटीना और मिस्र के फैंस वीडियो शेयर कर एक-दूसरे पर निशाना साध रहे हैं। वहीं दुनिया के कई दिग्गज खिलाड़ियों और विशेषज्ञों ने भी फीफा के फैसलों पर अलग-अलग राय दी है। फीफा विश्व कप 2026 के सबसे विवादित मुकाबलों में से एक अर्जेंटीना और मिस्र के बीच खेला गया राउंड ऑफ-16 मैच अब भी चर्चा का विषय बना हुआ है। फीफा विश्व कप के इस मुकाबले में गत चौंपियन अर्जेंटीना ने शानदार वापसी करते हुए 3-2 से जीत दर्ज कर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई, लेकिन मैच खत्म होने के बाद से चर्चा जीत से ज्यादा फीफा, रेफरिंग और ट।त् के फैसलों की हो रही है। अब इस विवाद को लेकर अर्जेंटीना और मिस्र के फैंस आमने-सामने आ गए हैं। दोनों एक-दूसरे के खिलाफ वीडियो शेयर कर एक-दूसरे की टीम पर आरोप लगा रहे हैं। अर्जेंटीना के फैंस का कहना है कि गलत उनकी टीम के साथ हुआ, जबकि मिस्र के फैंस का कहना है कि रेफरी ने दिनदहाड़े चोरी की है और अर्जेंटीना को फेवर किया है। अटलांटा में खेले गए इस मुकाबले में अर्जेंटीना निर्धारित समय के अंतिम 11 मिनट तक 0-2 से पीछे था। इसके बाद क्रिस्टियन रोमेरो, लियोनल मेसी और इंजरी टाइम में एंजो फर्नांडीज के गोल की बदौलत टीम ने अविश्वसनीय वापसी करते हुए जीत दर्ज कर ली। मुकाबले के बाद मेसी भावुक होकर मैदान पर आंसू बहाते भी नजर आए। हालांकि, फीफा विश्व कप के इस मैच की सबसे बड़ी कहानी अर्जेंटीना की वापसी नहीं, बल्कि फीफा के मैच अधिकारियों और ट।त् के फैसले बन गए। विवाद की शुरुआत दूसरे हाफ में हुई। मिस्र के मिडफील्डर मुस्तफा जिको ने गोल कर अपनी टीम की बढ़त 2-0 कर दी थी, लेकिन ट।त् की समीक्षा के बाद फ्रांसीसी रेफरी फ्रांस्वा लेटेक्सिए ने गोल रद्द कर दिया।रेफरी ने माना कि गोल बनने से पहले मिस्र के खिलाड़ी मरावान अतिया ने अर्जेंटीना के लिसांद्रो मार्टिनेज पर फाउल किया था। इसी आधार पर गोल को अमान्य घोषित कर दिया गया।

अर्थ जगत

महंगे होते तेल के बीच भी भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत, जानें विकास दर को लेकर क्या कहा?

वॉशिंगटन। आईएमएफ ने 2026 के लिए भारत की विकास दर का अनुमान मामूली घटाकर 6.4: किया है, लेकिन मजबूत घरेलू मांग और आर्थिक गतिविधियों के चलते अर्थव्यवस्था को मजबूत बताया। पश्चिम एशिया में तनाव से तेल महंगा होने का असर रहेगा। इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड (आईएमएफ) ने कहा कि पश्चिम एशिया में चल रहे टकराव की वजह से दुनिया भर में तेल की कीमतें बढ़ने के बावजूद भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है। हालांकि, वैश्विक आर्थिक संस्था ने भारत की 2026 की ग्रोथ का अनुमान थोड़ा घटाकर 6.4 प्रतिशत कर दिया है, लेकिन साथ ही यह भी कहा है कि अगले साल ऊर्जा से जुड़ी दिक्कतों के कम होने पर देश की ग्रोथ और तेज होगी। वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक में क्या है? आईएमएफ ने अपने ताजा श्वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुकश् रिपोर्ट में 2026 के लिए भारत की ग्रोथ का अनुमान अप्रैल के अनुमान से 0.1 प्रतिशत अंक घटा दिया, लेकिन 2027 के लिए अनुमान 0.2 प्रतिशत अंक बढ़ा दिया। आईएमएफ का कहना है कि उम्मीद से बेहतर आर्थिक गतिविधि और मजबूत घरेलू मांग देश के आउटलुक को सहारा दे रही है। भारत के बारे में आईएमएफ ने क्या कहा? आईएमएफ अधिकारियों ने अपनी ताजा श्वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुकश् रिपोर्ट पेश करते हुए कहा कि भारत ने कई दूसरी अर्थव्यवस्थाओं के मुकाबले ग्लोबल अनिश्चितता का बेहतर ढंग से सामना किया है, हालांकि पश्चिम एशिया में चल रहे टकराव की वजह से ऊर्जा की बढ़ती कीमतें इस साल विकास दर पर असर डालेंगी। 2027 के लिए विकास दर का क्या अनुमान? आईएमएफ रिसर्च विभाग की प्रमुख डेनिज इगन ने प्रेस ब्रीफिंग के दौरान पत्रकारों को बताया, श्भारत के लिए हमने इस साल के अनुमान को बहुत मामूली रूप से 0.1 प्रतिशत अंक घटाकर 6.4 कर दिया है। और अगले साल, यानी 2027 के लिए विकास दर के अनुमान को 0.2 प्रतिशत अंक बढ़ा दिया है।श् इगन ने कहा, श्अच्छी बात यह है कि हाल के डेटा में नतीजे उम्मीद से बेहतर रहे हैं। साथ ही, अप्रैल तक के हाई-फ्रीक्वेंसी इंडिकेटर भी दिखाते हैं कि कुल मिलाकर आर्थिक गतिविधियों में काफी मजबूती बनी हुई है।श् ऊर्जा की बढ़ती कीमतों को लेकर क्या कहा? हालांकि, उन्होंने कहा कि इस साल ऊर्जा की बढ़ती कीमतों ने इस सकारात्मक गति के असर को खत्म कर दिया है। हालांकि,आईएमएफ को उम्मीद ह

बड़ी गिरावट के बाद संभला सेंसेक्स, निफ्टी ने फिर पार किया 24,000 का स्तर

नयी दिल्ली। भारतीय शेयर बाजार में कल की भारी मंदी के बाद गुरुवार सुबह दर्ज हुई बड़ी रिकवरी। सेंसेक्स करीब 500 अंक मजबूत हुआ, जबकि निफ्टी फिर से 24,000 के पार निकला। जानें आज कौन से सेक्टर्स रहे तेजी में आगे और क्या है विश्लेषकों की राय। बुधवार को दलाल स्ट्रीट पर हुई बड़ी बिकवाली के बाद गुरुवार की सुबह भारतीय शेयर बाजार में शानदार रिकवरी देखने को मिली।

कमजोर वैश्विक संकेतों के कारण कल की बिकवाली में निवेशकों के लाखों करोड़ रुपये स्वाहा होने के बाद, आज बाजार ने दमदार वापसी की है। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी दोनों प्रमुख सूचकांकों में आधा प्रतिशत से अधिक की मजबूती देखी गई, जिससे निफ्टी ने एक बार फिर 24,000 के बेहद महत्वपूर्ण मनोवैज्ञानिक स्तर को सफलतापूर्वक पार कर लिया। दूसरी ओर, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के कारण रुपया गुरुवार को शुरुआती कारोबार में डॉलर के मुकाबले 4 पैसे गिरकर 95.52 पर आ गया। कैसा रहा आज सुबह बाजार का हाल? गुरुवार सुबह 09रू35 बजे के कारोबारी सत्र में घरेलू बाजार के दोनों प्रमुख बेंचमार्क सूचकांकों में बढ़त का माहौल रहा। बंबई स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का संवेदनशील सूचकांक सेंसेक्स 492.38 अंक (0.64:) की तेजी के साथ 76,995.98 के स्तर पर पहुंच गया। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 50 सूचकांक भी 138.11 अंक (0.58:) की छलांग लगाकर 24,020.15 के स्तर पर कारोबार करता दिखाई दिया। इस शुरुआती रिकवरी ने बीते सत्र के भारी मानसिक दबाव से जूझ रहे निवेशकों को बड़ी राहत दी है। किन सेक्टरों में देखी जा रही है सबसे ज्यादा तेजी? बाजार में शुरुआती बढ़त को मुख्य रूप से चुनिंदा डिफेंसिव और कंजम्पशन सेक्टरों से समर्थन मिला। इस तेजी का नेतृत्व मुख्य रूप से कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और फार्मा सेक्टर्स के शेयरों ने किया। इन क्षेत्रों में आई लिवाली के चलते बाजार के सेंटिमेंट में सकारात्मक सुधार देखा जा रहा है और कल के चौतरफा बिकवाली के दौर पर कुछ हद तक ब्रेक लगा है। बड़ी गिरावट के बीच एफआईआई की खरीदारी और शेयरों का रुख बाजार में आई इस बड़ी गिरावट के बीच सबसे चौंकाने वाला और महत्वपूर्ण आंकड़ा विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) का रहा। बुधवार को जब बाजार में हाहाकार मचा था, तब भी विदेशी निवेशकों ने भारतीय बाजार पर भरोसा जताते हुए 1,962.80 करोड़ रुपये के शेयरों की शुद्ध खरीदारी की। गुरुवार सुबह शुरुआती कारोबार में जहां सेंसेक्स 495.86 अंक उछलकर 76,998.54 पर और निफ्टी 148.70 अंक की बढ़त के साथ 24,025 के स्तर पर पहुंच गया। वहीं इस तेजी को सन फार्मा, भारती एयरटेल, टाइटन, रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफसी बैंक जैसे मजबूत ब्लू-चिप शेयरों का सहारा मिला। हालांकि, सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सेक्टर की दिग्गज कंपनियां जैसे इंफोसिस, टीसीएस, एचसीएल टेक और टेक महिंद्रा इस रिकवरी के दौरान भी पिछड़ती नजर आईं। कच्चे तेल की कीमतों और भुगतान संतुलन (बीओपी) पर विशेषज्ञों की राय बाजार के जानकारों का मानना है कि भू-राजनीतिक तनाव ने भले ही भारतीय बाजार के मजबूत होते कदम को अस्थायी रूप से झटका दिया हो, लेकिन हालात उतने गंभीर नहीं हैं जितनी आशंका जताई जा रही है। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार के अनुसार, वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड का 78.83 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर होना भारत के लिए कोई चिंता की बात नहीं है और इससे देश के भुगतान संतुलन (बीओपी) पर कोई संकट नहीं आएगा। भारतीय बाजार के लिए वास्तविक संकट तभी पैदा होगा, जब तनाव के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य को दोबारा बंद करने की नौबत आ जाए और कच्चा तेल 100 प्रति बैरल के पार निकल जाए, लेकिन मौजूदा फ्यूचर्स बाजार फिलहाल ऐसी किसी भी निराशाजनक स्थिति का संकेत नहीं दे रहे हैं। तकनीकी विश्लेषकों का इस तेजी पर क्या है नजरिया? बाजार की चाल पर तकनीकी विश्लेषक अभी भी पूरी तरह आश्वस्त नहीं हैं। मार्केट एक्सपर्ट्स के मुताबिक, बुधवार को हुई भारी बिकवाली के दौरान निफ्टी ने अपने सबसे महत्वपूर्ण सपोर्ट जोन यानी 24,000-24,150 के दायरे को काफी मजबूती से तोड़ दिया था।

मोदी का ऑस्ट्रेलिया दौरा क्यों खास, क्या है भारत-ऑस्ट्रेलिया के व्यापारिक रिश्तों की पूरी कहानी?

नयी दिल्ली। भारत और ऑस्ट्रेलिया के रिश्ते अब केवल कूटनीति तक सीमित नहीं हैं। व्यापार, रक्षा, स्वच्छ ऊर्जा, तकनीक और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में दोनों देशों की साझेदारी लगातार मजबूत हो रही है। ऐसे में पीएम मोदी का यह दौरा इस रणनीतिक और आर्थिक रिश्ते को नई गति देने की दिशा में अहम माना जा रहा है। आइए विस्तार से जानते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 8 से 10 जुलाई तक ऑस्ट्रेलिया के आधिकारिक दौरे पर हैं। यह यात्रा ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज के निमंत्रण पर हो रही है। इस दौरे के दौरान दोनों देशों के बीच व्यापार, निवेश, रक्षा, शिक्षा, नई तकनीक, स्वच्छ ऊर्जा, महत्वपूर्ण खनिज और लोगों के बीच संबंधों को मजबूत बनाने पर चर्चा होगी। माना जा रहा है कि यह दौरा भारत और ऑस्ट्रेलिया के रिश्तों को नई दिशा देगा। ऐसे में आइए जानते हैं कि दोनों देशों के रिश्ते कितने पुराने हैं? दोनों के व्यापारिक रिश्ते कैसे मजबूत हुए? दोनों देशों में कितना व्यापार होता है? किस क्षेत्र पर ज्यादा फोकस किया गया है? भारतीय प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति ने कब-कब ऑस्ट्रेलिया का दौरा किया? पीएम मोदी का यह दौरा क्यों खास है? भारत और ऑस्ट्रेलिया के रिश्ते कितने पुराने हैं? भारत और ऑस्ट्रेलिया के संबंध आजादी से पहले ही शुरू हो गए थे। वर्ष 1941 में भारत ने सिडनी में अपना पहला व्यापार कार्यालय खोला था। इसके बाद 1944 में ऑस्ट्रेलिया ने भारत में अपना पहला उच्चायुक्त नियुक्त किया। समय के साथ दोनों देशों के बीच राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक संबंध लगातार मजबूत होते गए। साल 2009 में दोनों देशों ने अपने रिश्तों को रणनीतिक साझेदारी का दर्जा दिया। इसके बाद जून 2020 में इसे बढ़ाकर व्यापक रणनीतिक साझेदारी बना दिया गया। इसके बाद रक्षा, समुद्री सुरक्षा, व्यापार, निवेश, विज्ञान, तकनीक, शिक्षा, कृषि और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में सहयोग तेजी से बढ़ा। आज ऑस्ट्रेलिया उन चुनिंदा देशों में शामिल है, जिनके साथ भारत हर साल प्रधानमंत्री स्तर की बैठक करता है। दोनों देश क्वाड, जी-20 और ईस्ट एशिया समिट जैसे मंचों पर भी साथ मिलकर काम करते हैं। भारतीय प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति ने कब-कब किया ऑस्ट्रेलिया का दौरा? मोरारजी देसाई ऑस्ट्रेलिया का आधिकारिक दौरा करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री थे। उन्होंने फरवरी 1978 में राष्ट्रमंडल देशों के प्रमुखों के सम्मेलन (ब्भ्व्ळड) में हिस्सा लेने के लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा किया था। इसके बाद इंदिरा गांधी ने अक्तूबर 1981 में सीएचओजीएम सम्मेलन के लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा किया। राजीव गांधी ने 1986 में ऑस्ट्रेलिया की पहली आधिकारिक द्विपक्षीय यात्रा की। राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने 21 से 24 नवंबर 2018 तक ऑस्ट्रेलिया का दौरा किया। यह किसी भारतीय राष्ट्रपति की पहली आधिकारिक ऑस्ट्रेलिया यात्रा थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ऑस्ट्रेलिया का तीन बार दौरा करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री बन गए हैं। उन्होंने पहली बार 2014 में जी-20 शिखर सम्मेलन और द्विपक्षीय बैठक के लिए, दूसरी बार 2023 में आधिकारिक यात्रा पर और अब जुलाई में तीसरी बार ऑस्ट्रेलिया का दौरा किया है। व्यापारिक रिश्ते कैसे मजबूत हुए? पिछले कुछ वर्षों में दोनों देशों ने आर्थिक संबंधों को मजबूत करने के लिए कई बड़े कदम उठाए।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, श्रीमती विजय लक्ष्मी शर्मा द्वारा त्रिपाठी प्रिंटिंग प्रेस 12/29, पुराना किला, कैण्ट रोड, लखनऊ 226001 (उ.प्र.) से मुद्रित कराकर 1372/12 न्यू गुडौरा बेहसा शहीदपथ लखनऊ 226008 (उ.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक-अनूप सिंह
आरएनआई न० UPHIN/2023/87118 मोबाइल नं. 7905289865,9839177720 Email- tvnews1979@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ ही मान्य होगा।